धर्मेंद्र प्रधान का बदलेगा मंत्रालय.. 02

# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वरुण धवन की मां का रोल ऑफर.. 11

वर्ष - 02, अंक - 86 | गाजियाबाद / सोमवार 29 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

**संक्षिप्त समाचार**

## उपचुनाव से ठीक पहले स्टालिन को झटका

- एमडीएमके ने छोड़ा साथ,टीवीके का करेगी समर्थन

**चेन्नई (एजेंसी)।** वाइको के नेतृत्व वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) ने शनिवार को द्रमुक नीत सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) से नाता तोड़ने का एलान



कर दिया। पार्टी ने आरोप लगाया कि द्रमुक ने विधानसभा चुनाव के बाद अन्नाद्रमुक की सरकार बनवाने की कोशिश की, जिससे गठबंधन की वैचारिक प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े हो गए। एमडीएमके प्रमुख वाइको ने कहा कि उनकी पार्टी अब विधानसभा उपचुनावों में सत्तारूढ़ टीवीके का समर्थन करेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निकाय चुनावों में भी पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन को मजबूत करने के लिए काम करेगी।

## 500 शहरों में चलने वाली भारत टैक्सी सेवा शुरू

- गृह मंत्री अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी,गुजरात से शुरुआत

**गांधीनगर (एजेंसी)।** गुजरात के 14 शहरों में शनिवार को भारत टैक्सी योजना शुरू हो गई। गुजरात की राजधानी गांधीनगर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस टैक्सी योजना का लोकार्पण किया। कहा कि आगामी दो वर्ष में भारत टैक्सी योजना देश के 500 प्रमुख शहरों में चालू हो जाएगी। भारत टैक्सी देश की पहली सहकारिता पर आधारित जन परिवहन योजना है जिसमें ड्राइवर खुद अपनी गाड़ी चलाकर लोगों को आवागमन की सेवा देता है। यह योजना केंद्र सरकार और कई अन्य एजेंसियों के सहयोग से चलाई जा रही है।

## टीएमसी बागी गुट की 47 पूर्व पार्षदों के साथ बैठक

- ममता गुट ने शिकायत दर्ज कराई, कहा-पार्टी के नाम-सिंबल का गलत इस्तेमाल हुआ

**कोलकाता (एजेंसी)।** तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने रविवार को एक हफ्ते में दूसरी बार मीटिंग की। इसमें 47 पूर्व पार्षदों शामिल हुए। बैठक पूर्वी कोलकाता के टॉपसिया इलाके में हुई। इससे



पहले 22 जून को न्यू टाउन में भी बागी गुट की बैठक हुई थी। दोनों बैठकों में टीएमसी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल किया गया, लेकिन ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं लगाई गई। इधर, ममता बनर्जी गुट की डोला सेन ने न्यू टाउन और प्रगति मैदान थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में फर्जी दस्तावेज का जिक्र है।

# लोहागढ़ किले में उस दिन क्या हुआ, पुलिस से जाना

**सिया गोयल को लेकर क्राइम सीन रिक्रिएट करवाने पहुंची , हर एंगल से की जांच**

**पुणे (एजेंसी)।** रियल एस्टेट बिजनेसमैन केतन अग्रवाल के मर्डर केस में रविवार को दोनों आरोपियों सिया गोयल और चेतन चौधरी को पहाड़ी की चोटी पर ले जाया गया ताकि क्राइम सीन को फिर से बनाया जा सके और यह समझा जा सके कि हत्या के दिन घटनाएं कैसे घटी थीं। यह कार्रवाई 18 जून की उस घटना की चल रही जांच का हिस्सा है, जिसमें अग्रवाल को कथित तौर पर 20 साल की सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी ने किले से नीचे धकेल दिया था।

### घटना का किया गया रिक्रिएशन

अधिकारियों ने कहा कि घटना को दोबारा दोहराकर आरोपी के उन दावों की पुष्टि करने में मदद मिलेगी कि अग्रवाल को कैसे और कहां से धक्का दिया गया था। पुलिस के अनुसार, इस प्रक्रिया में घटना वाली जगह पर घटनाओं की पूरी कड़ी को फिर से दोहराया जाता है, जिसमें घटना के दिन आरोपी की गतिविधियां और हरकतें भी शामिल होती हैं। घटनास्थल पर घटना को दोहराने की प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है। जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि आरोपी किले तक कैसे पहुंचे, घटना के समय उनकी स्थिति क्या थी और घटनाएं किस क्रम में हुई। पुलिस ने यह भी बताया कि इस कवायद का मकसद यह समझना है कि दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ित को पहाड़ी से कैसे नीचे धकेला, घटना से पहले गोयल ने क्या इशारा किया था।

### सिया को घटनास्थल पर लेकर पहुंची पुलिस

पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि अपराध को फिर से समझने के लिए आरोपियों को उस जगह ले जाया गया, जहां घटना हुई थी। उन्होंने बताया, आरोपियों को लोहागढ़ किले ले जाया गया है, खासकर उस जगह पर जहां घटना हुई थी ताकि घटनाक्रम को फिर से दोहराया जा सके। पूरी घटना का क्रम फिर से तैयार किया जा रहा है। कौन सा रास्ता अपनाया गया, आरोपी कहां खड़े थे, उन्होंने क्या-क्या किया और घटना कैसे हुई। आरोपियों ने इस बारे में जानकारी दी है। पुणे ग्रामीण पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिया गोयल को उस जगह ले जाया गया, जहां से कथित तौर पर पीड़ित को धक्का दिया गया था।

## अमेरिका ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर फिर किया हमला

- ट्रम्प बोले-ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा

**तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा। ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर उन्होंने कहा, लगता है ईरान कभी नहीं सुधरेगा, लेकिन हम और संयम नहीं बरत पाएंगे। एक समय ऐसा भी आ सकता है जब हमें उस सैन्य अभियान को पूरा करना पड़ेगा, जिसकी शुरुआत हमने बहुत सफल तरीके से की थी। अगर ऐसा हुआ तो ईरान का अस्तित्व ही नहीं बचेगा। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक



नौसेना ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। ये हमले होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी ठिकानों पर किए गए। यह कार्रवाई 'एम/टी किकु' नाम के तेल टैंकर पर हुए ईरानी ड्रोन हमले के जवाब में की गई है। दूसरी ओर, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट बेस पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। अमेरिका ने करीब एक घंटे तक ईरान के मिसाइल, ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स पर हवाई हमले किए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने युद्धविराम तोड़ा था, इसलिए यह कार्रवाई की गई।

# समुद्र से आकाश तक भारत हर तरह से सुरक्षित

**पीएम मोदी बोले-योग में भारत ने 114 पदक जीते**

**कहा-देश में 40 से ज्यादा सी-295 विमान बनाए जा रहे**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। पीएम मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए सी-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है।

वर्तमान में ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर



योग के कई कार्यक्रम हुए। भारत ने अहमदाबाद में आयोजित विश्व योगासन चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 114 मेडल जीते हैं। इनमें 102 गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा है।

### मन की बात में नॉर्थ ईस्ट के 3 राज्यों का जिक्र

शादी के लिए सोना रीसाइकल कर रहे लोग पीएम मोदी ने कहा कि मैंने बीते दिनों लोगों से कुछ समय तक सोना ना खरीदने, विदेश यात्रा टालने या कार पूलिंग की अपील की थी मैं देश के हर नागरिक का आभारी हूं कि मेरी अपील का उन्होंने न सिर्फ समर्थन किया बल्कि उसमें सहयोग कर रहे हैं। कई परिवारों ने तय किया है कि घर के विवाह में सोना नहीं खरीदेंगे। जरूरत हुई तो वे पुराने सोने को ही रिसाइकल करेंगे। कई लोगों ने कार पूलिंग के अनुभव भी साझा किए हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि हम भारतीय इस संकट से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं।

### असम-हरगिला आर्मी ने पुरानी सोच बदली

पीएम मोदी ने कहा कि असम में एक पक्षी पाया जाता है। उसका नाम हरगिला है। हरगिला एक दुर्लभ पक्षी है। ये प्रकृति को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन असम के कुछ इलाकों में लंबे समय तक इसे अशुभ माना जाता था। लोग इसे अपने आसपास देखना पसंद नहीं करते थे। कई बार उन पेड़ों को भी काट दिया जाता था जिन पर हरगिला के घोसले बने होते थे। इसी दौरान जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन ने ये सब देखा। उन्होंने लोगों के मन में बैठी गलत धारणा को बदलने का संकल्प लिया। उन्होंने महिलाओं से बात की, लोगों को विज्ञान के आधार पर समझाया। धीरे-धीरे महिलाएं इस अभियान से जुड़ने लगीं। फिर एक बड़ा बदलाव शुरू हुआ।

## अयोध्या की बनी पहचान, मथुरा की मुक्ति पर बोलिए

- सीएम योगी की अखिलेश को चुनौती,बोला तीखा हमला

**लखनऊ (एजेंसी)।** समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को दावा किया था कि उनकी सरकार आई तो अयोध्या को धार्मिक सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। अखिलेश के इसी दावे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को तीखा हमला किया। सीएम योगी ने अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा कि अयोध्या की पहचान बन चुकी है। अगर हिम्मत है तो यही बात मथुरा के लिए बोलकर दिखाइए। यह बोलकर दिखाइए कि जैसे अयोध्या के लिए श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन चला उसी तरह श्रीकृष्ण मुक्ति के लिए आंदोलन चलना चाहिए। सीएम योगी हाथरस में करोड़ों की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

### अयोध्या के लिए पश्चाताप, रामलला का जाकर दर्शन कीजिए

योगी ने कहा कि अखिलेश जी अयोध्या को तो रामभक्तों ने सजा और संवार दिया है। आप उसकी चिंता मत कीजिए, पश्चाताप कीजिए। एक बार कम से कम रामलला का दर्शन कर लीजिए, उसी से सद्बुद्धि आएगी।

# सेशेल्स ने दिया पीएम मोदी को सबसे बड़ा सम्मान

- नेशनल एसेंबली को संबोधित कर रच दिया नया इतिहास

**विक्टोरिया (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में नेतृत्व के लिए सेशेल्स की ओर से देश का सर्वोच्च सम्मान 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' प्रदान किया गया है। रविवार को राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उन्हें ये सम्मान दिया। गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन सम्मान प्रधानमंत्री मोदी की लंबे समय से जारी उस नीति और दृष्टिकोण को मान्यता देता है, जिसमें सतत विकास, हरित विकास और पर्यावरण-अनुकूल नीतियों पर जोर दिया गया है।

**राष्ट्रपति ने 'गॉर्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' से नवाजा**

### सेशेल्स के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता

रविवार को स्टेट हाउस में प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पीएम मोदी भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए और सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित किया। जिसके साथ ही वे दुनिया के पहले ऐसे भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं जिन्होंने 20 देशों की संसद या नेशनल असेंबली को संबोधित किया है।

### पीएम मोदी के 'ग्रीन विजन' को मान्यता

यह उपाधि उन कई वैश्विक मान्यताओं में नवीनतम है, जो प्रधानमंत्री मोदी को जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मिल चुकी हैं। पिछले महीने मई 2026 में, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने उन्हें कृषि क्षेत्र को मजबूत करने, खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और सतत कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए एग्रीकोला मेडल प्रदान किया था। सेशेल्स द्वारा दिया गया यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक पर्यावरणीय नेतृत्व और ग्रीन विजन को और अधिक मजबूत मान्यता के रूप में देखा जा रहा है। भारत के पीएम तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर शनिवार को सेशेल्स पहुंचे।

# 8 आरोपियों के घर पुलिस की एक साथ छापेमारी

**राममंदिर चढ़ावा चोरी केस**

**टिन्नू के घर अलमारी-बक्से खंगाले, इंद्रेश बोले-दोषियों को नहीं बख्शेंगे**

**अयोध्या (एजेंसी)।** राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद 8 आरोपियों के घर पर रविवार सुबह 7 बजे पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस की 8 टीमों ने एक साथ, एक ही वक्त पर आरोपियों के घर पर दबिश दी। इस दौरान 3 आरोपियों के घर पर ताला लगा था। पुलिस ने पड़ोसियों से सवाल-जवाब किए। छापेमारी के दौरान चंपत राय के करीबी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर पर ताला लगा मिला। कुछ देर बाद टिन्नू की मां मौके पर पहुंचीं और ताला खोला। पुलिस ने अंदर जांच पड़ताल की। पुलिस टिन्नू के घर से थोड़ी दूरी पर भतीजे आरोपी मनीष यादव के घर पहुंची तो वहां भी ताला लगा था। वहीं, आरोपी सुभाष चंद्र श्रीवास्तव के घर पर भी ताला लगा मिला। आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर पर भी छापेमारी हुई। खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाले गए। परिजनों के बयान दर्ज किए गए। छापेमारी में राजस्व अधिकारियों खासकर लेखपालों को शामिल किया गया। संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा- एसआईटी मामले की जांच कर रही है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे।

### अपराधियों को कभी माफ नहीं किया जाएगा, सजा होगी

RSS की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा- एसआईटी इस मामले की जांच कर रही है। सरकार, ट्रस्ट और संगठन यानी विश्व हिंदू परिषद जरूरी कदम उठा रहे हैं। इसलिए, देश को राजा, संगठन और ट्रस्ट पर भरोसा है। अगर कोई गड़बड़ी हुई है, तो अयोध्या का राम राज्य ऐसा है कि अपराधियों को कभी माफ नहीं किया जाता। उन्हें सजा दी जाती है। जल्दबाजी करने या इस मामले को राजनीतिक रंग देने की कोई जरूरत नहीं है।



## पाकिस्तान के कराची में पैरामिलिट्री हेडक्वार्टर पर हुआ आतंकी हमला

**हर ओर मचा कोहराम,4 सुरक्षाकर्मियों और 6 आतंकियों की मौत**

**कराची (एजेंसी)।** पाकिस्तान के कराची में शनिवार रात आतंकियों ने सिंध रेंजर्स के पैरामिलिट्री हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। हमला रात करीब 8.30 बजे गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में हुआ। इसमें चार रेंजर्स की मौत हो गई। जवाबी कार्रवाई में छह आतंकी मारे गए, जबकि एक आतंकी को घायल हालत में गिरफ्तार कर लिया गया। आतंकी गाड़ी से मैन गेट तोड़ते हुए परिसर में घुसे। इसके बाद उन्होंने हैंड ग्रेनेड फेंके और फायरिंग शुरू कर दी, जिससे कई धमाके हुए। करीब 90 मिनट तक चली मुठभेड़ के बाद स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट, एंटी टेररिस्ट फोर्स और रेंजर्स ने सभी



हमलावरों को काबू कर लिया। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, हमलावर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के धड़े जमात-उल-अहरार से जुड़े थे। इस संगठन ने हमले की जिम्मेदारी ली है। यह संगठन अफगानिस्तान सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा में नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों और सरकारी ठिकानों पर हमले करता रहा है।

## धर्मांतरण के लिए 6 दिन तक बंधक बनाकर किया प्रताड़ित

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक नाबालिग लड़की को बंधक बनाकर उसके साथ बर्बरता की गई और जबरन धर्मांतरण का प्रयास किया गया। कल्याणपुर के रावतपुर की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी को बेकनगंज में छह दिन तक बंधक बनाकर यातनाएं दी गईं। आरोप है कि अरमान नाम के युवक और उसके घरवालों ने किशोरी से जबरन कलमा पढ़वाया, उसे बुर्का पहनाकर रखा और धर्मांतरण का दबाव बनाया। जब किशोरी ने विरोध किया, तो उसे गर्म चिमटों से दागा गया और प्रतिबंधित मांस खिलाने का भी प्रयास किया गया। यह घटना पूरे शहर में सनसनी फैला रही है। किशोरी ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि कुछ दिन पहले मोतीझील में उसकी मुलाकात बेकनगंज निवासी अरमान से हुई थी। अरमान ने दोस्ती का झांसा देकर उससे फोन पर बात करना शुरू किया। 21 जून को जब वह नमक फैक्ट्री चौराहा पहुंची, तो अरमान अपनी कार से वहाँ आया और उसे मिलने बुलाया। किशोरी के अनुसार, जब वह कार के पास पहुंची, तो अरमान के साथ उसके दो अन्य साथी भी मौजूद थे। सभी ने उससे कारगिल पार्क घूमने चलने की बात कही और उसे जबरन कार में बिठा लिया। इसके बाद, अरमान उसे घर छोड़ने के बहाने अपने घर बेकनगंज ले गया और वहीं बंधक बना लिया। बंधक बनाने के बाद, अरमान और उसके परिवार के सदस्यों ने किशोरी पर धर्मांतरण का लगातार दबाव बनाना शुरू कर दिया। किशोरी के मुताबिक, घर में उसे बुर्का पहनाकर रखा जाता था और जबरन कलमा पढ़वाया जाता था। जब उसने कलमा पढ़ने या बुर्का पहनने से इनकार किया, तो आरोपी और उसके परिवार वाले, जिनमें घर की महिलाएं और युवतियां भी शामिल थीं, उसके साथ बेरहमी से मारपीट करते थे। विरोध करने पर उसे गर्म चिमटों से भी दागा गया, जिससे उसके शरीर पर गहरे चोट के निशान पड़ गए। इतना ही नहीं, उसे भूखा रखा गया और सऊदी अरब ले जाकर बेचने की धमकी भी दी गई, ताकि वह उनके दबाव में आकर धर्मांतरण कर ले।

## 7 वर्षीय बच्ची के अपहरण की कोशिश की आशंका, ग्रामीणों की सतर्कता से सकुशल परिजनों तक पहुंची शिवांगी

पश्चिमी सिंहभूम (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के कोटूवां गांव की 7 वर्षीय शिवांगी हेम्ब्रम शनिवार सुबह रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। बच्ची के अचानक गायब होने से परिवार और पूरे गांव में हड़कंप मच गया। परिजनों एवं ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शनिवार दोपहर करीब 11 बजे कराईकेला थाना क्षेत्र के बैंगटांगर गांव निवासी जेना होनहागा ने बच्ची को गांव के समीप रोते हुए देखा। उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए बच्ची को अपने घर ले जाकर सुरक्षित रखा। क्षेत्र में नेटवर्क नहीं होने के कारण वे पूरे दिन किसी को इसकी सूचना नहीं दे सके। शनिवार रात करीब 10 बजे नेटवर्क उपलब्ध होने पर जेना होनहागा ने मुखिया कुश पूर्ति सहित अन्य लोगों को सूचना दी। इसके बाद मुखिया ने सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से बच्ची की जानकारी साझा की। रविवार सुबह सूचना मिलने पर शिवांगी के परिजन बैंगटांगर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ कराईकेला थाना पहुंचे। वहां थाना प्रभारी प्यारे हसन की मौजूदगी में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्ची को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोटरसाइकिल से बच्ची के अपहरण का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि बच्ची के लगातार रोने पर उसे बैंगटांगर के समीप छोड़कर आरोपी फरार हो गया। कोटूवां से बैंगटांगर की दूरी लगभग 12 किलोमीटर है और बच्ची इस क्षेत्र से पूरी तरह अनजान थी। ऐसे में ग्रामीणों का मानना है कि वह इतनी दूरी अकेले पैदल तय नहीं कर सकती। फिलहाल बच्ची सदमे में होने के कारण घटना के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बता पा रही है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और घटना के जिम्मेदार लोगों की पहचान कर सच्चाई सामने लाने का प्रयास कर रही है।

## जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटे, उनका राशन बंद, पश्चिम बंगाल सरकार का आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का विवाद लगातार गहराता जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पहले लगभग 63 लाख नाम अंतिम सूची से हटाए गए थे और बाद की जांच प्रक्रिया में करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम भी अयोग्य घोषित किए गए। इनमें से लगभग 27 लाख प्रभावित लोगों ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों का रुख किया है। इसी बीच राज्य सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने निर्देश जारी कर कहा है कि जिन व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हट चुके हैं, उनके राशन कार्ड निष्क्रिय किए जाएं। हालांकि जिनकी अपील ट्रिब्यूनल में लंबित है या अन्य निर्धारित श्रेणियों में आते हैं, उन्हें निर्णय होने तक राशन मिलता रहेगा। इस फैसले के बाद प्रभावित परिवारों में नाराजगी बढ़ गई है। कई लोगों का कहना है कि अपील लंबित रहने के दौरान राशन जैसी बुनियादी सुविधा को मतदाता सूची से जोड़ना उचित नहीं है। मामले को लेकर कानूनी और राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटे,उनका राशन बंद.

## तेजस्वी यादव के आवास में शिफ्ट होंगे लालू-राबड़ी

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव फिलहाल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सरकारी आवास में शिफ्ट होंगे। राबड़ी देवी को आवंटित 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने की अंतिम तिथि सोमवार, 29 जून निर्धारित की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार की ओर से राबड़ी देवी को 39 हार्डिंग रोड स्थित नया आवास आवंटित किया गया है, लेकिन बताया जा रहा है कि वहां निर्माण और मरम्मत का कार्य अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार नए आवास का लगभग 70 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो पाया है। ऐसी स्थिति में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी फिलहाल अपने पुत्र और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के 1 पोलो रोड स्थित सरकारी आवास में रहेंगे। पूरा परिवार कुछ समय तक इसी आवास में रहेगा। राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चा बनी हुई है। हालांकि राष्ट्रीय जनता दल की ओर से इसे पूरी तरह प्रशासनिक और आवासीय व्यवस्था से जुड़ा विषय बताया गया है।

# 5 सांसद पाला बदलने को तैयार, शिंदे गुट में शामिल होने पर फंसा पेंच

### शरद पवार के खेमे में टूट की आशंका

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़े उलटफेर और बगावत की सुगबुगाहट तेज हो गई है, जिससे राज्य का राजनीतिक परिदृश्य गरमा गया है। हाल ही में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने के बाद, अब राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि अगला निशाना शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, शरद पवार गुट के कम से कम पांच लोकसभा सांसद विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) का साथ छोड़कर सत्ताधारी महायुति गठबंधन का दामन थामने की तैयारी में हैं, जिससे एनडीए की लोकसभा सीटों में और इजाफा हो सकता है।हालांकि, इस संभावित टूट के पीछे एक बेहद दिलचस्प और जटिल पेंच फंसा हुआ है। आमतौर पर किसी पार्टी में टूट होने पर उसके बागी सांसद या विधायक अपने ही विरोधी धड़े में शामिल होते हैं, लेकिन इस मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि एनसीपी (एसपी) के इन सांसदों को अजीत पवार के नेतृत्व वाले पारंपरिक विरोधी गुट द्वारा नहीं, बल्कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना द्वारा पाले में लाने की कोशिश की जा रही है।

बता दें कि एनसीपी की कमान अब सुनेत्रा पवार के हाथों में है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके पीछे अजीत पवार की पार्टी के भीतर चल रही अंदरूनी कलह और अस्थिरता सबसे बड़ी वजह है। अजीत पवार के गुट में जारी संगठनात्मक उथल-पुथल और नेतृत्व की कमजोर स्थिति उसे दूसरी पार्टी में बड़ी सेंधमारी करने की स्थिति में नहीं छोड़ रही है। अजीत पवार की पार्टी में इस समय अंदरूनी खींचतान चरम पर है, जिसकी मुख्य वजह उनके बेटे पार्थ पवार का तेजी से बढ़ता वर्चस्व माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्थ पवार वरिष्ठ और कद्दावर नेताओं जैसे कि प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे को भरोसे में लिए बिना संगठन से जुड़े बड़े और महत्वपूर्ण फैसले ले रहे हैं। इस रवैए के कारण पार्टी के पुराने और अनुभवी नेताओं में भारी नाराजगी और असहजता का माहौल है। बात सिर्फ पार्टी संगठन तक ही सीमित नहीं है, आरोप यह भी लग रहे हैं कि पार्थ पवार अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में शामिल एनसीपी कोटे के मंत्रियों के कामकाज और उनके विभागों में भी सीधा दखल देने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, एनसीपी के कुछ मंत्रियों ने शीर्ष स्तर पर शिकायत दर्ज कराई है कि पार्थ पवार उनके अधीन आने वाले विभागों द्वारा जारी किए जाने वाले टेंडरों की विस्तृत और गोपनीय जानकारी मांग रहे हैं, जिससे उनके कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप बढ़ रहा है। महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर बारीक नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि पार्थ पवार अपने पिता की राजनीतिक विरासत पर पूरी तरह से नियंत्रण हासिल करने के लिए बहुत तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। वे पार्टी के भीतर खुद को निर्विवाद नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश में जुटे हैं। उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे दिल्ली में भी अपनी जमीन मजबूत कर रहे हैं। हाल ही में पार्थ पवार ने दिल्ली का दौरा किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस बैठक के दौरान पार्थ पवार ने बीजेपी नेतृत्व के सामने एक बड़ी मांग रखी है। उन्होंने अनुरोध किया है कि भविष्य में बीजेपी और एनसीपी के बीच होने वाली सभी राजनीतिक वार्ताओं, सीट शेयरिंग या किसी भी तरह के समन्वय को केवल उन्हीं के जरिए रूट किया जाए। यानी वे खुद को बीजेपी और अपनी पार्टी के बीच एकमात्र आधिकारिक संपर्क सूत्र के रूप में स्थापित करना चाहते हैं, जो उनकी बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और पार्टी के भीतर उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

## खान सर के गार्ड ने अवैध हथियार से चलाई थी गोली

-दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के बाद हुआ खुलासा

पटना (एजेंसी)। पटना पुलिस की जांच में फैजल खान (खान सर) के दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के दौरान अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिस हथियार से गोली चलवाई गई थी, वह तालेबर सिंह (34), निवासी कासगंज (यूपी) का है, लेकिन उसके नाम पर जारी हथियार लाइसेंस का परमिट पूरे भारत के लिए मान्य नहीं पाया गया। आरोप है कि उतर प्रदेश से बिहार में हथियार लेकर आने, हथियार लेकर सुरक्षा ड्यूटी करने के लिए तालेबर सिंह के पास वैध अनुमति नहीं थी। फिर भी वह बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियारों और उनके लाइसेंस की जांच के बाद कई बिंदुओं को अपडेटेड केस डायरी में शामिल किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक तालेबर सिंह गैर कानूनी तरीके से हथियार लेकर बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि बिहार में हथियार के साथ नौकरी करने की जानकारी स्थानीय प्रशासन, आर्म्स मजिस्ट्रेट या संबंधित थाने को नहीं दी गई थी, जो कानूनन अपराध है। बिना अनुमति के हथियार लेकर बिहार में काम करना कानून के दायरे में जांच का विषय है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खान सर ने तालेबर सिंह को बॉडी गार्ड के तौर पर हायर किया, उन्होंने भी कभी इसका पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया। उन्हें एक रिस्पॉन्सिबल व्यक्ति होने के चलते कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना चाहिए था।

## टीएमसी के बागी गुट ने फिर की बैठक, नाम, चुनाव चिह्न किया इस्तेमाल

### -नहीं लगाई ममता बनर्जी की तस्वीर, नगर निगम चुनाव को लेकर की चर्चा

**कोलकाता (एजेंसी)।** तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने एक हफ्ते में दूसरी बार बैठक की। इसमें 47 पूर्व पार्षदों शामिल हुए। बैठक पूर्वी कोलकाता के टॉपसिया इलाके में हुई। इससे पहले 22 जून को न्यू टाउन में भी बागी गुट की बैठक हुई थी। दोनों बैठकों में टीएमसी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल किया गया, लेकिन ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं लगाई गई। इधर ममता बनर्जी गुट की डोला सेन ने न्यू टाउन और प्रगति मैदान थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक संदेश प्रसारित करने के साथ बिना अनुमति बैठक करने का भी आरोप लगाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बागी विधायक संदीपन साहा ने कहा कि उनकी ही असली तृणमूल कांग्रेस है। हमारे पास पर्याप्त संख्या है। हम विधानसभा में प्रमुख विपक्ष हैं। साहा ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन हो चुका है और जल्द ही राजनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक बैठक में कोलकाता नगर निगम चुनाव की तैयारी पर चर्चा हुई। इस साल दिसंबर में चुनाव हो सकते हैं। दरअसल 8 जून को कोलकाता नगर निगम का बोर्ड भंग कर दिया गया था। इसके बाद सभी पार्षदों, चेयरपर्सन और मेयर-इन-काउंसिल के सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो गया। प्रशासनिक जिम्मेदारी प्रशासक को सौंप दी गई। पूर्व मेयर फिरहाद हकीम इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

21 जुलाई को शहीद दिवस पर होने वाली रैली के लिए ममता बनर्जी गुट और बागी गुट, दोनों ने कोलकाता के धर्मतला में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मांगी है। ममता गुट का कहना है कि वह पिछले 33 सालों से वहीं रैली करता आ रहा है। वहीं बागी गुट ने भी उसी जगह रैली करने के लिए आवेदन देने की बात कही है। हालांकि, अनुमति नहीं मिलने पर उसने वैकल्पिक स्थान पर कार्यक्रम करने का संकेत दिया है। बागी विधायक अखरुज्जमान ने कहा कि इस बार शहीदों के परिजनों को केंद्र में रखकर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि पार्टी का सिंबल और जनसमर्थन ममता बनर्जी के नेतृत्व से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ विधायक, सांसद या पार्षद पार्टी छोड़ दें, इससे जनादेश नहीं बदलता।

## धर्मेंद्र प्रधान का बदलेगा मंत्रालय, सीतारमण संभालेंगी?

### मोदी कैबिनेट में जल्द होगा संभावित फेरबदल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में जल्द ही एक बड़े फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं, जिसे संसद के मॉनसून सत्र से पहले अंजाम दिया जा सकता है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की जोरदार चर्चा है कि कई मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है, जबकि कुछ विवादों में घिरे मंत्रियों के विभागों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इन बदलावों के केंद्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, वर्तमान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शिक्षा मंत्रालय का महत्वपूर्ण जिम्मा सौंपा जा सकता है, जबकि पूर्व आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को देश का नया वित्त मंत्री बनाया जा सकता है। शिक्षा मंत्रालय में इस संभावित बदलाव की मुख्य वजह हाल ही में हुए नीट पेपर लीक मामले को माना जा रहा है, जिसने देश भर में व्यापक विरोध प्रदर्शनों को जन्म दिया है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग लगातार उठ रही है, और सरकार पर इस मामले में कड़े कदम उठाने का दबाव है। ऐसे में, यदि प्रधान से शिक्षा मंत्रालय वापस लिया जाता है, तो यह सरकार के लिए एक मजबूत संदेश हो सकता है कि वह जनभावनाओं के प्रति संवेदनशील है। वित्त मंत्रालय के लिए शक्तिकांत दास का नाम कई मायनों में महत्वपूर्ण है। 69 वर्षीय दास, जो पूर्व आईएएस अधिकारी और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रह चुके हैं, के पास सरकार के साथ काम करने और वित्तीय मामलों का लंबा अनुभव है। यदि वे वित्त मंत्री बनते हैं, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पूर्व वित्त मंत्री सीडी देशमुख जैसी शख्सियतों की श्रेणी में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य करने के बाद देश के वित्त मंत्री का पद संभाला।

दास को कर, निवेश और आर्थिक नीति की गहरी समझ है, और उन्होंने वित्त मंत्रालय में रहते हुए आठ केंद्रीय बजटों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2018 से 2024 तक आरबीआई गवर्नर के रूप में उनके कार्यकाल में उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिली और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हालांकि, चूंकि शक्तिकांत दास वर्तमान में किसी सदन के सदस्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें छह महीने के भीतर राज्यसभा भेजा जा सकता है। अटकलें हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश से राज्यसभा भेजा जा सकता है, जहां नवंबर 2026 में 10 राज्यसभा सीटें खाली होंगी। आगामी कैबिनेट फेरबदल में उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की जगह पंजाब से किसी सिख चेहरे को, जैसे राघव चड्ढा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। वर्तमान में पंजाब से रवनीत सिंह बिट्टू केंद्रीय मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। इसके अलावा, बिहार से नीतीश कुमार, महाराष्ट्र से श्रीकांत शिंदे (जो उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे हैं और शिवसेना यूबीटी के 6 सांसदों को एनडीए के साथ लाए हैं), और टीएमसी छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए सुखेंदु शेखर राय जैसे नए चेहरों को भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना है। वहीं, अनुराग ठाकुर को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। कुछ मंत्रियों के पोर्टफोलियो में बदलाव या उन्हें बाहर का रास्ता दिखाए जाने की भी संभावना है, जिनमें मनोहर लाल खट्टर, अश्विनी वैष्णव, हरदीप सिंह पुरी और नितिन गडकरी जैसे नाम शामिल हैं। विशेषकर नौकरशाही से आए दो मंत्रियों, अश्विनी वैष्णव और हरदीप सिंह पुरी की भूमिकाओं में कमी की जा सकती है। राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पसंद का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिसकी झलक हाल ही में भाजपा और आरएसएस पदाधिकारियों की बैठक में मिली थी।

## माता की स्मृति में पूर्व छात्र ने शुरू की छात्रवृत्ति, विज्ञान के सात मेधावी विद्यार्थियों को मिली आर्थिक सहायता

**नई दिल्ली (शिखर समाचार)।** केंद्रीय विद्यालय सेक्टर-8, आर.के. पुरम के वर्ष 1994 बैच के पूर्व छात्र वेंकटरमणन बालासुब्रमणियन ने अपनी दिवंगत माता बनुमति की 80वीं जयंती के अवसर पर बनुमति मेमोरियल छात्रवृत्ति की शुरूआत की है। इस पहल का उद्देश्य विद्यालय के विज्ञान वर्ग में अध्ययन करने वाले मेधावी एवं आर्थिक रूप से जरूरतमंद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस वर्ष छात्रवृत्ति के तहत कुल सात विद्यार्थियों का चयन किया गया। कक्षा 10 से 11 में प्रवेश लेने वाले शिवम महतो, गौरव सिंह, तन्निष्ठा भट्टाचार्य, अर्चिता जायसवाल और साक्षी कुमारी को 12-12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। वहीं कक्षा 11 से 12 में पहुंचे सलोनी कुमारी और अनुज चौहान को 20-20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। छात्रवृत्ति के लिए चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष रखा गया। चयन में शैक्षणिक प्रदर्शन को 60 प्रतिशत, आर्थिक आवश्यकता को 35 प्रतिशत तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को 5 प्रतिशत महत्व दिया गया। इसके अलावा विज्ञान प्रतियोगिताओं, विज्ञान मेलों, नेतृत्व गतिविधियों, स्काउट्स एवं गाइड्स, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और खेलकूद में उपलब्धियों को भी मूल्यांकन का आधार बनाया गया। वेंकटरमणन बालासुब्रमणियन ने कहा कि शिक्षा जीवन को बदलने की सबसे प्रभावी शक्ति है। यह छात्रवृत्ति उनकी माता को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिनके संस्कारों और प्रेरणा ने उनके जीवन को दिशा दी। उन्होंने कहा कि इस पहल से विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और आर्थिक संबल मिलेगा। वर्तमान में चेन्नई में कार्यरत वेंकटरमणन बालासुब्रमणियन सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ हैं और दो सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों में निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य रवीन्द्र कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पूर्व छात्रों का ऐसा योगदान न केवल विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है, बल्कि विद्यालय और पूर्व छात्रों के बीच संबंधों को भी मजबूत बनाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह छात्रवृत्ति आने वाले वर्षों में अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी।

## पुणे मर्डर केस में घटनास्थल पर सीन रीक्रिएट, पुलिस ने की गहन जांच

### लोहगढ़ किले पर आरोपियों को ले जाकर घटना दोहराई

**पुणे (एजेंसी)।** चर्चित पुणे मर्डर केस की जांच में पुलिस ने रविवार को महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोहगढ़ किले पर घटनास्थल का सीन रीक्रिएट किया। पुलिस टीम सुबह केतन मडर केस की आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को किले पर लेकर पहुंची, जहां लगभग ढाई घंटे तक जांच प्रक्रिया चली।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, केतन के समान वजन की एक डमी तैयार की गई थी, जिसके माध्यम से घटना को दोहराकर यह समझने का प्रयास किया गया कि कथित वारदात किस प्रकार अंजाम दी गई। डीएसपी गजानन टोंपे ने बताया कि आरोपी सिया गोयल के बताए अनुसार पूरे घटनाक्रम का पुनर्निर्माण किया गया। जांच के दौरान पुलिस को कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सिया और चेतन ने कथित तौर पर गूगल पर लोहगढ़ किले के खतरनाक स्थानों और गहरी खाइयों से संबंधित जानकारी खोजी थी। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने इंटरनेट पर ऐसे सवाल भी सर्च किए, जिनमें पुलिस जांच से बचने, सबूत मिटाने और पूछताछ के दौरान जवाब देने से जुड़ी जानकारियां शामिल थीं। साथ ही, व्हाट्सएप संदेशों को हटाने संबंधी गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, चेतन चौधरी ने घटना वाले दिन अपनी पहचान छिपाने के लिए अपना मोबाइल फोन एक दुकान पर छोड़ दिया था और दूसरे मोबाइल का इस्तेमाल किया था। डिलीट किए गए व्हाट्सएप संदेशों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। हालांकि पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष सभी वैज्ञानिक एवं फोरेंसिक साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही सामने आएंगे।

## जनसंख्या नियंत्रण कानून भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव : गोपाल राय

कोलकाता/हावड़ा (शिखर समाचार)। हावड़ा स्थित ईस्टर्न रेलवे ऑफिसर्स क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने जनसंख्या नियंत्रण, धर्मांतरण और लव जिहाद जैसे मुद्दों पर संगठन का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि भारत में बढ़ती जनसंख्या देश के समक्ष एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है और जनसंख्या नियंत्रण कानून देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव साबित हो सकता है। गोपाल राय ने कहा कि वर्ष 1947 में भारत की जनसंख्या लगभग 33 करोड़ थी, जो अब बढ़कर लगभग 144 करोड़ हो चुकी है। उनके अनुसार बढ़ती आबादी का सीधा असर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जल, भोजन, ऊर्जा तथा चिकित्सा सुविधाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है और यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो इसके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्तर पर गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने दावा किया कि संगठन के कार्यालय में समय-समय पर लव जिहाद और धर्मांतरण से जुड़े मामले आते रहते हैं। उन्होंने बताया कि 20 जून 2026 को गोंडा निवासी हमजा अली तथा बाराबंकी निवासी शबनम

बानो ने अपनी स्वेच्छा से विधि-विधान एवं शुद्धिकरण के साथ हिन्दू धर्म अपनाया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ मामलों में हिन्दू युवतियों को लव जिहाद का शिकार बनाया गया है। गोपाल राय ने कहा कि संगठन ने विभिन्न देशों में अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए हैं ताकि धर्मांतरण और लव जिहाद के विरुद्ध जागरूकता अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया जा सके। उन्होंने बताया कि फ्रांस में विश्वनाथ शास्त्री, बेल्जियम में कोएनराड एल्स्ट, नीदरलैंड में महादेव सिंह, मलेशिया में अरविंद सिंह यादव, ब्राजील में संजीव शर्मा, यूक्रेन में लीडिया लक्ष्मी, श्रीलंका में पमल्क मन्जित करुणानायक तथा इंडोनेशिया में स्वामी धर्मेश को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने युवाओं, विशेषकर बेटियों से जागरूक रहने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त बनाया जाना आवश्यक है। उन्होंने हिन्दू समाज से संगठित होकर समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए कार्य करने का आह्वान किया। राय ने कहा कि धर्मांतरण रोकना केवल कानूनी विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रहित से जुड़ा मुद्दा है।इस अवसर पर संगठनात्मक नियुक्तियों की भी घोषणा की गई। रेनू चौधरी को महिला मोर्चा का जिला अध्यक्ष, राहुल कुमार को जिला महामंत्री, पवन गुप्ता को हावड़ा जिला उपाध्यक्ष तथा भुदेब हल्दर को पश्चिम बंगाल का प्रदेश संगठन मंत्री नियुक्त किया गया।कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं समर्थकों ने राष्ट्रहित, सनातन संस्कृति की रक्षा, हिन्दू समाज के संगठन तथा सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। प्रेस वार्ता में बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

# अहिल्याबाई होलकर जन्मोत्सव: लोनी पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** लोनी स्थित राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में देवी अहिल्याबाई होलकर के 301वें जन्मोत्सव समारोह में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पहुंचे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर एक बड़ा राजनीतिक दावा किया है। उन्होंने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर कमल खिलने वाला है। जैसे अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना है, वैसे ही काशी और मथुरा में भी मंदिर बनेगा। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तीखा हमला बोला। राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े कथित मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पूर्व मुखिया ने राम भक्तों पर गोली चलाने का पाप किया था। उन्होंने कहा कि यदि अखिलेश यादव इस मुद्दे पर कुछ न बोलें तो बेहतर होगा। डिप्टी सीएम ने आरोप लगाया कि

अखिलेश यादव आज तक राम मंदिर के दर्शन करने नहीं गए और उनके बयान राम मंदिर व राम भक्तों को बदनाम करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन में उनका कोई योगदान नहीं रहा है, इसलिए उन्हें श्रीराम मंदिर पर इस तरह की बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। मैं उनके बयान की कड़ी आलोचना करता हूं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि और लोग मौजूद रहे।

## प्रधानमंत्री के मन की बात का गाजियाबाद के 2,244 बूथों पर हुआ सामूहिक श्रवण

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड का रविवार को गाजियाबाद महानगर के सभी 2,244 बूथों और 362 सेक्टरों में सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। मन की बात के महानगर संयोजक आशीष चौधरी ने बताया कि महानगर के सभी मंडल अध्यक्षों के नेतृत्व में प्रत्येक बूथ पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा, प्राकृतिक खेती, योग तथा वैश्विक परिस्थितियों सहित अनेक समसामयिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानमंत्री ने हाल ही में नौसेना में शामिल किए गए स्वदेशी युद्धपोतों आईएनएस दुनागिरी, आईएनएस संशोधक और

आईएनएस अग्रय का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने कैच द रेन अभियान के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया तथा मेघालय के जीवित जड़ पुलों, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और मिट्टी से बनी पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमाओं के उपयोग जैसे प्रयासों की सराहना की। संबोधन में प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों, विशेषकर पश्चिम एशिया में उत्पन्न हालात के मद्देनजर नागरिकों से अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने, पेट्रोल डीजल की बचत करने तथा विवेकपूर्ण आर्थिक व्यवहार अपनाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने हाल ही में संपन्न अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उल्लेख करते हुए योग को भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर बताया और किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया।

## ग्रीन वैली कॉलोनी में विधायक विजयपाल आढ़ती का स्वागत, सड़क और जल निकासी की समस्या के समाधान का आश्वासन

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** ग्रीन वैली कॉलोनी में रविवार को हापुड़ सदर विधायक विजयपाल आढ़ती का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्रीन वैली कॉलोनी संघर्ष सेवा समिति और व्यापारी सुरक्षा फोरम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी शामिल हुए।

मुख्य अतिथि विजयपाल आढ़ती ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारतीय जनता पार्टी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हापुड़ विधानसभा क्षेत्र की अधिकांश सड़कों का पुनर्निर्माण कराया जा चुका है और प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत होने से भयमुक्त वातावरण स्थापित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि हापुड़ विधानसभा का कोई भी गांव या क्षेत्र विकास कार्यों से अछूता नहीं है।

विधायक ने ग्रीन वैली कॉलोनी की जर्जर सड़क और जल निकासी की समस्या को गंभीर बताते हुए इसके

शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। संघर्ष सेवा समिति के संयोजक योगेश गोयल ने बताया कि रेलवे लाइन के निकट जलभराव की निकासी के लिए पहले भी कई प्रयास किए जा चुके हैं और अब जनप्रतिनिधियों से समस्या के स्थायी समाधान की अपेक्षा है।

व्यापारी सुरक्षा फोरम के अध्यक्ष अरुण गर्ग ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुबोध शर्मा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन संजय शर्मा ने दिया। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार आडवाले, दीपक गोयल, राजेश शर्मा, रामपाल सिंह वर्मा, मनोज वर्मा, ओमपाल सिंह, राजसिंह, योगेंद्र अग्रवाल, पवन सिवाल, मनोज गोयल, नीरज शर्मा, अजय शर्मा, रोहतास निराला, जयवीर सिंह, ब्रह्मसिंह, सुनील गर्ग, विशाल कुमार, राजकमल, रविन्द्र कटारिया सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

## मोबाइल चोरी का 1 अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी का फोन बरामद

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने मोबाइल चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक अभियुक्त नौशाद को किया। पुलिस ने इसके कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि 26 जून 2026 को लालकुआं निवासी सत्यम राय ने थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह नोएडा से लौट रहे थे। एबीईएस कॉलेज कट के पास ऑटो में सफर के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने पंचशील पार्क सोसायटी के खाली मैदान के पास से अभियुक्त नौशाद पुत्र हसन को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से शिकायतकर्ता का चोरी हुआ मोबाइल फोन बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त नौशाद ने बताया कि वह पहले नोएडा में कबाडे का काम करता था, जहां चोरी का सामान मिलने पर वह पकड़ा गया था। वर्तमान में वह बाल काटने का काम करता है, लेकिन पैसों की तंगी के कारण उसने लगभग दो-तीन दिन पहले एबीईएस कॉलेज कट के पास एक व्यक्ति की जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया था। वह चोरी किए गए मोबाइल को बेचने की फिराक में घूम रहा था, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया।

## चाय विक्रेता से सोने की चेन लूट का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** थाना हापुड़ पुलिस ने दो दिन पहले चाय विक्रेता से सोने की चेन लूटने की घटना का खुलासा करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन बरामद कर ली है। साथ ही उसके पास से दिल्ली से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार 26 जून को फ्रीगंज रोड स्थित रेलवे पार्क के बाहर केसरी सिंह की चाय की दुकान पर बैठे एक व्यक्ति के गले से झपट्टा मारकर सोने की चेन लूट ली गई थी। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। क्षेत्राधिकारी अनिता चौहान ने बताया कि पुलिस ने जांच और चेकिंग अभियान के दौरान आनंद विहार बिजलीघर के पास से पीरबाऊद्दीन मोहल्ला निवासी जावेद अहमद को गिरफ्तार किया। उसकी तलाशी में लूटी गई सोने की चेन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि आरोपित के कब्जे से एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है, जो दिल्ली के मयूर विहार ईस्ट थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर उसके आपराधिक इतिहास और अन्य घटनाओं में संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

## भाजपा के नव नियुक्त पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष नवाब सिंह नागर को बधाई देने वालों का लगा तांता

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** भारतीय जनता पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद नवाब सिंह नागर के निवास पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देने वालों का लगातार तांता लगा हुआ है। पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उनसे मुलाकात कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। भाजपा कार्यकताओं का कहना है कि पार्टी नेतृत्व ने नवाब सिंह नागर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाकर यह संदेश दिया है कि संगठन में वरिष्ठ और समर्पित कार्यकताओं का सम्मान सर्वोपरि है। नवाब सिंह नागर पिछले 44 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जनसेवा से जुड़े रहे हैं। वह दादरी विधानसभा क्षेत्र से तीन बार भाजपा प्रत्याशी रहे तथा दो बार विधायक निर्वाचित हुए। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार में सिंचाई राज्य मंत्री, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश सरकार में दर्जा प्राप्त मंत्री, सहारनपुर लोकसभा संयोजक तथा दादरी मंडल अध्यक्ष सहित कई महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुके हैं। कार्यकताओं का

मानना है कि उनकी नियुक्ति से लंबे समय से संगठन में कार्य कर रहे वरिष्ठ कार्यकताओं का मनोबल बढ़ा है और उनमें नई ऊर्जा का संचार हुआ है। नवाब सिंह नागर को बधाई देने वालों में उत्तर प्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य मनोज वाल्मीकि, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, भाजपा जिलाध्यक्ष कविता मादरे, विधायक विजय पाल आढ़ती, संजय त्यागी, अशोक पाल, मालती भारती, गौरव रुड़कीवाल, मोहन सिंह, श्यामेंद्र त्यागी, कपिल एसएम, राहुल उपाध्याय, डॉ. नीलम हरेंद्र, सुधीर शर्मा, सागर प्रजापति, कुणाल चौधरी, ललित मोदी, अमित शर्मा और प्रणव वर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## अवैध मजार पर फिर चला गाजियाबाद प्रशासन का बुलडोजर, यूपीसीडा की जमीन पर था कब्जा

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)** दिल्ली से सटे महानगर गाजियाबाद में गाजियाबाद प्रशासन लगातार सरकारी भूमियों को भूमाफियाओं के चुंगल से कब्जा मुक्त करवा रहा है। एक बार फिर गाजियाबाद के अंदर अवैध मजार को ध्वस्त किया गया है। इस बार ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र में यूपीसीडा की जमीन पर बनी हुई अवैध मजार को ध्वस्त किया गया है। मजार को ध्वस्त करने से पहले ही बड़े पैमाने पर पुलिस फोर्स पहले से ही तैनात कर दिया गया था, जिससे किसी भी तरह से लॉ एंड ऑर्डर प्रभावित न हो। इसी कड़ी में ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र के सी-8 सेक्टर में सरकारी भूमि पर बने एक अवैध मजार को प्रशासन ने संयुक्त अभियान चलाकर बुलडोजर से ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया था। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल और पीएसी की तैनाती की गई थी। प्रशासन की मौजूदगी में अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। संयुक्त कार्रवाई का नेतृत्व एडीएम सिटी विकास कश्यप और एसडीएम लोनी दीपक सिंगनवाल ने किया। अभियान में यूपीसीडा की परियोजना अधिकारी शर्मिला पटेल, सीनियर मैनेजर एनके जैन, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम सहित राजस्व, यूपीसीडा और पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों की निगरानी में बुलडोजर चलाकर पूरे अवैध निर्माण को हटाया गया।

प्रशासन के अनुसार सी-8 स्थित भूमि यूपीसीडा के अधिकार क्षेत्र की सरकारी भूमि है। जांच में पाया गया कि इस स्थान पर बना मजार राजस्व

अभिलेखों में दर्ज नहीं था और भूमि पर किया गया निर्माण नियमानुसार स्वीकृत नहीं था। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मजार कई वर्षों पुराना था। एडीएम सिटी विकास कश्यप ने कहा कि शासन के निदेशानुसार सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक या सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और आगे भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। एसडीएम लोनी दीपक सिंगनवाल ने बताया कि राजस्व अभिलेखों और संबंधित विभागों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई है। पूरी प्रक्रिया नियमानुसार संपन्न कराई गई और अभियान के दौरान किसी प्रकार की बाधा नहीं आई। यूपीसीडा की परियोजना अधिकारी शर्मिला पटेल ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र की भूमि का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ यूपीसीडा का अभियान आगे भी जारी रहेगा। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। वहीं एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के विरुद्ध इसी प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

## भीषण गर्मी में बिजली-पानी संकट पर फूटा जनाक्रोश, कई स्थानों पर सड़क जाम व प्रदर्शन

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** भीषण गर्मी और उमस के बीच जिले में जारी अघोषित बिजली कटौती के विरोध में रविवार को लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। हापुड़, बाबूगढ़, गढ़मुक्तेश्वर, पिलखुवा और धौलाना सहित कई क्षेत्रों में लोगों ने प्रदर्शन कर बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। सबसे बड़ा प्रदर्शन हापुड़ के स्वर्ग आश्रम रोड पर हुआ, जहां करीब दो घंटे तक सड़क जाम रही। केशव नगर (फूटी लाइन) क्षेत्र में सभासद मोनू बजरंग के नेतृत्व में लोगों ने स्वर्ग आश्रम रोड पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि तीन दिन पहले खराब हुए ट्रांसफार्मर को बदलने के बजाय बिजली विभाग ने तेल रिसाव वाले पुराने ट्रांसफार्मर को दोबारा स्थापित कर दिया, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने बताया कि लंबे समय से बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण पेयजल संकट गहरा गया है और बच्चों, बुजुर्गों तथा मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाबूगढ़ में बड़ी संख्या में उपभोक्ता बिजलीघर पहुंचे और विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। मुरादपुर में भी लोगों ने प्रदर्शन किया। गढ़मुक्तेश्वर में शनिवार रात बिजली आपूर्ति ठप होने से लोग सड़कों पर उतर आए, जबकि पिलखुवा और धौलाना में भी घंटों बिजली न मिलने से लोगों ने विरोध जताया। लगातार बिजली कटौती के कारण ट्यूबवेल और पानी की मोटरें बंद रहने से कई मोहल्लों में जल संकट भी

गहरा गया है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी मनीष चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में बिजली निगम के अधिकारी भी पहुंचे और जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाने तथा नियमित बिजली आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया। उप जिलाधिकारी ईला प्रकाश ने बताया कि करीब दो घंटे तक सड़क जाम रही। संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार करने और ट्रांसफार्मर शीघ्र बदलने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोगों को समझाकर जाम खुलवाया गया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि बिजली और पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि अघोषित बिजली कटौती से आम लोगों के साथ-साथ छोटे कारोबारी, दुकानदार और विद्यार्थियों का दैनिक जीवन भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

## 692 केंद्रों पर शुरू हुआ पल्स पोलियो अभियान, 2.74 लाख बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** जनपद में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी कविता मीना के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा के नेतृत्व में जिले के 692 पोलियो केंद्रों पर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी दवा की खुराक पिलाई गई। अभियान के पहले दिन बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को लेकर केंद्रों पर पहुंचे, जहां स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने उन्हें पोलियो की दवा पिलाई। अभियान का उद्देश्य जनपद के प्रत्येक पात्र बच्चे तक पोलियोरोधी दवा पहुंचाकर पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत करना है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा ने बताया कि इस बार जनपद में कुल 2 लाख 74 हजार 600 बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पहले से व्यापक तैयारियां की हैं तथा सभी केंद्रों पर आवश्यक दवाएं, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. योगेश गुप्ता ने बताया कि केंद्र दिवस के बाद सोमवार से विशेष घर-घर अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए 530 टीमें गठित की गई हैं, जो उन बच्चों तक पहुंचेंगी जो किसी कारणवश केंद्रों पर नहीं आ सके। प्रत्येक टीम यह सुनिश्चित करेगी कि जनपद का कोई भी पात्र बच्चा पोलियोरोधी दवा की खुराक से वंचित न रह जाए। जिलाधिकारी कविता मीना और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा ने जनपदवासियों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलवाएं। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक की सहभागिता आवश्यक है। सभी नागरिकों के सहयोग से ही पोलियो मुक्त भारत का लक्ष्य पूरी तरह साकार किया जा सकता है।

## वेल्डिंग की दुकान के ताले तोड़कर 50 हजार का सामान चोरी

**गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)।** थाना सिम्भावली क्षेत्र में चोरों ने एक वेल्डिंग की दुकान को निशाना बनाते हुए करीब 50 हजार रुपये मूल्य का सामान चोरी कर लिया। घटना 27 जून की रात की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अज्ञात चोर रात के समय दुकान के दोनों ताले तोड़कर अंदर घुस गए और वहां रखी वेल्डिंग मशीन, वेल्डिंग लीड, एलपीजी गैस सिलेंडर, कटर मशीन, लगभग 50 किलोग्राम लोहे का ठिया तथा अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। सुबह दुकान खोलने पहुंचे संचालक खलील अहमद को घटना की जानकारी हुई। दुकान का सामान बिखरा देख उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी और थाना सिम्भावली में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर चोरों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच सभी पहलुओं पर की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस का दावा है कि घटना का जल्द खुलासा किया जाएगा।

## ऑनलाइन गेम की लत ने बनाया चोर, नंदग्राम पुलिस ने चोरी के आभूषणों सहित युवक को दबोचा

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** नंदग्राम थाना पुलिस ने घर में चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए 21 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए पीली धातु के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह ऑनलाइन गेम खेलने का आदी है और गेम में पैसे खर्च करने के लिए उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि 26 जून 2026 को हरवंश नगर निवासी राकेश कुमार ने थाना नंदग्राम में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर से झुमके, मंगलसूत्र, चेन, कुंडल, अंगूठियां और अन्य कीमती आभूषण चोरी हो गए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटना को

गंभीरता से लेते हुए तत्काल कई टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और स्थानीय जानकारी जुटानी शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को अहम सुराग मिले, जिनके आधार पर मछली गोदाम सिहानी के पास से चेकिंग के दौरान आरोपी अंकित को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अंकित पुत्र हरीशचंद्र के रूप में हुई है। वह वर्तमान में हरवंश नगर थाना नंदग्राम में रहता था, जबकि उसका मूल निवास हाथरस जनपद के सिकंदराराऊ क्षेत्र के परुदिल नगर में है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए एक जोड़ी झुमके, एक जोड़ी कुंडल, गुलाबी मोतियों की माला सहित मंगलसूत्र, चार अंगूठियां तथा दो पेंडेंट बरामद किए है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि वह ऑनलाइन गेमिंग का आदी है और गेम खेलने में काफी पैसे खर्च करता था। अपनी इस लत को पूरा करने के लिए उसने घर से आभूषण चोरी किए। आरोपी का इरादा चोरी के आभूषण बेचकर पैसे जुटाने का था, लेकिन उसे कोई खरीदार नहीं मिला। वह चोरी का सामान बेचने जा रहा था तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया।

## संक्षिप्त समाचार

### अवैध संबंधों का विरोध करने पर जीजा ने साली पर तलवार से किया हमला, गंभीर घायल

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** मोदीनगर की नंद नगरी कॉलोनी में कथित अवैध संबंधों का विरोध करने पर एक व्यक्ति ने अपनी साली पर तलवार से हमला कर दिया। हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, नंद नगरी कॉलोनी निवासी परमजीत सिंह शनिवार देर रात कथित रूप से अपनी प्रेमिका के साथ घर पहुंचा। इसका उसकी पत्नी रेणु ने विरोध किया। विवाद बढ़ने पर रेणु ने अपने मायके पक्ष के लोगों को भी बुला लिया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। बताया गया कि रेणु की बहन तनु भी मौके पर पहुंची और उसने परमजीत का विरोध किया। आरोप है कि गुस्से में आए परमजीत ने तलवार से तनु पर हमला कर दिया। वार लगने से तनु गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी परमजीत को हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

### बूम बैरियर तोड़ टोलकर्मियों पर कार चढ़ाने का प्रयास, चार के खिलाफ मुकदमा

**जेवर (शिखर समाचार)।** यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल शुल्क दिए बिना जबरन निकलने और बूम बैरियर तोड़ने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कार सवार चार लोगों ने टोलकर्मियों द्वारा पीछा किए जाने पर उन पर कार चढ़ाने का भी प्रयास किया। पुलिस ने टोल प्रबंधक की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

टोल प्रबंधक अनुज कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शनिवार को एक कार में सवार चार लोगों ने पहले मथुरा स्थित टोल प्लाजा पर बिना टोल दिए जबरन बूम बैरियर तोड़कर वाहन निकाल लिया। इसके बाद वही कार जेवर टोल प्लाजा पहुंची, जहां भी आरोपियों ने टोल शुल्क अदा किए बिना तेज रफ्तार में बूम बैरियर तोड़ दिया।

घटना की सूचना तत्काल एक्सप्रेसवे पर गश्त कर रही पेट्रोलिंग टीम को दी गई। टोलकर्मियों ने जब कार का पीछा किया तो आरोपियों ने उन्हें डराने के लिए वाहन उनकी ओर मोड़ दिया और कार चढ़ाने का प्रयास किया। हालांकि टोलकर्मी बाल-बाल बच गए।

टोल प्रबंधक ने बताया कि वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर कार स्वामी और उसमें सवार चार लोगों की पहचान की गई। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### बिजली संकट से नाराज कॉलोनीवासियों का बिजलीघर पर प्रदर्शन, जल्द आपूर्ति बहाल करने का मिला आश्वासन

**दादरी (शिखर समाचार)।** नगर पालिका परिषद क्षेत्र की पिंक सिटी और ओम वाटिका कॉलोनी में शनिवार शाम से ठप पड़ी बिजली आपूर्ति को लेकर रविवार को लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी धूम मानिकपुर बिजलीघर पहुंच गए और बिजली व्यवस्था तत्काल सुचारु कराने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोग शांत होकर वापस लौट गए। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम से दोनों कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोग भीषण गर्मी में परेशान रहे। बिजली न होने से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रात के समय पूरे इलाके में अंधेरा छाए रहने से लोगों में असुरक्षा की भावना बनी रही। वहीं बिजली कटौती के कारण मच्छरों के प्रकोप से भी लोग पूरी रात सो नहीं सके। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि बिजली अधिकारियों और कर्मचारियों से कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। इससे नाराज होकर रविवार को बड़ी संख्या में लोग एकत्र होकर धूम मानिकपुर बिजलीघर पहुंच गए। लोगों की भीड़ देखकर वहां मौजूद कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। बाद में कर्मचारियों ने उच्चाधिकारियों से संपर्क कर समस्या से अवगत कराया। करीब एक घंटे तक बिजलीघर पर प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने जल्द बिजली आपूर्ति बहाल कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद कॉलोनीवासी वापस लौट गए। प्रदर्शन में सभासद रामनिवास विधूड़ी, संचित नागर, निशांत शर्मा, शिवम, हिमांशु, नौरंगी लाल, अंकित नागर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

### कंपोजिट विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी, इन्वर्टर-बैटरी समेत हजारों का सामान ले गए चोर

**जेवर (शिखर समाचार)।** जेवर क्षेत्र के गांव छातंगा खुर्द स्थित कंपोजिट विद्यालय में चोरों ने ताला तोड़कर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी विद्यालय खुलने पर हुई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ललित गर्ग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद 16 जून को विद्यालय खोला गया। इस दौरान विद्यालय के कार्यालय के मुख्य गेट की कुंडी टूटी हुई मिली। अंदर जाकर जांच करने पर दूसरे कमरे का ताला भी टूटा मिला। कमरे की तलाशी लेने पर पता चला कि अज्ञात चोर विद्यालय से दो बैटरियां, एक इन्वर्टर, खेल सामग्री (स्पोर्ट्स किट) सहित हजारों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। घटना के बाद विद्यालय प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

## एफआईआर की भाषा से बढ़ा संदेह

# आरोपियों के पिता का नाम नहीं, पते भी गायब

**अयोध्या, एजेंसी।** राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की एफआईआर को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। एफआईआर में किसी भी आरोपी के पिता का नाम व पता नहीं लिखा गया है। सवाल है कि क्या ट्रस्ट के पास अपने ही कर्मियों के बारे में पूरी जानकारी नहीं रहती है। वहीं दूसरी तरफ केस में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम लगाया गया है, मतलब इसमें कोई न कोई सरकारी कर्मचारी भी आरोपी है। वह बैंक का है। फिर भी उसको नामजद न करके अज्ञात कर दिया गया। इसके पीछे की मंशा सवाल खड़ा कर रही है।

एफआईआर में कुल आठ नामजद आरोपी हैं। इसमें अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव व रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू नामजद हैं। 9वें नंबर पर अज्ञात आरोपी है। एफआईआर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने दर्ज कराया है। जितने आरोपी हैं वह मंदिर से जुड़े हैं ऐसे में मंदिर प्रशासन के पास उनके बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं है। किसी भी आरोपी का पता व पिता का नाम नहीं है, सभी में अज्ञात दर्ज किया गया है। विवेचना में तो ये तथ्य सामने आ ही जाएंगे लेकिन ये स्थिति ट्रस्ट पर सवाल जरूर खड़ा करती है। वहीं सबसे बड़ा सवाल है कि जब बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत उजागर हुई तो उनको नामजद क्यों नहीं किया गया है। क्या इसमें कोई खेल करना है, इसलिए वादी ने उनको नामजद नहीं कराया है। चोरी की घटना से लेकर एफआईआर दर्ज होने तक ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर उठ रहे सवाल थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

**तहरीर के सधे हुए शब्द, निर्देश ऊपर से मिले :** प्रकरण में पीएमओ से निगरानी जारी है। उसके पीछे की वजह है कि ट्रस्ट केंद्र सरकार ने गठित किया था इसलिए पीएमओ को रिपोर्ट भी भेजी गई है। वहीं पीएमओ के अधिकारियों ने भी अपने स्तर से जांच की है। तहरीर के शब्द सधे हुए हैं। बहुत कम शब्दों की तहरीर दी गई है। जिसमें एसआईटी की आख्या व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का दावा करते हुए गबन करने का आरोप लगाया गया है। सूत्रों के मुताबिक तहरीर भले ट्रस्ट की तरफ से दी गई है लेकिन उसमें लिखे हर एक शब्द ऊपर से लिखवाए गए हैं।

**धीरे धीरे बढ़ेगी रिकवरी :** जब

एसआईटी का गठन नहीं हुआ था तभी चर्चा थी कि ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की थी। उनकी निशानदेही पर करीब तीन करोड़ रुपये बरामद किए हैं। हालांकि पुलिस ने गिरफ्तारी के दौरान करीब 70 लाख रुपये बरामद किए हैं। सूत्रों ने बताया कि जैसे जैसे अन्य आरोपी गिरफ्तार किए जाएंगे वैसे वैसे रिकवरी भी बढ़ती जाएगी।

**सीसीटीवी फुटेज से खुलासा....40 दिन में 70 बार चोरी की रकम :** राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। 40 दिनों में करीब 70 बार चोरी करते आरोपी सीसीटीवी में कैद हुए। एसआईटी और पुलिस दोनों के पास फुटेज मौजूद हैं। साक्ष्य के तौर पर फुटेज जांच में शामिल किए गए हैं।

चोरी का मामला जब खुला था तब फुटेज सामने आए थे। जिनको ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सुरक्षित रख लिया था। सूत्रों के मुताबिक ये फुटेज एसआईटी ने कब्जे में लिए थे। जिसमें नामजद आरोपी रकम पार करते हुए कैद हुए थे। अब तक की जांच में पता चला है कि जो फुटेज हैं उसमें 70 बार से अधिक चोरी करते आरोपी नजर आए हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितनी रकम पार की गई है। क्योंकि ये सिर्फ 40 दिनों के भीतर का आंकड़ा है। ये खेल पिछले दो तीन वर्षों से चल रहा था।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि जब तक राममंदिर के चंदा गबन प्रकरण में एसआईटी की जांच चल रही है, तब तक वह इस मसले पर कोई बयान नहीं देंगे। अभी एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक जांच ही सौंपी है। जांच की प्रक्रिया अभी चल रही है। उन्होंने कहा कि मीडिया में कोई उनके हवाले से कुछ चला रहा है, तो ऐसा करने वाले महापाप कर रहे हैं।

### सीसीटीवी फुटेज से खुले राज, 40 दिन में 70 बार चोरी की गई रकम;

**लखनऊ, एजेंसी।** राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। 40 दिनों में करीब 70 बार चोरी करते आरोपी सीसीटीवी में कैद हुए। एसआईटी और पुलिस दोनों के पास फुटेज मौजूद हैं। साक्ष्य के तौर पर फुटेज जांच में शामिल किए गए हैं। चोरी का मामला जब खुला था तब फुटेज सामने आए थे। जिनको ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सुरक्षित रख लिया था। सूत्रों के मुताबिक ये फुटेज एसआईटी ने कब्जे में लिए थे। जिसमें नामजद आरोपी रकम पार करते हुए कैद हुए थे। अब तक की जांच में पता चला है कि जो फुटेज हैं उसमें 70 बार से अधिक चोरी करते आरोपी नजर आए हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितनी रकम पार की गई है। क्योंकि ये सिर्फ 40 दिनों के भीतर का आंकड़ा है। ये खेल पिछले दो तीन वर्षों से चल रहा था। चंपत राय और अनिल मिश्रा की भूमिका पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। विहिप के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी एक बयान में कहा है कि दो ट्रस्टियों पर आरोप हैं। इस तरह दोनों पर काफी दबाव है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस भी अब इनकी भूमिका की जांच कर रही है।

## करंट लगने की आशंका, शव के पोस्टमार्टम राजकीय विधि से अंतिम संस्कार

**वाराणसी, एजेंसी।** मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के आषाढ़ गांव में शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय पक्षी मोर मृत मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने सुबह करीब पांच बजे मोर को अचेत अवस्था में देखा और इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही खजुरी चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बाद में वन विभाग की टीम को भी बुलाया गया।

ग्रामीणों के अनुसार, निहाला मिश्र के घर के सामने स्थित बांस की कोठी के पास मोर के पंख चारों ओर बिखरे पड़े थे। मौके की स्थिति देखकर आशंका जताई गई कि मोर पर किसी जंगली या आवारा कुत्ते ने हमला किया होगा। हालांकि करंट लगने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पंचनामा भरकर मोर के शव को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सालय भेजा गया। पोस्टमार्टम के उपरांत राष्ट्रीय पक्षी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कराया गया।पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए मोर की मौत आवारा कुत्तों के हमले से होने की आशंका है। हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

वन विभाग के डिप्टी रेंजर संतोष कुमार गौड़ ने बताया कि मोर की मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट में यह स्पष्ट होगा कि मौत अंदरूनी चोट, दम घुटने, करंट लगने या किसी अन्य कारण से हुई है। रिपोर्ट मिलने के बाद यदि किसी प्रकार की लापरवाही या वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन के साक्ष्य मिलते हैं तो नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस और वन विभाग पूरे मामले की जांच में जुटे हैं।

## एनसीसी शिविर में कैडेट्स को यातायात नियमों, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का दिया गया प्रशिक्षण

**शामली (शिखर समाचार)।** शहर के देशभक्त इंटर कॉलेज में आयोजित 85 यूपी बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैडेटों को यातायात नियमों, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। शिविर के दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया, जबकि सड़क सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं।

कार्यक्रम में हवलदार ओमप्रकाश और मुख्य अधिकारी नीरज कुमार के नेतृत्व में कैडेटों ने पौधारोपण किया। इस दौरान उन्हें पेड़ों के महत्व, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी भूमिका तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि

पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और पौधारोपण इसके लिए सबसे प्रभावी माध्यम है।

इसके बाद यातायात पुलिस के मुख्य आरक्षी नितिन कुमार और अंकित चौधरी ने सड़क सुरक्षा विषय पर कैडेटों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय शराब का सेवन कभी नहीं करना चाहिए। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। उन्होंने कैडेटों से आह्वान किया कि वे शिविर में प्राप्त जानकारी अपने गांव और आसपास के लोगों तक पहुंचाकर यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामली की चिकित्सक ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर जानकारी देते हुए व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, आसपास के वातावरण को साफ रखने तथा गर्मी के मौसम में आवश्यक सावधानियां अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि स्वच्छ जीवनशैली अपनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य अधिकारी अशोक कुमार, लेफ्टिनेंट शिवकुमार, लेफ्टिनेंट आशीष कुमार, लेफ्टिनेंट संजीव कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कैडेट उपस्थित रहे।

## श्रीराम कथा में सीता हरण प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन, धर्म और मयार्दा का दिया संदेश

**शामली (शिखर समाचार)।** शहर के हनुमान धाम स्थित अग्रसेन भवन में श्री राम लखन सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम कथा के सातवें दिन कथा व्यास दीपक महाराज ने सीता हरण प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, मयार्दा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि रामायण का यह प्रसंग अधर्म पर धर्म की विजय की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

कथा व्यास ने बताया कि वनवास के दौरान पंचवटी में रावण की बहन शूर्पणखा ने भगवान श्रीराम के समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखा, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद उसने माता सीता पर आक्रमण करने का प्रयास किया, जिस पर लक्ष्मण ने उसके नाक और कान काट दिए। अपमानित शूर्पणखा ने रावण को पूरी घटना बताते हुए माता सीता के अनुपम

सौंदर्य का वर्णन किया, जिसके बाद रावण ने प्रतिशोध लेने के लिए सीता हरण की योजना बनाई।

उन्होंने बताया कि रावण ने अपने मामा मारीच को स्वर्ण मृग का मायावी रूप धारण कर पंचवटी भेजा। स्वर्ण मृग को देखकर माता सीता ने भगवान श्रीराम से उसे लाने का आग्रह किया। मारीच द्वारा श्रीराम की आवाज में पुकार लगाने पर चिंतित माता सीता के आग्रह पर लक्ष्मण भी कुटिया से चले गए। इसी अवसर का लाभ उठाकर रावण साधु का वेश धारण कर भिक्षा मांगने के बहाने कुटिया पहुंचा और माता सीता का बलपूर्वक हरण कर लंका ले गया।

कथा के दौरान गिद्धराज जटायु के अद्भुत पराक्रम का भी वर्णन किया गया। कथा व्यास ने बताया कि जटायु ने माता सीता की रक्षा के लिए रावण से वीरतापूर्वक युद्ध किया, लेकिन रावण ने उनके पंख काट दिए। बाद में घायल जटायु ने भगवान श्रीराम को पूरी घटना बताई, जिसके बाद माता सीता की खोज प्रारंभ हुई। यही प्रसंग आगे चलकर सुग्रीव और हनुमान से मिलन तथा लंका विजय का आधार बना।

कथा का संचालन यशपाल पंवार और सचिन जैन भगत ने किया। इस अवसर पर राजकुमार तायल, अवनीश संगल, अशोक गोयल, संदीप मित्तल, सचिन मित्तल, संजय एरन, सक्षम संगल, कपिल जिंदल, शुभम तायल, अमित गर्ग, खुशीराम अरोड़ा और नवीन

## प्रदूषण नियंत्रण कार्यालय के पास पांच घंटे जला कचरा

**आगरा , एजेंसी।** उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आवास विकास कॉलोनी सेक्टर-8 में स्थित कार्यालय से महज 50 फीट की दूरी पर पांच घंटे तक कचरा जलता रहा। बोर्ड कार्यालय के पास खाली प्लॉट में कचरा भरा हुआ है, जिसमें किसी ने सुबह आग लगा दी। इसमें चमड़े की कतरनों के बैग, प्लास्टिक कचरा पड़ा हुआ था। पांच घंटे तक कचरा सुलगने से क्षेत्रीय लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई।

क्षेत्रीय निवासी राम सिंह त्यागी ने बताया कि कचरा जलाने पर रोक है, लेकिन खाली प्लॉट में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ऑफिस के 50 फीट दूर ही आग लगा दी गई। पांच घंटे तक प्लास्टिक कचरा जलने से उठा धुआं परेशान करता रहा। घर में अस्थमा रोगी मां हैं, जिन्हें सबसे ज्यादा परेशानी हुई। प्लॉट के नजदीक रह रहे

शिवम वर्मा ने बताया कि खाली प्लॉट में हर सप्ताह कचरा जलाया जा रहा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने ऑफिस के पास ही कभी इसे रोकने की कोशिश नहीं की। इस मामले में नगर स्वास्थ्य अधिकारी संजीव वर्मा ने बताया कि प्लॉट से कचरा हटवाया जाएगा। आग किसने लगाई, इसकी जानकारी कर कार्रवाई की जाएगी।

# कंटेनर में करंट के बाद भयानक मंजर, जिंदा जल गए चचेरे भाई, बेबस गांव सुनता रहा चीखें

**एटा, एजेंसी।** जिस घर में नए वाहन के आने की खुशियां मनाई जा रहीं थीं। चार महीने बाद परिवार में विवाह समारोह होना था, वहां शुक्रवार शाम को नियति ने ऐसा क्रूर खेल खेला कि पूरा गांव आंसुओं में डूब गया। जलेसर के मिसौली गांव के पास हाईटेंशन लाइन का तार दो सगे चचेरे भाइयों के लिए काल बन गया। आठ दिन पहले खरीदे गए कंटेनर में करंट दौड़ने से बंटी गौतम और उनके चचेरे भाई रमन की मौत हो गई। एक साथ उठी दो भाइयों की अर्थियों ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

घटना शाम करीब पांच बजे की है। गांव के रास्ते पर आम दिनों की तरह चहल-पहल थी। बंटी अपना नया कंटेनर लेकर गांव की ओर आ रहे थे। घर से महज 300 मीटर पहले अचानक गाड़ी ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की जद में आ गई। देखते ही देखते कंटेनर के टायरों से धुआं निकलने लगा और वह धू-धू कर जलने लगा। गाड़ी में करंट दौड़ता देख मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीण मदद के लिए दौड़े लेकिन चारों तरफ फैले जानलेवा करंट के खौफ के कारण कोई भी पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका।

ग्रामीणों ने तुरंत बिजली सप्लाई कटवाने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी। करीब 20 मिनट बाद फॉल्ट होने के कारण सप्लाई खुद-ब-खुद बंद हुई। सूचना मिलते ही एसडीएम पीयूष रावत और सीओ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में राहत कार्य शुरू कर कंटेनर के केबिन में फंसे दोनों भाइयों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

डॉक्टरों ने बंटी और रमन को मृत घोषित कर दिया। मृतक रमन उर्फ छोटू की इसी साल अक्टूबर माह में शादी होनी थी। घर में बारात की तैयारियां चल रही थीं, कपड़े और सगाई की बातें हो रही थीं, लेकिन इस भयावह हादसे ने पल भर में सब कुछ उजाड़ दिया। परिवार

के दो चिराग एक साथ बुझने से कोहराम मचा हुआ है। माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव के हर शख्स की आंखें नम हैं।

**तीन दिन पहले यहीं से गुजरा था कंटेनर:** बंटी तीन दिन पहले भी गांव से कंटेनर लेकर आगरा गए थे। तब इसी लाइन के नीचे से कंटेनर सकुशल गुजर गया था। तीन दिनों में तार झूल गए या फिर कमानी में काम कराने के कारण कंटेनर की ऊंचाई बढ़ गई। बंटी को अंदाजा भी नहीं था कि बिजली के तार उसके और परिवार के लिए काल बन जाएंगे।

**ये बोले अधिकारी :** सीओ जलेसर ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। हादसे में घायल हुए अन्य लोगों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और आगरा के अस्पताल में चल रहा है। इस दर्दनाक हादसे के कारणों की जांच कराई जाएगी

**ये हुआ हादसा :** जलेसर के गांव मिसौली के पास शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हुआ। नया कंटेनर खरीदने के बाद परिवार गंगा स्नान के लिए जाने की तैयारी में था। गांव के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में कंटेनर आने से ट्रक स्वामी बंटी गौतम (40) और उसके आगरा के सती नगर, नराइच निवासी चचेरे भाई रमन उर्फ छोटू (32) की मौत हो गई। परिवार के छह लोग और झुलसे हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

**आठ दिन पहले खरीदा था कंटेनर :** परिजनों के अनुसार, मूल रूप से मिसौली जलेसर निवासी बंटी गौतम पिछले कई वर्षों से ट्रक चलाते थे। उन्होंने आठ दिन पहले नया कंटेनर खरीदा था। शनिवार तड़के कंटेनर से परिवार समेत गंगा स्नान के लिए जाने की तैयारी थी। बंटी के चाचा घनश्याम का परिवार आगरा के सती नगर नराइच में रहता है। चाचा के परिवार को लेकर शुक्रवार शाम बंटी गांव के लिए चले।

**परिवार के लोग आगे बैठे थे :** कंटेनर में चाचा घनश्याम, चाची विमलेश, चचेरा भाई रमन उर्फ छोटू और परिवार के अन्य लोग ओमवती, हेमलता, सतीश गिरि निवासी सतीनगर आगरा बैठे थे। गांव से बंटी को पत्नी-बच्चों, माता-पिता को लेकर शनिवार तड़के गंगा घाट के लिए रवाना होना था। गांव में प्रवेश करने से पहले ही हाईटेंशन लाइन से कंटेनर छू गया।

इससे कंटेनर में करंट दौड़ गया। कंटेनर के टायरों से धुआं उठता देख ग्रामीणों के होश उड़ गए। करीब 20 मिनट बाद फॉल्ट के कारण लाइट कट गई, तब तक काफी देर हो चुकी थी। कंटेनर से लोगों को बाहर निकाला गया। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने बंटी और उसके चचेरे भाई रमन को मृत घोषित कर दिया।रमन के माता-पिता घनश्याम और विमलेश को गंभीर हालत में आगरा रेफर किया गया है। अन्य घायलों का सीएचसी पर उपचार चल रहा है।

# सम्पूर्णम अपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र वितरित

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** इरोज सम्पूर्णम, सेक्टर-2 स्थित सम्पूर्णम अपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन (एसएओए) के वर्ष 2026-27 के चुनाव शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं निर्विरोध ढंग से सम्पन्न हो गए। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को निर्वाचन प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के तहत नामांकन, नामांकन पत्रों की जांच, आपत्तियों के निस्तारण तथा नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी की गई। सभी पदों पर प्राप्त वैध नामांकन रिक्त पदों के बराबर होने के कारण किसी भी पद के लिए मतदान कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी और सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। पूरी निर्वाचन प्रक्रिया नामित निर्वाचन अधिकारी हरिशंकर त्रिपाठी की देखरेख में सम्पन्न हुई। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर आयोजित समारोह में नवनिर्वाचित सदस्यों ने निर्वाचन अधिकारी के साथ सामूहिक एवं व्यक्तिगत छायाचित्र भी खिंचवाए। निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारियों में नवनीत जुनेजा को अध्यक्ष, यशपाल सिंह भंडारी को उपाध्यक्ष, पंकज कुमार चौधरी को सचिव तथा अजीत कुमार मिश्रा को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में गुंजन मिश्रा, दिलीप कुमार, राजीव सिंह, संजय शर्मा, क्लैरिसा शान्तिसीली कुमार तथा प्रभदीप कालसी निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस अवसर पर निर्वाचन अधिकारी हरिशंकर त्रिपाठी ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और सामूहिक सहभागिता की भावना के साथ कार्य करते हुए सोसायटी के समग्र विकास तथा निवासियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि नई टीम बेहतर प्रबंधन, सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में बड़ी संख्या में सोसायटी के निवासी भी उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने निर्विरोध एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन को आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक परंपराओं और सामुदायिक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। साथ ही उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं। अंत में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सोसायटी के विकास, बेहतर रखरखाव, पारदर्शी प्रशासन, वित्तीय जवाबदेही तथा निवासियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि सभी निवासियों के सहयोग और सहभागिता से इरोज सम्पूर्णम को एक आदर्श, स्वच्छ और सुव्यवस्थित आवासीय परिसर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

## धूल व प्रदूषण नियंत्रण के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का विशेष स्वच्छता अभियान चौथे दिन भी जारी

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** धूल एवं वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के दिशा निर्देशों के अनुपालन में शहर की प्रमुख सड़कों को धूल रहित बनाए रखने के लिए अभियान के चौथे दिन भी व्यापक स्तर पर सफाई एवं स्वच्छता कार्य कराया गया। प्राधिकरण के स्वास्थ्य, परियोजना और उद्यान विभाग की संयुक्त टीम ने समन्वित रूप से अभियान चलाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में धूल नियंत्रण के लिए आवश्यक कार्य किए।

अभियान के तहत हनुमान मंदिर से राइज पुलिस चौकी तक सड़क की मैकेनिकल एवं मैनुअल दोनों तरीकों से सघन सफाई कराई गई। इसके साथ ही सड़क किनारे जमी धूल को नियंत्रित करने के लिए टैंकरों के माध्यम से नियमित रूप से जल छिड़काव किया गया। जहां जहां निर्माण सामग्री अथवा मलबा पड़ा मिला, वहां क्रेन और लोडर मशीनों की सहायता से उसे तत्काल हटवाया गया ताकि यातायात प्रभावित न हो और धूल उड़ने की समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। अभियान के दौरान सफाई कर्मचारियों और अधिकारियों ने सड़क किनारों, डिवाइडरों तथा सार्वजनिक स्थानों की भी सफाई सुनिश्चित की। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार धूल प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा और आवश्यकता के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार विशेष सफाई, जल छिड़काव तथा मलबा हटाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर में स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी की जा रही है तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। प्राधिकरण का मानना है कि इस विशेष अभियान से सड़कों पर उड़ने वाली धूल में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार होगा और नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित तथा स्वस्थ वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही लोगों से भी अपील की गई है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर मलबा या निर्माण सामग्री न फैलाएं तथा शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

## ब्लू वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में लगा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, 200 से अधिक लोगों की हुई जांच

**जेवर (शिखर समाचार)।** जेवर स्थित ब्लू वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में रविवार को जीपी मेडिकेयर के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 200 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की गई तथा जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों की दृष्टि संबंधी समस्याओं की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। साथ ही आंखों की नियमित देखभाल, दृष्टि संरक्षण और समय-समय पर नेत्र परीक्षण कराने के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया गया। शिविर का संचालन डॉ. शुभम गर्ग, डॉ. रोहित एवं उनकी अनुभवी चिकित्सकीय टीम ने किया। कार्यक्रम के समन्वय की जिम्मेदारी वार्ड-12 के सभासद पराग अग्रवाल (डब्बू) ने निभाई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर समाज के सभी वर्गों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

## भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न बूथों पर सुना प्रधानमंत्री के मन की बात का 135वां संस्करण

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** रविवार को भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिले के विभिन्न बूथों तथा अपने-अपने घरों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण का सीधा प्रसारण सुना और देखा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की प्राचीन परंपराओं, योग, आत्मनिर्भर भारत, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और डिजिटल शिक्षा जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सरकार देश के करोड़ों परिवारों तक विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का सुरक्षा कवच पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण और डिजिटल माध्यमों से शिक्षा को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के उपरांत उत्तर प्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य मनोज वाल्मीकि ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संदेश को बूथ स्तर तक पहुंचाने और जन-जन को उससे जोड़ने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने के साथ-साथ जनभागीदारी को भी मजबूत करते हैं। इस अवसर पर जिले के विभिन्न बूथों पर भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# पल्स पोलियो अभियान शुरू, 143 बूथों पर पांच वर्ष तक के बच्चों को पिलाई गई खुराक

**सोमवार से घर घर पहुंचेगी स्वास्थ्य विभाग की टीमें, सार्वजनिक स्थानों पर भी चलेगा विशेष अभियान**

**शामली (शिखर समाचार)।** पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रविवार को थानाभवन ब्लॉक क्षेत्र में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के पहले दिन पूरे ब्लॉक के 143 बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। स्वास्थ्य विभाग ने सुनिश्चित किया है कि कोई भी बच्चा दवा से वंचित न रहे, इसके लिए बूथों के अलावा मोबाइल एवं विशेष टीमें भी तैनात की गई हैं।

थानाभवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर अभियान का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दीपक कोरी ने फीता काटकर किया। इसके बाद उन्होंने सीएचसी प्रभारी डॉ. सुशील कुमार के साथ बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की औपचारिक शुरूआत कराई। सीएचसी प्रभारी डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि पूरे ब्लॉक में कुल 97 टीमें गठित की गई हैं। इनमें थानाभवन और जलालाबाद कस्बों में 20-20 टीमें तैनात की गई हैं। इसके अलावा तीन मोबाइल टीमें ईंट-भट्ठों पर कार्यरत मजदूरों के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का कार्य करेंगी। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थानों पर सात विशेष टीमें लगाई गई हैं, जबकि किसी भी आवश्यकता के लिए तीन बैकअप टीमें भी तैयार रखी गई हैं।

उन्होंने बताया कि रविवार को बूथ आधारित अभियान के बाद सोमवार से शुक्रवार तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। अभियान प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित किया जाएगा।

अभियान को सफल बनाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहुएं, समूह सखियां तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलवाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस गंभीर बीमारी के खतरे से असुरक्षित न रहे।

# शामली को मिला केंद्रीय विद्यालय का तोहफा, वर्षों पुराना सपना हुआ साकार

**शामली। (शिखर समाचार)** जनपद शामली के लिए रविवार का दिन शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक साबित हुआ। काबड़ौत में केंद्रीय विद्यालय की अस्थायी इमारत का शुभारंभ होने के साथ ही जिले के हजारों विद्यार्थियों और अभिभावकों का वर्षों पुराना सपना साकार हो गया। इस अवसर पर आयोजित 'नींव से निर्माण संकल्प सभा' में केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने केंद्रीय विद्यालय का शुभारंभ करते हुए इसे क्षेत्र के शैक्षिक विकास की बड़ी उपलब्धि बताया।

सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय की स्थापना शामली के विद्यार्थियों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि विद्यालय की स्थापना के लिए लंबे समय से लगातार प्रयास किए जा रहे थे और अब यह सपना साकार हुआ है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी तथा केंद्र और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को महानगरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होती है। केंद्रीय विद्यालय खुलने से विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं और राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा अपने ही जिले में मिलेगी, जिससे अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही हैं। केंद्रीय विद्यालय और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) जैसे संस्थान युवाओं के भविष्य को नई दिशा देंगे तथा ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएंगे।

उन्होंने किसानों और युवाओं से आधुनिक तकनीक अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि नई तकनीक खेती को अधिक लाभकारी बनाएगी और युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करेगी। उन्होंने कहा कि किसान और युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं तथा उनके सशक्त होने से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा।

जयंत चौधरी ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनता की सेवा और समाज का कल्याण होना चाहिए। उन्होंने गन्ना नियंत्रण कानून के प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों की भावनाओं को देखते हुए सरकार द्वारा प्रस्ताव वापस लेना स्वागतयोग्य निर्णय है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही। केंद्रीय विद्यालय के शुभारंभ को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

## सगे भाई ने की थी सलीम की हत्या, तमंचे के साथ आरोपी गिरफ्तार

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** थाना शहर कोतवाली पुलिस ने बच्चों के विवाद में अपने बड़े भाई की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी छोटे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त अवैध तमंचा और एक कारतूस भी बरामद किया है। मामले में हथियार उपलब्ध कराने वाले आरोपी की तलाश भी शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, 24-25 जून की रात शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव बेगावाला निवासी 32 वर्षीय सलीम की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद आरोपी छोटा भाई नदीम फरार हो गया था। मृतक के पिता हनीफ की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक चर्चा में हत्या लोहे की रॉड से किए जाने की बात सामने आई थी, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की विवेचना में स्पष्ट हुआ कि सलीम की मौत तमंचे से चली गोली लगने के कारण हुई थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में नदीम ने हत्या का जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद बड़े भाई सलीम ने उसकी पत्नी के साथ अभद्र व्यवहार किया था। इसी बात से आक्रोशित होकर उसने तमंचे से सलीम पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी ने यह भी बताया कि घटना के बाद उसने गोली का खाली खोखा गंगा नदी में फेंक दिया था ताकि पुलिस को कोई सुराग न मिल सके। पूछताछ के दौरान नदीम ने खुलासा किया कि हत्या में इस्तेमाल किया गया अवैध तमंचा उसने गांव भरेरा निवासी भास्कर नामक युवक से खरीदा था। पुलिस अब हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। बरामद तमंचे को कब्जे में लेकर पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर ली है। पुलिस ने आरोपी नदीम को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। वहीं, अवैध हथियार की आपूर्ति करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

## धारूवाला में धूमधाम से मनाई गई संत कबीर साहेब की 629वीं जयंती

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** तहसील सदर क्षेत्र के गांव धारूवाला स्थित संत कबीर धर्मशाला में भुइयार समाज के तत्वावधान में संत कबीर साहेब की 629वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संत कबीर साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके बताए सत्य, समता और मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए भुइयार एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मास्टर राजेंद्र कुमार भुइयार ने कहा कि संत कबीर की वाणी आज भी समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कबीर साहेब ने जाति पांति, ऊंच नीच और सामाजिक कुरीतियों का विरोध करते हुए मानवता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मास्टर कार्मेंद्र सिंह, संजीव कुमार भुइयार, डॉ. संदीप सिंह तथा डॉ. विजेंद्र सिंह ने कहा कि संत कबीर साहेब के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके समय में थे। उन्होंने कहा कि कबीर के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। विचार गोष्ठी में बादाम सिंह, रामगोपाल सिंह, सुरेश कुमार भुइयार, मनीराम भुइयार, सुदेश कुमार भुइयार, छतरपाल सिंह, विवेक सिंह भुइयार, टीकम सिंह, डॉ. संजीव कुमार, पवन सिंह, राजबहादुर सिंह, अमित कुमार, सुमित कुमार, शगुन कुमार, रोहित कुमार, दीपक सिंह, नेपाल सिंह, दक्ष सिंह और तृषा सिंह सहित अनेक लोगों ने संत कबीर साहेब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामगोपाल सिंह ने की, जबकि संचालन संजीव कुमार भुइयार ने किया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने संत कबीर साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा सामाजिक समरसता और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

## अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने दो युवकों को कुचला, एक की हालत गंभीर, चालक वाहन छोड़कर फरार

**शामली (शिखर समाचार)।** शहर के सरवरपीर रोड पर रविवार देर रात मजदूरी कर घर लौट रहे दो युवकों को एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने स्कॉर्पियो में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई है। जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कलंदरशाह निवासी शान मोहम्मद पुत्र वजीर और जावेद पुत्र नाजिर राजमिस्त्री का कार्य करते हैं। रविवार रात करीब 10 बजे दोनों मजदूरी कर पैदल अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे सरवरपीर रोड पर पहुंचे, तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के तुरंत बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। आक्रोशित भीड़ ने स्कॉर्पियो में तोड़फोड़ कर दी। सूचना मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जावेद की हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर किया गया। वहां भी हालत में सुधार नहीं होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए दिल्ली रेफर कर दिया। वहीं शान मोहम्मद का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। कोतवाली प्रभारी सचिन शर्मा ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को कब्जे में ले लिया गया है। अभी तक इस मामले में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार चालक की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

## पेड़ पर चढ़ा 15 फीट लंबा अजगर, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** थाना देहात क्षेत्र के गांव धनौरा में रविवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क किनारे एक पेड़ पर करीब 15 फीट लंबा अजगर चढ़ा दिखाई दिया। विशालकाय अजगर को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह गांव धनौरा से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर पेड़ पर चढ़े विशाल अजगर पर पड़ी। अजगर को देखते ही लोगों के होश उड़ गए और उन्होंने तत्काल वन विभाग तथा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। रेस्क्यू अभियान के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। वन विभाग की टीम ने अजगर को सुरक्षित कब्जे में लेकर उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया। अजगर के सुरक्षित रेस्क्यू के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

# संपादकीय

## युद्ध की दहलीज पर खड़ी दुनिया : अमेरिका ईरान टकराव और वैश्विक शांति की सबसे बड़ी परीक्षा

इक्कीसवीं सदी में दुनिया ने अनेक युद्ध, आर्थिक संकट और भू-राजनीतिक टकराव देखे हैं, लेकिन वर्तमान समय में अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गया है। यह पूरे विश्व की शांति, वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की विश्वसनीयता की सबसे बड़ी परीक्षा बन चुका है। बीते कुछ दिनों में दोनों देशों के बीच जिस प्रकार सैन्य कार्रवाई, जवाबी हमले और तीखी बयानबाजी हुई है, उसने यह आशंका फिर गहरा दी है कि यदि समय रहते संवाद का रास्ता नहीं अपनाया गया तो मध्य-पूर्व एक बार फिर व्यापक युद्ध की आग में झुलस सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को यह चेतावनी देना कि यदि वह नहीं सुधरा तो उसे धरती के नक्शे से मिटा दिया जाएगा, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि उस मानसिकता का संकेत है जिसमें शक्ति प्रदर्शन को समाधान समझा जा रहा है। दूसरी ओर ईरान भी पीछे हटने के संकेत नहीं दे रहा और उसने अमेरिकी सैन्य ठिकानों तथा रणनीतिक हितों को निशाना बनाकर स्पष्ट कर दिया है कि वह जवाब देने की क्षमता और इच्छाशक्ति दोनों रखता है। हाल के दिनों में संघर्ष विराम की कोशिशों के बावजूद दोनों पक्षों द्वारा फिर से सैन्य कार्रवाई किए जाने से यह स्पष्ट हो गया है कि भरोसे का संकट अभी समाप्त नहीं हुआ है और समझौते की संभावनाएं लगातार कमजोर पड़ रही हैं। अमेरिका और ईरान के संबंध दशकों से अविश्वास, प्रतिबंधों और वैचारिक टकराव से प्रभावित रहे हैं। परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव, पश्चिम एशिया की राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा जैसे मुद्दे दोनों देशों के बीच विवाद की मुख्य वजह रहे हैं। लेकिन वर्तमान परिस्थितियां पहले से कहीं अधिक गंभीर हैं क्योंकि इस बार संघर्ष केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं है। हवाई हमले, मिसाइल कार्रवाई, समुद्री मार्गों पर बढ़ता खतरा और खाड़ी क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों का विस्तार पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा रहा है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक समुद्री मार्ग पर अस्थिरता वैश्विक तेल आपूर्ति को प्रभावित कर सकती है, जिसका सीधा असर ऊर्जा कीमतों, महंगाई और विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। विकासशील देशों के लिए यह संकट और भी गंभीर हो सकता है क्योंकि बढ़ती ऊर्जा लागत उनके आर्थिक विकास की गति को प्रभावित करेगी। युद्ध का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह होता है कि उसका प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता। इतिहास गवाह है कि जब भी मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ा है, पूरी दुनिया को आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही महंगाई, आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों और व्यापारिक अनिश्चितताओं से जूझ रही है। ऐसे समय में यदि अमेरिका और ईरान का टकराव लंबा खिंचता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ना तय है। तेल की कीमतों में उछाल, समुद्री व्यापार पर असर और निवेशकों की बढ़ती चिंता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए नए संकट पैदा कर सकती है। इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों का उद्देश्य ही ऐसे संघर्षों को बातचीत के माध्यम से रोकना है, लेकिन यदि महाशक्तियां स्वयं सैन्य कार्रवाई को प्राथमिकता देंगी तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विश्व समुदाय को यह समझना होगा कि सैन्य शक्ति किसी देश को अस्थायी बढ़त तो दिला सकती है, लेकिन स्थायी शांति केवल संवाद, विश्वास और कूटनीतिक समाधान से ही संभव है। भारत जैसे देश के लिए भी यह संकट अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत के ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से जुड़ा है। वहां रहने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा, व्यापारिक हित और समुद्री मार्गों की स्थिरता भारत की प्राथमिक चिंताओं में शामिल हैं।

**~ मौलिक चिंतन ~**

परिस्थितियों के हिसाब से सिद्धांतों को बदलना अनैतिक नहीं होता है।

~~~~~~~~~

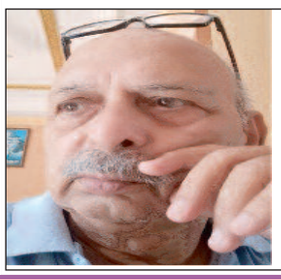

© विनय संकोची

# एनडीए कुनबे में सांसद बढ़े पर बढ़ गया अंदरूनी असंतोष

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में इस समय एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। विपक्ष के सांसदों की टूट-फूट से सत्ताधारी एनडीए का कुनबा लगातार बड़ा हो रहा है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि सरकार पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित हो चुकी है। लेकिन जब हम दिल्ली के राजनीतिक गलियारों और संसद के आंकड़ों की गहराई में जाते हैं, तो कहानी कुछ और ही नजर आती है। बाहर से ताकतवर दिख रही इस सरकार के भीतर तनाव की एक नई लहर दौड़ गई है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत का जादुई आंकड़ा नहीं छू सकी थी। तब एनडीए ने 293 सीटों के साथ सरकार का गठन किया था। सरकार को टिकाए रखने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है। हाल के दिनों में विपक्षी खेमे, खासकर टीएमसी और शिवसेना, जैसे दलों से सांसदों के पाला बदलने के कारण अब एनडीए का आंकड़ा 313 के पार पहुंच चुका है। सीधे गणित से देखें तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इस सरकार को गिराना विपक्ष के लिए पूरी तरह असंभव है। सरकार गिरने का कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, इसलिए सरकार के पूरी तरह अस्थिर होने का दावा तकनीकी रूप से गलत साबित होता है। लेकिन असली पेंच सरकार के बने रहने का नहीं, बल्कि उसके कामकाज और आंतरिक तालमेल का है। सरकार का कुनबा तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही गठबंधन के भीतर तनाव भी चरम पर पहुंच गया है। इस समय सबसे बड़ी अटकलें मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल को लेकर लगाई जा रही हैं। बाहर से आए दिग्गज नेताओं को संतुष्ट करने के लिए उन्हें सरकार में जगह देनी होगी। इसकी वजह से मौजूदा कई मंत्रियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि नए चेहरों को एडजस्ट करने के लिए कई पुराने और कद्दावर मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनसे भारी-भरकम मंत्रालय छीने जा सकते हैं। इस संभावित फेरबदल की वजह से मंत्रियों और मूल पार्टी कार्यकताओं के बीच असंतोष की आग सुलगने लगी है। पुराने नेताओं को लगने लगा है कि बरसों तक पार्टी के लिए खून-पसीना बहाने के बाद भी, ऐन मौके पर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। तनाव का दूसरा बड़ा कारण गठबंधन की छोटी और क्षेत्रीय पार्टियों में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे दल अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर गहरे संकट और चिंता में हैं। दरअसल, जब एनडीए के पास 293 सीटें थीं, तब इन छोटे दलों की बैसाखियों के बिना सरकार एक कदम भी नहीं चल सकती थी। लेकिन अब विपक्ष से आए सांसदों के कारण सरकार का अपना आंकड़ा 313 पार कर गया है। इस नए समीकरण ने छोटे दलों की सौदेबाजी की ताकत को लगभग खत्म कर दिया है। उन्हें डर है कि भाजपा अब उनके क्षेत्रीय हितों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे उनके राज्यों में उनका वजूद ही खतरे में पड़ जाएगा।इस राजनीतिक उठापटक के बीच, हालिया विवादों ने सरकार की सुशासन की छवि पर भी दबाव बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का बड़ा मामला सामने आने से जहां एक तरफ धार्मिक और राजनीतिक बहस छिड़ गई है, वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़ा भूमि आवंटन का ताजा प्रकरण भी विपक्ष के हाथों में बड़ा मुद्दा बन गया है। इन दोनों ही गंभीर मामलों ने भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है, जिससे संगठन के भीतर का आपसी तनाव और अधिक गहरा गया है। इस पूरे दलबदल के पीछे सरकार की अपनी एक बड़ी रणनीति भी छिपी है। सरकार संसद में मनमाने और कड़े बिल पारित कराना चाहती है। भाजपा का मुख्य एजेंडा सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि परिसीमन और एक देश, एक चुनाव जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को लागू करना है। इन ऐतिहासिक बदलावों के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत यानी 362 सीटों की जरूरत होती है। सरकार इसी जादुई आंकड़े को छूने के लिए विपक्ष में तोड़फोड़ कर रही है। हालांकि, इतने सांसदों को जोड़ने के बाद भी सरकार अभी दो-तिहाई के आंकड़े से दूर है, जिससे विधायी स्तर पर उसकी राह अब भी आसान नहीं दिखती। कुल मिलाकर देखें तो यह दावा पूरी तरह सही है कि सांसदों के आने से एनडीए का संख्या बल तो बढ़ा है, लेकिन सरकार के भीतर आंतरिक तनाव और असंतोष अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। सरकार की उम्र भले ही लंबी हो गई हो, लेकिन मंत्रियों की कुर्सी छिनने का डर, पुराने नेताओं की नाराजगी, क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व का संकट और हालिया भ्रष्टाचार के आरोप इस सरकार की राजनीतिक स्थिरता को अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस- आंकड़ों से आत्मनिर्भरता तकः सांख्यिकी की बढ़ती शक्ति

योगेश कुमार गोयल

आंकड़ों से भविष्य गढ़ने का विज्ञान है सांख्यिकी...

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी (स्टैटिस्टिक्स) के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 29 जून को 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' मनाया जाता है। आर्थिक नियोजन और सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा दिए गए उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उनकी जयंती को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाने के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था और इस आशय की अधिसूचना भारत के राजपत्र में 5 जून 2007 को प्रकाशित की गई थी। 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' का वर्ष 2026 का विषय है 'प्रशासनिक डेटा की क्षमता को उजागर करना', जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि सरकारी विभागों द्वारा प्रतिदिन एकत्र किए जाने वाले विशाल प्रशासनिक आंकड़े केवल अभिलेख नहीं हैं बल्कि वे नीति निर्माण, सेवा वितरण, पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशी विकास के सबसे प्रभावी उपकरण बन सकते हैं। 29 जून 1893 को कलकत्ता में जन्मे प्रो. पी.सी. महालनोबिस जाने-माने भारतीय सांख्यिकीविद् थे, जिन्होंने 'महालनोबिस दूरी' तैयार करने के अलावा दूसरी पंचवर्षीय योजना में औद्योगीकरण के लिए भारत की रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो डेटा सेटों के बीच तुलना का एक माप तैयार किया था, जिसे अब 'महालनोबिस दूरी' के रूप में जाना जाता है। प्रो. महालनोबिस ने 17 दिसम्बर 1931 को कलकत्ता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना की थी, जिसे 1959 में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। 1950 में उन्होंने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकीय गतिविधियों के समन्वय के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की स्थापना की।

प्रो. महालनोबिस एक प्रशिक्षित भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने अपने शिक्षक डब्ल्यू एच मैकाले के कहने पर 'बायोमेट्रिका' नामक एक किताब पढ़ी और वह किताब पढ़ने के बाद ही उनका रुझान सांख्यिकी की ओर होने लगा था। उसके बाद ही उन्होंने पता लगाया कि मौसम विज्ञान और मानव विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सांख्यिकी का उपयोग किया जा सकता है। यही उनके वैज्ञानिक जीवन में बेहद महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। भारत में एंथ्रोपोमेट्री अथवा मानव माप के अध्ययन के क्षेत्र में वे अग्रणी थे और उन्होंने बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण तथा नमूनाकरण विधियों के डिजाइन में भी सहायता की। उन्होंने फेल्डमैन-महालनोबिस मॉडल बनाया, जो आर्थिक विकास का एक नव-मार्क्सवादी मॉडल था, जिसका उपयोग भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना में किया गया, जिसने देश में तेजी से औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत के पहले योजना आयोग में भी काम किया और उन्हें उनके महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पद्म विभूषण सहित कई पुरस्कार मिले। बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण करने के लिए उन्होंने नई तकनीकों का आविष्कार किया और अव्यवस्थित नमूने की विधि का उपयोग करके एकड़ और फसल की पैदावार की गणना की। लोगों के विभिन्न समूहों की सामाजिक आर्थिक स्थितियों की तुलना करने के लिए उन्होंने फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण नामक एक सांख्यिकीय पद्धति भी तैयार की। बाढ़ नियंत्रण के लिए उन्होंने सांख्यिकी को आर्थिक नियोजन में भी लागू किया। 28 जून 1972 को कलकत्ता में प्रो. महालनोबिस का निधन हो गया। सांख्यिकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों और योगदान के सम्मान में ही हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है।

माना जाता है कि सांख्यिकी की उत्पत्ति हजारों वर्ष पूर्व की गई जनगणना में हुई थी लेकिन एक विशिष्ट वैज्ञानिक अनुशासन के रूप में इसे 19वीं शताब्दी की शुरूआत में आबादी, अर्थव्यवस्थाओं और नैतिक कार्यों के अध्ययन के रूप में और बाद में उस शताब्दी में ऐसी संख्याओं के विश्लेषण के लिए गणितीय उपकरण के रूप में विकसित किया गया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सही मायनों में लोगों को यह समझाता है कि नीतियों को आकार देने और तैयार करने में सांख्यिकी किस प्रकार मदद करती है और इस दिवस को मनाते हुए यह उम्मीद की जाती है कि यह आयोजन सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में विशेषकर युवा वर्ग में जागरूकता बढ़ाएगा। प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी के संबंध में रिपोर्ट भेजने के लिए हम प्रायः कुछ एजेंसियों अथवा विभागों की घोषणाओं पर ही भरोसा करते हैं। दरअसल भूकम्प, मौसम और ज्वालामुखी संबंधी भविष्यवाणियों की गणना सांख्यिकीय तरीकों की एक श्रृंखला के माध्यम से ही की जाती है। रिकॉर्ड और फॉर्मूले के बगैर हम यह अनुमान ही नहीं लगा सकते कि नवीनतम तूफान या कोई बड़ा भूकम्प कब आएगा और ऐसे में हम इसके अभाव में समय रहते आवश्यक सावधानियां नहीं बरत सकते। इसके लिए आंकड़े ही हमें सचेत करते हैं ताकि हम आपातकालीन स्थिति के लिए पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकें, जिससे जान-माल का नुकसान न्यूनतम हो सके।

सांख्यिकी अनुभवजन्य डेटा एकत्र करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और प्रस्तुत करने के तरीकों के विकास और अध्ययन से संबंधित विज्ञान है। यह गणित की वह शाखा है, जिसमें आंकड़ों का संग्रहण, प्रदर्शन, वर्गीकरण और उसके गुणों के आकलन का अध्ययन किया जाता है। सांख्यिकी एक गणितीय

विज्ञान है, जिसमें किसी वस्तु, अवयव, तंत्र अथवा समुदाय से संबंधित आंकड़ों का संग्रह, विश्लेषण, व्याख्या या स्पष्टीकरण और प्रस्तुति की जाती है। सांख्यिकी की सहायता से ही देश में अशिक्षा, बेरोजगारी, अपराध, भिक्षावृत्ति इत्यादि विभिन्न सामाजिक समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की जाती है, साथ ही इन समस्याओं के समाधान के उपाय तथा वे उपाय कहां तक सफल हुए हैं, इनका पता भी सांख्यिकी की मदद से ही लगाया जा सकता है। सांख्यिकी में आंकड़े दो प्रकार के होते हैं, वर्णनात्मक और अनुमानात्मक, जिनका उपयोग ज्यादातर रिकॉर्ड रखने, संभावनाओं की गणना करने और ज्ञान प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह हमें संख्याओं और अन्य मात्रात्मक जानकारी के माध्यम से दुनिया को थोड़ा बेहतर ढ़ंग से समझने में मदद करता है, अर्थात ऐसी संख्याएं, जो किसी तथ्य पर प्रकाश डालती हों, आंकड़े कहलाती हैं। आंकड़े सदैव संख्या में ही व्यक्त किए जाते हैं और यह गणनात्मक होते हैं। आंकड़ों का संग्रहण किसी पूर्व निश्चित उद्देश्य के लिए ही किया जाता है, हालांकि आंकड़ों का संकलन करते समय उनकी शुद्धता एवं सत्यता पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी होता है।

# प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी यात्राएँ भारत के लिए अर्थलाभदायक?

सौरभ वार्ष्णेय

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक हितों और सामरिक प्रभाव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के बाद से लेकर जून 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी लगभग 100 विदेश यात्राएँ कर 78 देशों का दौरा कर चुके हैं। यह आँकड़ा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत ने बीते एक दशक में विश्व मंच पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

भारत की विदेश नीति आज केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा सहयोग और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का माध्यम भी बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका तथा हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया है। हाल की उनकी सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक खूबसूरत द्वीपीय देश है। यात्रा भी समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन यात्राओं का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक क्षेत्र में दिखाई देता है। वैश्विक कंपनियों के साथ संपर्क बढ? से भारत में निवेश आकर्षित हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण क्षेत्र में भारत को नई संभावनाएँ मिली हैं। हाल के वर्षों में अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणाएँ की हैं, जिससे रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

रणनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है और छोटे द्वीपीय देशों के साथ

रक्षा एवं समुद्री सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स को भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपना इसी नीति का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। अनेक देशों ने भारत की वैश्विक भूमिका का समर्थन किया है तथा भारत को एक उभरती महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारतीय दावेदारी को भी विभिन्न देशों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि, विदेश यात्राओं की सफलता का मूल्यांकन केवल स्वागत समारोहों और समझौतों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना आवश्यक है कि कितने समझौते धरातल पर उतरते हैं, कितना निवेश वास्तव में आता है और उससे देश के आम नागरिक को कितना लाभ मिलता है। कुछ मामलों में व्यापारिक विवाद, वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक चुनौतियाँ भी भारत के सामने बनी हुई हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था में सक्रिय कूटनीति किसी भी उभरती शक्ति के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया है, नए साझेदार बनाए हैं और भारत को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने का प्रयास किया है। लेकिन इन यात्राओं की वास्तविक सफलता का पैमाना यही होगा कि वे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और आम नागरिक के जीवन में कितनी सकारात्मक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं।

विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होना चाहिए। यदि विदेश यात्राएँ निवेश, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक शक्ति के रूप में भारत को लाभ पहुँचा रही हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका इसी संतुलित और परिणामोन्मुख कूटनीति पर निर्भर करेगी।

आलेख के बीच में

**सेशेल्स यात्राः हिन्द महासागर में सहयोग और सामरिक साझेदारी की नई दिशा**

भारत और सेशेल्स के बीच संबंध केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझा समुद्री हितों, सुरक्षा सहयोग और विकास की साझी आकांक्षाओं पर आधारित हैं। सेशेल्स की यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। हिन्द महासागर आज वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता केवल तटीय देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सेशेल्स, भौगोलिक दृष्टि से छोटा द्वीपीय राष्ट्र होने के बावजूद हिन्द महासागर की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत ने हमेशा सागर अर्थात सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन की नीति के माध्यम से हिन्द महासागर क्षेत्र में सहयोग, विश्वास और साझा विकास को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत ने सेशेल्स के साथ रक्षा, समुद्री निगरानी, तटरक्षक सहयोग, क्षमता निर्माण तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निरंतर साझेदारी विकसित की है। समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड?, तस्करी और अन्य समुद्री अपराधों से निपटने में भी दोनों देशों का सहयोग महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

सेशेल्स की यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत अपने पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल रणनीतिक नजरिये से नहीं देखता, बल्कि उन्हें विकास के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भी मान्यता देता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, अक्षय ऊर्जा और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में दोनों देश समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज जब हिन्द महासागर क्षेत्र में वैश्विक शक्तियों की सक्रियता बढ़ रही है, तब भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत होते संबंध क्षेत्रीय संतुलन और सामूहिक सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं। यह साझेदारी किसी प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सहयोग, विश्वास और साझा हितों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास है। छोटे द्वीपीय देशों की विकास संबंधी चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में भारत की भूमिका एक विश्वसनीय मित्र और विकास सहयोगी के रूप में उभर रही है। सेशेल्स यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगी। इससे हिन्द महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को नई गति मिलेगी तथा एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द महासागर के निर्माण की साझा दृष्टि को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऐसी साझेदारियाँ ही क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक प्रगति और दीर्घकालिक शांति की आधारशिला सिद्ध होंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।
~~~~~~~~~

# घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

**न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।**

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11. योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14. इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ट धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

# घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

# पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि,वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

# भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

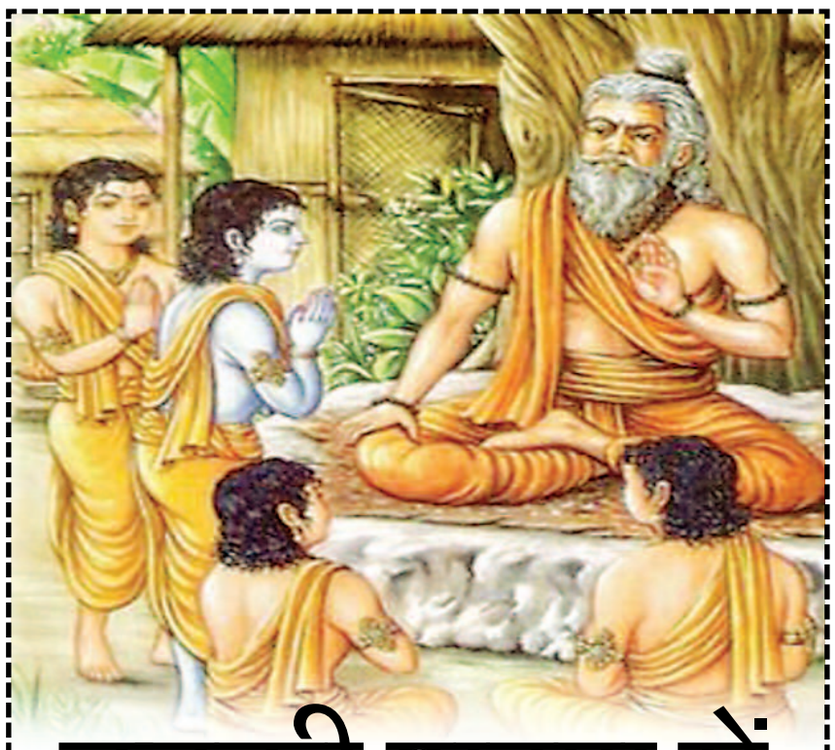

# इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है। इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली। मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं : सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयभयस्त्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते। हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

**श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।**
**हरण भव भय दारूणम**

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

**वंदे विष्णुं**

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

## ऑपरेटिंग सिस्टम हाइपरओएस 4 शीघ्र होगा पेश

**नई दिल्ली ।**

चाइनीकी कंपनी शाओमी ने अपने अपकमिंग ऑपरेटिंग सिस्टम, हाइपरओएस 4 के जल्द लॉन्च होने की पुष्टि कर दी है। हालांकि, शाओमी ने अभी तक उन डिवाइस की आधिकारिक सूची जारी नहीं की है जिन्हें यह अपडेट मिलेगा, लेकिन कई रिपोर्ट्स में शाओमी, रेडमी और पोको स्मार्टफोन व टैबलेट के नाम सामने आए हैं। एंड्रॉयड 17 पर आधारित यह नया ओएस बेहतर परफॉर्मेंस, नया इंटरफेस, एआई फीचर्स और मजबूत प्राइवेसी टूल्स के साथ आएगा, जिससे यूजर्स को एक बेहतरीन अनुभव मिलने की उम्मीद है। कंपनी के मुताबिक, हाइपरओएस 4 को सबसे पहले चीन में जुलाई से अगस्त 2026 के बीच पेश किया जाएगा, जिसके कुछ हफ्तों बाद इसके वैश्विक ऐलान की उम्मीद है। माना जा रहा है कि स्टेबल अपडेट से पहले शाओमी बीटा प्रोग्राम भी शुरू कर सकती है और शाओमी 17 सीरीज तथा रेडमी के90 सीरीज सबसे पहले बीटा अपडेट पाने वाले डिवाइस हो सकते हैं। यदि कंपनी अपने पुराने अपडेट शेड्यूल पर कायम रहती है, तो वैश्विक यूजर्स के लिए हाइपरओएस 4 की रोलआउट प्रक्रिया अक्टूबर 2026 के आसपास शुरू हो सकती है। मौजूदा सॉफ्टवेयर अपडेट पॉलिसी के आधार पर शाओमी 15 सीरीज, शाओमी 15 अल्ट्रा, शाओमी 14 सीरीज, रेडमी नोट 15 सीरीज, रेडमी नोट 14 प्रो सीरीज, पोको एफ7 सीरीज, पोको एक्स7 सीरीज और पोको एक्स6 प्रो जैसे कई डिवाइस को यह अपडेट मिलने की संभावना है। कुछ रेडमी टैबलेट और पोको डिवाइस को भी यह अपडेट मिलने की उम्मीद है। इस बार शाओमी का फोकस सिर्फ नए फीचर्स जोड़ने पर नहीं, बल्कि सिस्टम को ज्यादा हल्का और तेज बनाने पर भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी 'जीरो-लेगेसी' फ्रेमवर्क पर काम कर रही है, जिसका मकसद पुराने और गैर-जरूरी कोड को हटाकर सिस्टम की स्पीड और एफिशिएंसी बढ़ाना है। इसके अलावा, बेहतर प्राइवेसी कंट्रोल, एआई आधारित प्रोडक्टिविटी टूल्स, अलग-अलग डिवाइस के बीच बेहतर मल्टीटास्किंग और नया इंटरैक्टिव लॉक स्क्रीन अनुभव जैसे फीचर्स भी इसमें शामिल हो सकते हैं। कई कोर ऐप्स और सिस्टम फ्रेमवर्क को रस्ट और फ्लटर जैसी उन्नत तकनीकों की मदद से दोबारा तैयार किया जा रहा है, जिससे बेहतर मेमोरी मैनेजमेंट, स्मूद एनिमेशन और ज्यादा स्थिर अनुभव मिलने की उम्मीद है। हाइपरओएस 4 में शाओमी अपने लिक्विड ग्लास डिजाइन को और बेहतर बना सकती है, जिसमें नए एनिमेशन, ट्रांसपेरेंसी इफेक्ट्स और रिफाइंड यूजर इंटरफेस देखने को मिल सकते हैं।

## जेप्टो का महा-दांव स्टैनफोर्ड ड्रॉपआउट्स से क्विक-कॉमर्स किंग तक का सफर

**1- 8,010 करोड़ के नए शेयरों के साथ बाजार में दस्तक की तैयारी**

**बेंगलुरु ।**

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के दो युवा ड्रॉपआउट्स द्वारा स्थापित, क्विक-कॉमर्स दिग्गज जेप्टो, लगभग 8,010 करोड़ रुपये के नए शेयरों के साथ देश के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास हाल ही में जमा किए गए मसौदा दस्तावेजों में एक वेयरहाउस-सह-प्रयोगशाला की झलक मिलती है, जहां अत्याधुनिक तकनीक भारत के तेज-तर्रार डिलीवरी मॉडल के भविष्य को आकार दे रही है। बेंगलुरु के बाहर स्थित, पांच फुटबॉल मैदान के आकार का यह विशाल वेयरहाउस जेप्टो के संचालन का केंद्र है। यहां 23 वर्षीय सह-संस्थापक और अध्यक्ष (तकनीक और उत्पाद) कैवल्य वोहरा, बारकोड रीडर के साथ अरहर दाल के पैकेट स्कैन करते हुए दिखते हैं। उनके आसपास, रोबोट और इंसान सामंजस्य बिठाकर काम करते हैं - स्वचालित मशीनें आलू और प्याज की छंटाई करती हैं, जबकि आयातित उपकरण सेब के कुरकुरेपन और संतरों के चीनी अंश का परीक्षण करते हैं। 'पुट टु लाइट' स्टेशन पिकर्स को डिलीवरी ट्रकों तक आइटम ले जाने का निर्देश देते हैं, जो इस इकाई को एक लैब का रूप देते हैं जहां क्विक-कॉमर्स की गति निर्धारित होती है।

वोहरा ने आदित पलिचा के साथ मिलकर जेप्टो की स्थापना तब की थी जब वे दोनों किशोर थे। बचपन के दोस्तों ने 2021 में वैश्विक महामारी के दौरान कंपनी बनाने के लिए स्टैनफोर्ड का कंप्यूटर साइंस प्रोग्राम छोड़ दिया और भारत लौट आए। उन्होंने सुविधा आधारित अर्थव्यवस्था पर दांव लगाया, जहां घंटों के बजाय मिनटों में किराना डिलीवरी की गुंजाइश थी। यह कंपनी दो मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रही है- देश के सबसे अधिक पूंजी-प्रधान उपभोक्ता दांवों में से एक में अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए विस्तार करना, और यह साबित करना कि 10 मिनट की डिलीवरी अंततः मुनाफे में बदल सकती है। मसौदा आवेदन से पता चलता है कि पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही तक, जेप्टो हर दिन लगभग 23.3 लाख ऑर्डर पूरे कर रही थी, जिससे उस तिमाही में लगभग 8,134 करोड़ रुपये का शुद्ध प्राप्त योग्य मूल्य (एनआरवी) सृजित हुआ।

# आर्थिक आंकड़ों और मानसून पर रहेगी निवेशकों की नजर

**वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े भी बाजार के सेंटीमेंट पर सीधा असर डालेंगे**

**मुंबई ।**

पिछले सप्ताह की मामूली बढ़त के बाद, भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में कई घरेलू और वैश्विक कारकों से अपनी दिशा तय करेगा। निवेशकों की पैनी नजर जहां औद्योगिक उत्पादन, क्रय प्रबंधक सूचकांक

और वाहन बिक्री जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी, वहीं मानसून की प्रगति भी बाजार के रुख को प्रभावित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौता भी वैश्विक बाजारों के माध्यम से घरेलू धारणा पर असर डाल सकता है। आगामी सप्ताह कई अहम आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं।

औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े, मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) के आंकड़े निवेशकों को देश की आर्थिक सेहत का संकेत देंगे। इसके अलावा, वाहन कंपनियों द्वारा जारी किए जाने वाले मासिक बिक्री आंकड़े भी बाजार के सेंटीमेंट पर सीधा असर डालेंगे। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था होने के नाते, मानसून की प्रगति हमेशा से भारतीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण कारक रही है। हालांकि, इस बार मानसून 10 दिनों की देरी के बाद पश्चिमी भारत में आगे बढ़ा है, लेकिन पूर्वी भारत में इसकी धीमी गति चिंता का विषय बनी हुई है। यदि मानसून पूर्वी क्षेत्रों में कमजोर रहता है, तो यह निवेश धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय मोर्चे पर, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित अंतिम शांति समझौते की दिशा में प्रगति का सीधा असर वैश्विक कमोडिटी बाजारों और अंततः शेयर बाजार पर दिखेगा। पिछले सप्ताह की बात करें तो, उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद घरेलू बाजारों ने मामूली बढ़त दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत चढ़कर 77,100.47 अंक पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 0.18 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 24,056 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजारों में, निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.83 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.03 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

## भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

**मुंबई ।**

रत के लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्रे तिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

## ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटने के बाद बिचौलिए भारत को दे रहे सस्ते तेल का ऑफर

**रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी सिंगापुर और दुबई की छोटी ट्रेडिंग कंपनियों के**

**नई दिल्ली।**

अमेरिका से प्रतिबंधों में ढील के बाद कई बिचौलिए भारत को सस्तार तेल बेचने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटा दिया है, जिसके बाद तमाम बिचौलियों ने भारत को सस्ताा ईरानी तेल खरीदने का ऑफर दिया है। इस डील में भारत को सामान्यो क्रूड की कीमत के मुकाबले करीब 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल की बचत हो सकती है।

भारतीय रिफाइनरी सूत्रों का कहना है कि कई बिचौलिए ईरानी तेल छूट पर बेचने की पेशकश कर रहे हैं, क्योंकि तेहरान वाशिंगटन की अस्थायी प्रतिबंध छूट के बाद बिक्री तेज करना चाहता है।भारतीय रिफाइनरियों से संपर्क सीधे नेशनल ईरानी ऑयल कंपनी (एनआईओसी) और बिचौलियों के जरिए हुआ है, जिन्होंने कहा है कि उन्हें ईरानी राज्य उत्पादक से तेल मिला है। एक रिफाइनिंग सूत्र ने बताया कि एनआईओसी के अलावा कई व्यापारी हमसे ईरानी तेल बेचने के लिए संपर्क कर रहे हैं, लेकिन मेरी प्राथमिकता एनआईओसी को मौका देना है। सूत्रों का कहना है कि एनआईओसी भारतीय खरीदारों को बता रहा है कि ईरानी कच्चा तेल अन्यस क्षेत्रीय ग्रेड की तुलना में 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल सस्ता होगा। रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी ज्यादातर सिंगापुर और दुबई की छोटी और मध्यम ट्रेडिंग कंपनियों से हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते ईरानी पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पकनेजाद की नई दिल्ली यात्रा के दौरान भारत को कच्चा तेल और एलपीजी की संभावित आपूर्ति पर भी चर्चा हुई। हालांकि, भारतीय रिफाइनरियों के पास निकट भविष्य में ईरानी कच्चा तेल लेने की सीमित गुंजाइश है।

# टॉप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी

**कच्चे तेल सस्ता होने से और एफआईआईएस की खरीदारी ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा**

**मुंबई ।**

पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कारोबार के दिन कम होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार में कारात्मक माहौल बना रहा। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में ₹88,678.1 करोड़ का उल्लेखनीय इजाफा देखा गया। इस बढ़त की अगुवाई निजी क्षेत्र के दिग्गज आईसआइस ICICI बैंक ने की, जो सबसे बड़े विजेता के रूप में उभरा। सप्ताह के दौरान, बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 297.57 अंक (0.38 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 42.9 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़ा, जिससे निवेशकों में भरोसा कायम रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा चुनिंदा खरीदारी जैसे कारकों ने बाजार के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा। एशियाई बाजारों में भी माइक्रोन की कमाई और क्वालकॉम के पूर्वानुमान से एआई को लेकर आशावाद बढ़ने से तेजी देखी गई। लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक शीर्ष पर रहा, जिसका बाजार मूल्यांकन 29,588.75 करोड़ बढ़कर 9,95,610.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद, एचडीएफसी बैंक ने 24,718.3 करोड़ का इजाफा दर्ज किया, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर12,25,981.44 करोड़ पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 12,043.96 करोड़ बढ़कर 17,83,926.92 करोड़ हुआ, जबकि बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने भी क्रमशः 11,580.28 करोड़ और 9,322.93 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो को भी 1,423.88 करोड़ का लाभ हुआ। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए सप्ताह अच्छा नहीं रहा। भारती एयरटेल को 35,615.21 करोड़ का सबसे बड़ा नुकसान झेलना पड़ा, जिससे उसका मूल्यांकन गिरकर 11,27,348.09 करोड़ हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में 21,188.74 करोड़ की गिरावट आई, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (और हिंदुस्तान यूनिलीवर ( बाजार

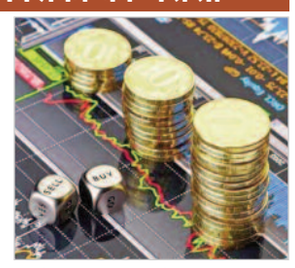

पूंजीकरण भी क्रमशः 11,143.71 करोड़ और 5,321.83 करोड़ रुपए कम हुआ। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

# दक्षिण-पूर्व एशिया में मंडराया खाद्य महंगाई का खतरा गोल्डमैन सैक्स

**बढ़ती ऊर्जा लागत, अल-नीनो का खतरा और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ाएंगे खाद्यान्नों के दाम**

**नई दिल्ली।**

अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी जारी की है। अपनी नई रिपोर्ट में बैंक ने कहा है कि आगामी समय में इस क्षेत्र में खाद्य महंगाई तेजी से बढ़ सकती है, जिसके पीछे मौसम संबंधी जोखिम, बढ़ती ऊर्जा लागत और उर्वरकों की कमी जैसे कई कारक जिम्मेदार होंगे। इससे रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम आसमान छू सकते हैं। गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 के त तक एक मजबूत अल-नीनो मौसम पैटर्न विकसित होने की प्रबल संभावना है। यह स्थिति बारिश के पैटर्न को गंभीर रूप से बिगाड़ सकती है, जिससे कहीं अत्यधिक वर्षा तो कहीं भीषण सूखे की स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम प्रतिकूल रहा, तो चावल, सब्जियों और अन्य प्रमुख खाद्यान्न फसलों का उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होगा, जिससे बाजार में आपूर्ति घटने और कीमतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल और उर्वरकों की बढ़ती कीमतें किसानों की उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि कर रही हैं। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है, जिसका सीधा असर

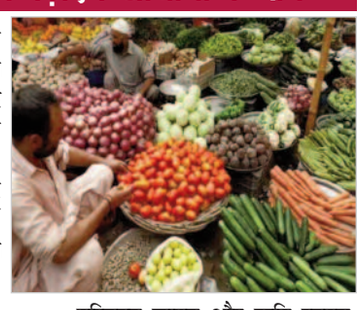

परिवहन लागत और कृषि इनपुट पर पड़ता है। यह बढ़ी हुई लागत अंततः महंगे खाद्य उत्पादों के रूप में उपभोक्ताओं तक पहुंचेगी।

## मंत्री ने ब्रिटेन में सीईटीए की तैयारियों की समीक्षा की

**लंदन ।**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (सीईटी) से परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि का आह्वान किया।

वे 15 जुलाई से लागू होने वाले इस समझौते की तैयारियों की समीक्षा के लिए ब्रिटेन दौरे पर हैं। गोयल ने भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल से चर्चा में कहा कि सीईटीए का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक विकास होना चाहिए। उन्होंने भारतीय और ब्रिटिश कंपनियों को उन्नत विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग से कारोबार विस्तार का सुझाव दिया।

मंत्री ने जोर दिया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सामान्य 4-6 फीसदी वृद्धि दर से कहीं अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने होंगे। गोयल ने बताया कि सीईटीए केवल शुल्क नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि 48 अरब पाउंड के द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर है। उन्होंने अगले महीने लागू होने वाले दोहरा योगदान समझौता भी जिक्र किया। इस अवसर पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों की रिपोर्टें भी जारी की गईं।

# ईवी बाज़ार में बदलाव टाटा मोटर्स 2031 तक 14 नए मॉडल लाकर बढ़ाएगा अपनी पकड़

**कंपनी का लक्ष्य 2030-31 तक ईवी पहुंच को 30 फीसदी से अधिक करना**

**नई दिल्ली।**

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार के अर्ली अडॉप्टर्स चरण से आगे बढ़ने के साथ ही, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के लिए कमर कस रहा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक चार बिल्कुल नए ईवी उत्पाद और 10 से अधिक उन्नत संस्करण वाले मॉडल पेश करने की घोषणा की है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स भारत में इलेक्ट्रिक वाहन खंड में अपनी बाजार हिस्सेदारी को मजबूत करने की महत्वाकांक्षी योजना के साथ आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में, कंपनी ने बताया कि भारतीय ईवी बाजार अब अर्ली अडॉप्टर्स से अर्ली मेजॉरिटी ग्राहकों की ओर बढ़ गया है। ये वे ग्राहक हैं जिन्हें किसी भी नई तकनीक को अपनाने से पहले सफल केस स्टडीज देखने की आवश्यकता होती है। इस बदलाव को भुनाने के लिए, टाटा मोटर्स का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030-31 तक अपने इलेक्ट्रिक वाहन खंड में 30 प्रतिशत से अधिक की बाजार पहुंच हासिल करना है। कंपनी ने कहा कि वह अर्ली और लेट मेजॉरिटी ग्राहकों के बीच ईवी को बढ़ावा देने के लिए अपने उत्पादों को लगातार बेहतर बनाएगी। वर्तमान में, अर्ली अडॉप्टर्स की हिस्सेदारी 13.5 प्रतिशत है, जबकि अर्ली मेजॉरिटी और लेट मेजॉरिटी दोनों की हिस्सेदारी 34-34 प्रतिशत है, जो बाजार के बड़े हिस्से को दर्शाते हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, टाटा मोटर्स 2030-31 तक कुल 10 ईवी गाड़ियों का मजबूत पोर्टफोलियो तैयार करेगा। इसमें चार नए उत्पाद शामिल होंगे, जिनमें सिएरा.ईवी, इसके अविन्या कॉन्सेप्ट पर आधारित एक उत्पाद, और दो अन्य मॉडल शामिल हैं।

## विदेशी बाजारों से घरेलू तेल-तिलहन में मामूली सुधार, किसानों को मिल रहा बेहतर दाम

**अंतर्राष्ट्रीय मजबूती के बावजूद घरेलू मांग कमजोर, लेकिन सोयाबीन-सरसों किसानों को मिला बेहतर मूल्य**

**नई दिल्ली ।**

बीते सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खाद्य तेलों की मजबूती का असर भारतीय तेल-तिलहन बाजारों पर भी देखा गया, जहाँ कीमतों में मामूली सुधार दर्ज हुआ। सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, सीपीओ, पामोलीन और बिनौला तेल के दाम बढ़ गए।

हालाँकि, घरेलू हाजिर कारोबार में कमजोर मांग के चलते यह तेजी सीमित रही। बाजार सूत्रों ने बताया कि ऊंचे दामों के कारण सरसों की मांग सुस्त है। वहीं सोयाबीन किसानों को पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से बेहतर दाम मिले हैं, जिससे वे ऊंची कीमतों पर ही उपज बेच रहे हैं, परिणामस्वरूप सोयाबीन तिलहन में मजबूती आई।

मूंगफली तेल के थोक दाम सस्ते होने से इसकी मांग बढ़ी। बिनौला की आपूर्ति बेहद कम होने से इसके तेल में भी सुधार आया, जिसकी कमी पामोलीन पूरी कर रहा है। हालांकि, आयातक अभी भी आयात लागत से नीचे भाव पर तेल बेचकर नुकसान उठा रहे हैं। इस बीच, कई वर्षों बाद सोयाबीन और सरसों के बेहतर दाम मिलने से किसानों का उत्साह बढ़ा है।

यह स्थिति भविष्य में तेल-तिलहन के उत्पादन में वृद्धि कर सकती है, जिससे देश में खाद्य तेलों के दाम स्थिर होंगे, विदेशी मुद्रा की बचत होगी, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार बढ़ेंगे और आयातित तेलों पर भारत की निर्भरता भी कम हो सकेगी। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 7,575-7,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,575 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,575-2,675 रुपये और 2,575-2,720 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुआ।

## गर्मी के मौसम में एसी की बिक्री गिरी, ठंडे पेय और आइसक्रीम की धूम

**बेमौसम बारिश और महंगाई ने एसी उद्योग को झटका दिया**

**नई दिल्ली ।**

चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में गर्मी से जुड़े उत्पादों की बिक्री ने एक दिलचस्प तस्वीर पेश की है। जहां उम्मीद के विपरीत एयर कंडीशनर (एसी) की मांग कमजोर रही, वहीं ठंडे पेय, आइसक्रीम और डेयरी उत्पादों ने शानदार वृद्धि दर्ज की। मौसम में अप्रत्याशित बदलाव और लगातार बढ़ती महंगाई के दबाव ने उपभोक्ताओं की खर्च करने की आदतों को प्रभावित किया, जिससे गर्मी से राहत देने वाले उत्पादों की बिक्री में विरोधाभासी रुझान देखने को मिला है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, जून में देश के कई हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश, आंधी और शाम के समय कम तापमान ने एसी की बिक्री पर नकारात्मक प्रभाव डाला। गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने बताया कि जून में, खासकर उत्तर भारत में, एसी की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव के अलावा, पिछले कुछ वर्षों में एसी की कीमतों में 18 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि ने भी उपभोक्ताओं को एयर कूलर और पंखों जैसे सस्ते विकल्पों की ओर धकेल दिया है। हालांकि, कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में एसी उद्योग के कारोबार के मूल्य में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और ऊंची कीमतें हैं। इसके उलट, पेय पदार्थ और डेयरी कंपनियों ने इस गर्मी में जोरदार मांग दर्ज की। कोका-कोला भारत के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी को पूरे गर्मी के मौसम में अच्छी मांग मिली, जिसमें छोटे पैक, क्विक कॉमर्स और चलते-फिरते उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति ने प्रमुख भूमिका निभाई। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने घोषणा की कि जून तिमाही में उनके ताजा डेयरी उत्पादों और आइसक्रीम कारोबार की बिक्री मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिकारी की वृद्धि हुई है। आइसक्रीम, दही और डेयरी पेय की मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी। हैवमोर आइसक्रीम के एक अे प्रबंध निदेशक देबब्रत मुखर्जी ने त्वरित उपभोग वाले उत्पादों जैसे कोन, स्टिक और सिंगल-सर्व कप की बढ़ती मांग पर जोर दिया, जिसे फटाफट सामान पहुंचाने वाले मंचों से बल मिला। वहीं, डीएस ग्रुप के अे धिकारी ने बताया कि रायता मसाला, छाछ मसाला और जलजीरा जैसे पारंपरिक भारतीय पेय पदार्थों की मांग में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

# ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर कर रही काम

**नई दिल्ली ।**

दिग्गज टेक कंपनी ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर काम कर रही है, जिसे स्प्रिंग 2027 में स्टैंडर्ड आईफोन 18 के साथ लॉन्च किया जा सकता है। ऐपल इस बार उन दो बड़ी कमियों को दूर कर सकता है, जिनकी शिकायत पहले आईफोन एयर यूजर्स ने सबसे ज्यादा की थी - कैमरा और बैटरी लाइफ। मौजूदा आईफोन एयर में सिर्फ एक रियर कैमरा मिलता है, जिससे कई यूजर्स को मल्टीपल कैमरा ऑप्शन की कमी महसूस हुई थी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल नए आईफोन एयर 2 में अल्ट्रावाइड कैमरा जोड़ सकता है, यानी फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है।

इससे यूजर्स प्रो मॉडल खरीदे बिना भी आसानी से लैंडस्केप, ग्रुप फोटो और वाइड एंगल शॉट्स ले सकेंगे। रिपोर्ट्स का दावा है कि ऐपल पहले ही डुअल कैमरा वाले कुछ प्रोटोटाइप की टेस्टिंग कर चुका है, हालांकि फोन का ओवरऑल डिजाइन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। ऐपल इस बार बैटरी पर भी खास ध्यान दे सकता है। अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन की वजह से बड़े बैटरी पैक के लिए जगह कम होती है, जिससे पहले मॉडल की बैटरी को लेकर कुछ सवाल उठे थे।

लीक्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 में या तो बड़ी बैटरी दी जा सकती है या फिर कंपनी बेहतर पावर एफिशिएंसी पर काम करेगी। इसके लिए फोन में नया ए20 चिपसेट मिलने की संभावना है, जिसे नए मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस पर बनाया जा सकता है, जिससे बैटरी बैकअप और पावर मैनेजमेंट पहले से बेहतर होने की उम्मीद है।

अगर आपको मौजूदा आईफोन एयर का पतला और हल्का डिजाइन पसंद आया है, तो अच्छी खबर है क्योंकि रिपोर्ट्स बताती हैं कि ऐपल डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा।

कंपनी मौजूदा डिजाइन को और बेहतर बनाने पर फोकस कर रही है और पहले मॉडल की कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी।

आईफोन एयर सीरीज उन लोगों के लिए बनाई गई है जो प्रो मॉडल जितनी कीमत खर्च किए बिना हल्का और प्रीमियम आईफोन चाहते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 इस बार ऐपल के पारंपरिक सितंबर लॉन्च इवेंट का हिस्सा नहीं होगा। कहा जा रहा है कि कंपनी आईफोन लॉन्च को दो चरणों में बांट सकती है।

फीफा विश्व कप के बीच आई बुरी खबर

## नीदरलैंड के फॉरवर्ड गाकपो के अजन्मे बेटे की गर्भ में मौत

**वाशिंगटन :** नीदरलैंड के फॉरवर्ड कोडी गाकपो की 'पार्टनर' (महिला मित्र) ने घोषणा की है कि गर्भावस्था के दौरान उनके अजन्मे बेटे की मृत्यु हो गई। गाकपो और मॉडल नोआ वैन डेर बिज का पहले से ही एक बेटा है और अक्टूबर में उनकी दूसरी संतान होनी थी। गाकपो अभी विश्व कप में टीम के साथ हैं, जहां नीदरलैंड नॉकआउट चरण में पहुंच चुका है। वैन डेर बिज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें दोनों कंबल और छोटी बुनी हुई टोपी के ऊपर हाथ पकड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह घोषणा भी की कि बच्चे की मौत हो गई है। वैन डेर बिज ने लिखा, 'आपके प्यार और समर्थन के लिए आभार। एलिजय राफेल गाकपो। हमेशा प्रिय। हमेशा हमारा बेटा।' अपनी पोस्ट में गाकपो ने लिखा, 'यह हमारे परिवार के लिए बेहद मुश्किल समय है। हम आपसे निजता और एकांत बनाए रखने का अनुरोध करते हैं।' गाकपो ने स्वीडन के खिलाफ नीदरलैंड की जीत में दो गोल किए और टीम को अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान दिलाने में मदद की। नीदरलैंड सोमवार को राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ेगा।

## महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड का सफर खत्म

### तीन दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 को कहा अलविदा

महिला टी20 विश्व कप 2026 में मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ व्हाइट फर्न्स न केवल टूर्नामेंट से बाहर हो गई, बल्कि टीम की तीन दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहू ने भी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मैच के बाद इंग्लैंड की खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर इस महान तिकड़ी को भावुक विदाई दी।

### मेली केर ने संभाली पारी, लेकिन टीम नहीं बचा सकीं

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 163 रन बनाए। कप्तान सोफी डिवाइन ने 14 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेलकर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद मेली केर ने 34 गेंदों में 42 रन बनाकर पारी को संभाला। उनकी पारी में छह चौके शामिल रहे। हालांकि बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं बना सके। इंग्लैंड की ओर से डैनी गिब्सन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किए।

**ग्रुप स्टेज में ही बाहर हुई डिफेंडिंग चैंपियन** – महिला टी20 विश्व कप 2026 की विजेता बनकर उतरी न्यूजीलैंड टीम इस बार उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। टूर्नामेंट का अंत न्यूजीलैंड के लिए बेहद निराशाजनक रहा।

**तीन दिग्गज खिलाड़ियों का शानदार करियर हुआ खत्म** – इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और तेज गेंदबाज लिया ताहुहू के टी20 इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच साबित हुआ। मुकाबले के बाद इंग्लैंड की टीम ने मैदान पर दोनों टीमों के बीच गार्ड ऑफ ऑनर बनाकर इन तीनों दिग्गजों को सम्मानजनक विदाई दी, जिसने सभी क्रिकेट प्रेमियों को भावुक कर दिया।

**इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने बनाई सेमीफाइनल में जगह** – इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। टीम के लिए यह हार इसलिए भी यादगार रही क्योंकि इसी मुकाबले के साथ तीन महान खिलाड़ियों के शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का भी अंत हो गया।

# बेल्जियम ने जीता एफआईएच प्रो लीग का खिताब

## लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए किया क्वालिफाई

**नई दिल्ली ।** बेल्जियम की पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2026 का खिताब जीतते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। नीदरलैंड्स को 2-1 से हराकर बेल्जियम ने एक मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस उपलब्धि के साथ बेल्जियम ओलंपिक में जगह पक्की करने वाली पहली पुरुष हॉकी टीम बन गई है।

**नीदरलैंड्स को हराकर जीता दूसरा प्रो लीग खिताब** – शनिवार को खेले गए मुकाबले में बेल्जियम ने नीदरलैंड्स को 2-1 से मात देकर एफआईएच प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ टीम ने अंक तालिका में ऐसी बढ़त बना ली कि एक मैच बाकी रहते ही उसे चैंपियन घोषित कर दिया गया। यह बेल्जियम का एफआईएच प्रो लीग इतिहास में दूसरा खिताब है। इससे पहले टीम ने 2021 में पहली बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी।

### लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का टिकट भी किया पक्का

एफआईएच प्रो लीग जीतने के साथ ही बेल्जियम ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का कोटा भी हासिल कर लिया। मेजबान अमेरिका पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, जबकि बेल्जियम उपलब्ध 12 कोटा में जगह बनाने वाली पहली पुरुष टीम बन गई। महिला वर्ग में प्रो लीग चैंपियन बनने के बाद पहला ओलंपिक कोटा नीदरलैंड्स की महिला टीम को मिला।

### विसेंट वनाश बने प्लेयर ऑफ द मैच

बेल्जियम के गोलकीपर विसेंट वनाश को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पूरे मुकाबले में कई अहम बचाव किए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैच के बाद वनाश ने कहा कि टीम ने शुरुआत से अंत तक शानदार संघर्ष किया और इस जीत की पूरी हकदार थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा पीढ़ी द्वारा इतिहास में दूसरी प्रो लीग ट्रॉफी जीतना गर्व की बात है। साथ ही उन्होंने विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्वालिफाई करने पर भी खुशी जताई।

● **हेंड्रिक्स और बून ने दिलाई यादगार जीत** – बेल्जियम की जीत में अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और टॉम बून ने अहम भूमिका निभाई। दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। नीदरलैंड्स की ओर से तीसरे क्वार्टर में टिजमेन रेयेंगा ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बनाया, लेकिन बेल्जियम ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त आखिर तक कायम रखी।

# अफ्रीका ने रचा इतिहास

## पहली बार नॉकआउट राउंड में 9 टीमें पहुंचीं

**न्यूर्याक ।** फीफा विश्व कप 2026 में अफ्रीकी फुटबॉल ने नया इतिहास रच दिया है। पहली बार अफ्रीका की रिकॉर्ड नौ टीमें टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण (राउंड ऑफ 32) में पहुंची हैं। कांगो की उज्बेकिस्तान पर शानदार जीत और ऑस्ट्रिया के खिलाफ अल्जीरिया के रोमांचक ड्रॉ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुहर लगा दी। मोरक्को, मिस्र, सेनेगल और घाना जैसी मजबूत टीमों के साथ केप वर्दे और कांगो जैसी टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन कर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

**अफ्रीका की रिकॉर्ड 9 टीमों ने किया नॉकआउट के लिए क्वालीफाई** – अटलांटा में खेले गए मुकाबलों के बाद अफ्रीका की नौ टीमों ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की कर ली। इससे पहले किसी भी विश्व कप में इतने अफ्रीकी देश नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच पाए थे।

### राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली अफ्रीकी टीमें :

मोरक्को
दक्षिण अफ्रीका
सेनेगल
आइवरी कोस्ट
घाना
केप वर्दे
मिस्र
अल्जीरिया
कांगो

विश्व कप 2026 के लिए अफ्रीका से कुल 10 देशों ने क्वालीफाई किया था, जिनमें से नौ ने अब नॉकआउट में भी अपनी जगह बना ली है।

● **कांगो की जीत ने रचा इतिहास** – कांगो ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया। मुकाबले में उज्बेकिस्तान ने 10वें मिनट में एल्डोर शोमुरोदोव के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद कांगो ने शानदार वापसी की। योएन विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम (90+1) में दो गोल दागे, जबकि फिस्टन मायेले ने 78वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विस्सा को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब कांगो का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जिसे टीम के लिए सबसे बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।

● **अफ्रीकी फुटबॉल की बढ़ती ताकत** – इस विश्व कप ने साबित कर दिया कि अफ्रीकी फुटबॉल अब केवल कुछ चुनिंदा टीमों तक सीमित नहीं है। केप वर्दे और कांगो जैसी उभरती टीमों का नॉकआउट में पहुंचना इस महाद्वीप की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा का बड़ा प्रमाण है। विश्व कप के इतिहास में पहले केवल छह अफ्रीकी देश ही कभी नॉकआउट चरण तक पहुंच पाए थे, लेकिन 2026 संस्करण ने इस रिकॉर्ड को पूरी तरह बदल दिया।

## आमिर जंगू ने लारा और गेल की बराबरी की, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में ऐतिहासिक दोहरा शतक लगाया

**एंटीगा :** वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में में रिकॉर्ड 233 की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। दस दोहरे शतक के साथ वह ब्रायन लारा और क्रिस गेल के बाद श्रीलंका के खिलाफ़ टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे कैरेबियाई बल्लेबाज बन गए। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना पहला दोहरा शतक लगाकर शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जंगू ने 342 गेंदों में अपना दोहरा बनाया। उन्होंने सोनल दिनुशा की गेंद पर एक रन लेकर अपनी यादगार पारी पूरी की। यह पारी अनुशासन, धैर्य और नियंत्रित आक्रामकता का बेहतरीन उदाहरण थी।

यह उपलब्धि जंगू के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर का एक और शानदार अध्याय है। अपने वनडे डेब्यू पर शतक लगाकर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वे वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे खास रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं और देश के दो महानतम बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। ब्रायन लारा श्रीलंका के खिलाफ 200 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी थे। उन्होंने 2001 में कोलंबो में 221 रन बनाए थे और फिर 2003 में सेंट लूसिया में 209 रनों की एक और शानदार पारी खेली थी। क्रिस गेल ने 2010 में गाले में 333 रनों की विशाल पारी खेलकर इस विरासत को और आगे बढ़ाया। यह पारी आज भी श्रीलंका के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर है। गेल पाकिस्तान के यूनिस खान के साथ उन दो बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने इस द्वीप देश के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाया है। जंगू की शानदार पारी वेस्टइंडीज की पहली पारी की मजबूत नींव बनी। उन्होंने कप्तान रोस्टन चेज के साथ मिलकर एक बड़ी साझेदारी की, जिसने श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और मेजबान टीम को सीरीज के पहले मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

## किदांबी श्रीकांत फाइनल में पहुंचे, देविका सिहाग और रौनक चौहान का शानदार सफर थमा

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर-एक किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराकर इस साल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

**तीनों गेम में दिखा जबरदस्त संघर्ष** – पहले गेम में श्रीकांत ने 17-11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन ओकिमोटो ने शानदार वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 21-15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

चेक ओपन 2026:

## दीक्षा डागर की दमदार वापसी, तीन भारतीय महिला गोल्फरों ने कट किया पार

**नई दिल्ली।** चेक गणराज्य में खेले जा रहे टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन 2026 में भारतीय महिला गोल्फरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूर्व चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेलकर खिताब की दौड़ में खुद को बनाए रखा। उनके अलावा प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी कट हासिल कर भारत की चुनौती को मजबूत किया। हालांकि अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी कट पार करने में सफल नहीं हो सकीं।

**दीक्षा डागर ने बनाए रखी खिताब जीतने की उम्मीद** – 2019 की चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे राउंड में संयमित खेल दिखाते हुए एक अंडर 69 का स्कोर बनाया। पहले दिन के शानदार 66 के बाद उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 36 होल के बाद कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गई। हाल ही में डच लेडीज ओपन में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहने वाली दीक्षा शानदार लय में नजर आ रही हैं। वह लीडर से सिर्फ चार शॉट पीछे हैं और अंतिम दौर में मजबूत चुनौती पेश कर सकती हैं।

**प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी किया प्रभावित** – भारत की युवा गोल्फर प्रणवी उर्स ने दूसरे दौर में बेहतरीन 67 का कार्ड खेलकर अपनी स्थिति मजबूत की और आसानी से कट हासिल किया। वहीं अनुभवी वाणी कपूर ने 70 का स्कोर बनाकर सप्ताहांत के मुकाबलों में जगह बनाई। तीन भारतीय खिलाड़ियों का अंतिम दो दौर में पहुंचना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

**भारतीय गोल्फ की नजरें अब अंतिम दौर पर** – तीन भारतीय खिलाड़ियों के कट पार करने से भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

### तीन भारतीय खिलाड़ियों का अभियान हुआ समाप्त

दूसरी ओर भारत की अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। तीनों खिलाड़ी कट लाइन पार करने में नाकाम रहीं और उनका अभियान दूसरे दौर के बाद ही समाप्त हो गया।

### स्वीडन और इंग्लैंड की खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान की जंग

टूर्नामेंट में फिलहाल स्वीडन की लिसा पीटरसन और इंग्लैंड की चार्लोट हीथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है। हालांकि दीक्षा डागर उनसे केवल चार शॉट पीछे हैं। ऐसे में अंतिम दौर में मजबूत प्रदर्शन उन्हें एक बार फिर खिताब की दौड़ में सबसे बड़े दावेदारों में शामिल कर सकता है।

# अर्जेंटीना की धमाकेदार जीत, मेसी का छठा गोल

### ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया भी नॉकआउट में पहुंचे

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-जे के दो मैच खेले गए, जिससे लीग स्टेज का अंत बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। भारत में 12 जून से शुरू हुए लीग स्टेज 28 जून को जाकर खत्म हुआ। डिफेंडिंग चैंपियंस अर्जेंटीना के सामने जॉर्डन की चुनौती थी, लेकिन उन्होंने 3-1 से जीत हासिल की। जबकि ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया के बीच खेला गया मैच टक्कर का रहा, जो 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस ग्रुप से अर्जेंटीना, अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया तीनों टीमों ने राउंड ऑफ 32के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जबकि जॉर्डन का सफर ड्रॉ के साथ ही समाप्त हुआ।

### कैसा रहा अर्जेंटीना बनाम जॉर्डन मैच का हाल?

डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मेसी की अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से मात दी। इस मैच में पूरे मैच में अर्जेंटीना का दबदबा देखने को मिला। मैच

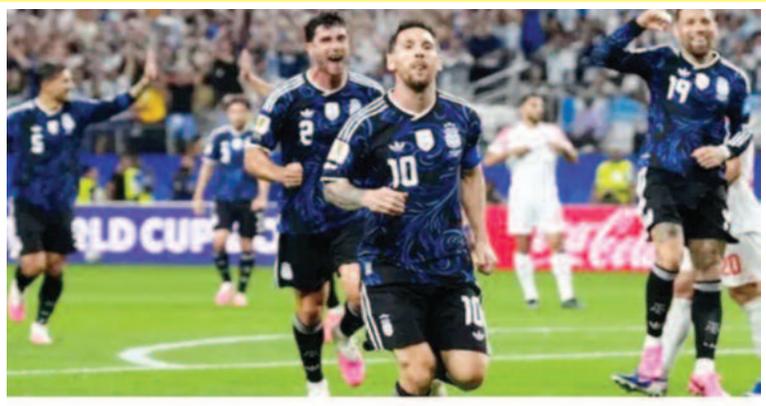

के 24वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने शानदार गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 31वें मिनट में जॉर्डन के डिफेंस ने अपने बॉक्स के अंदर फाउल किया, जिसके बाद अर्जेंटीना को पेनेल्टी शूट अवॉर्ड किया गया, जिसमें बिना कोई गलती किए लौटारो मार्टिनेज ने गोल दागा और अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

मैच में फिर जॉर्डन ने वापसी की कोशिश की। दूसरे हाफ में उन्होंने पलटवार किया। 55वें मिनट में मूसा अल तमारी ने गोल कर स्कोर को 2-1 पर पहुंचा दिया। मेसी ने 80वें मिनट पर अपना इस विश्व कप का छठा गोल दागा और इस तरह अर्जेंटीना ने 3-1 का स्कोर कर दिया। इसके बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी और अर्जेंटीना ने 3-1 से मैच जीतकर अगले राउंड में मजबूती से कदम बढ़ाए। वहीं, जॉर्डन की टीम का सफर समाप्त हुआ।

### ऑस्ट्रिया बनाम अल्जीरिया का मैच कैसा रहा?

कैंसस सिटी में खेला गया यह मैच बेहद ही रोमांच से भरपूर रहा। ये मुकाबला 3-3 की बराबरी पर छूटा, लेकिन दोनों ही टीमें राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने में कामयबा रही। मैच में मार्को अर्नातोविच ने 28वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को अल्जीरिया पर 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अल्जीरिया के राफिक बेलघाली ने 45वें मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 पर पहुंचाया। फिर ऑस्ट्रिया के मार्सेल सबित्जर ने 55वें मिनट में गोल किया और टीम को 2-1 से आगे कर दिया। फिर रियाद महरेज ने गोल कर 2-2 स्कोर कर दिया। रियाद ने इंजरी टाइम में 90+3वें मिनट में गोल किया अल्जीरिया को 3-2 से आगे कर दिया। ऐसा लगा कि ऑस्ट्रिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी, लेकिन सासा कालजिच ने 90+6वें मिनट में गोल दागकर स्कोर को 3-3 कर दिया। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ और दोनों टीमों ने नॉकआउट का टिकट कटाया।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष**
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

**वृष**
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

**मिथुन**
का की कू घ ङ छ के को हा

पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

**कर्क**
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

**सिंह**
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

**कन्या**
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

**तुला**
रा री रु रे रो ता ती तू ते

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

**वृश्चिक**
तो ना नी नू ने नो य यी यू

विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

**धनु**
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

**मकर**
भे जा जी खी खू खे खो गा गी

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

**कुंभ**
गू गे गो सा सी सू से सो दा

हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

**मीन**
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

## काकुरो पहेली - 3932

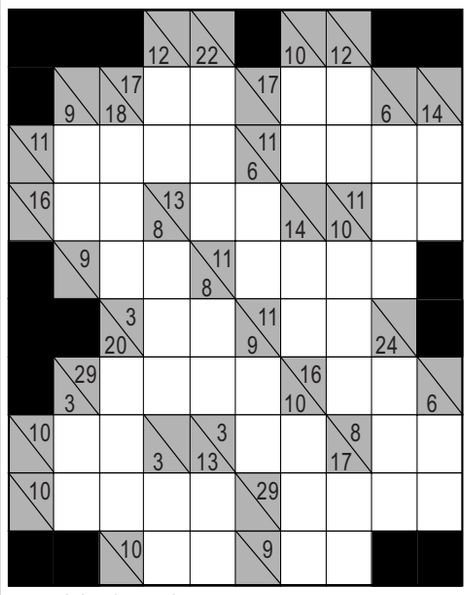

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

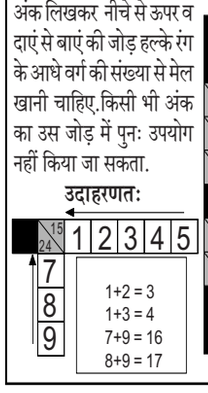


### काकुरो - 3931 का हल

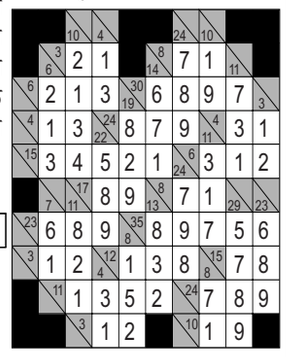

## हंसी के फव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा-'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया-'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है. '

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे ?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 3932

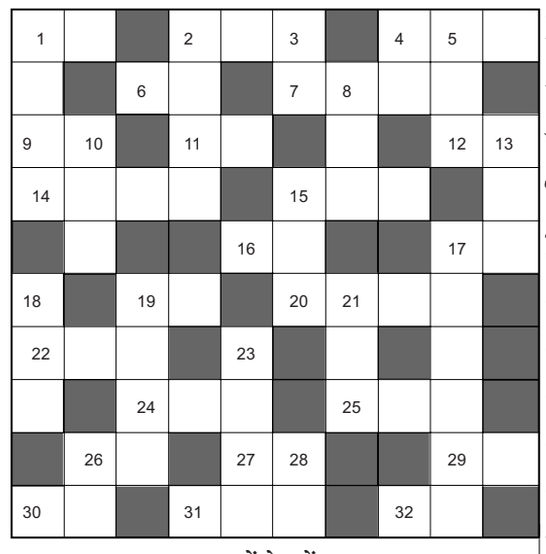

**बायें से दायें:-**

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सॉस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 3931**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| य | स | बॉ | स | | स | र | फ | रे | श |
| हू | | बी | | ह | त्या | | रा | जा | |
| दी | पा | | दे | व | | डो | र | | अं |
| | ल | म्हे | | स | है | ली | | रा | ज |
| खा | की | | औ | | रा | | अं | ज | लि |
| मो | | स | र | ग | म | | | पू | |
| श | रा | फ | त | | | प्रि | य | त | मा |
| | | र | | मि | ली | | श | | ई |
| रे | टी | | सू | ल | | यॉ | | खे | ल |
| | ना | म | | न | म | की | न | | व |

## सूडोकु - 3932

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 6 | 2 | | 4 | 1 | 7 | | |
| 1 | 4 | 8 | | | | 6 | | |
| 5 | 7 | 3 | 2 | | | | 4 | |
| | | | | 9 | 4 | 8 | | |
| 4 | | 7 | | | | 9 | | 6 |
| | | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | 3 | | | | 6 | 5 | 9 | 1 |
| | | 6 | | | | 3 | 8 | 7 |
| | | 9 | 1 | 8 | | 2 | 6 | 4 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -3931 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 4 | 9 | 1 | 8 | 3 | 2 | 6 | 7 |
| 1 | 2 | 6 | 4 | 9 | 7 | 3 | 5 | 8 |
| 3 | 8 | 7 | 5 | 2 | 6 | 1 | 4 | 9 |
| 8 | 7 | 1 | 3 | 4 | 2 | 6 | 9 | 5 |
| 9 | 5 | 3 | 6 | 1 | 8 | 7 | 2 | 4 |
| 2 | 6 | 4 | 7 | 5 | 9 | 8 | 1 | 3 |
| 4 | 3 | 5 | 2 | 7 | 1 | 9 | 8 | 6 |
| 6 | 9 | 2 | 8 | 3 | 4 | 5 | 7 | 1 |
| 7 | 1 | 8 | 9 | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 |

## शब्द पहेली - 3932

**बाएँ से दाएँ**

1. सेवक,दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला,जाम-2
11. टोंटी,नलका-2
12. आनंद,जूस-2
13. प्रतिज्ञा,शपथ-3
16. सिमरन,सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन,लेखनी-3
22. कमल,जलज-3
23. क्रोध,गुस्सा-2
24. पाश,फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव,प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

**ऊपर से नीचे**

1. उर्वरक-2
2. विशाल,श्रेष्ठ-3
3. धनवान,संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5. दैत्य,असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार,पार लगाना-3
10. शरण,आश्रय-3
14. चूर-चूर,ढहा-5
15. टोंटी,नलका-2
17. युद्ध,संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र,दोस्त,मीत-2
27. हूर,अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर,नैहर-3
34. युक्तिवाद,पैरवी-3
35. टब,परात,तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत,तह-2
41. कदर,सम्मान-2

### शब्द पहेली -3931 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | म | ला | का | र | | | कु | रा | न | |
| था | न | | र | | के | ला | श | | भ | ला |
| वा | | | खा | विं | द | | ल | | | य |
| च | म | क | ना | | | त | | क | स | क |
| क | | या | | क | ल | क | ल | | ली | |
| | आ | स | | ल | | रा | | शा | म | |
| | रा | | क | र | ता | र | | म | | ख |
| श | म | न | | व | | | म | त | ल | ब |
| ह | | | म | | दा | म | न | | | र |
| र | थ | | ग | र | म | | च | | दा | दा |
| | ल | की | र | | | स | ली | के | दा | र |

# शरीर के लिए कमाल है ऊंटनी का दूध

कहते हैं कि गाय-भैंस या बकरी का दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, लेकिन क्या कभी आपने ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना है अगर नहीं, तो आइए हम आपको ऊंटनी का दूध पीने के फायदे बताते हैं।

दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे। जी हां ऊंटनी का दूध न सिर्फ आपको सेहतमंद बनाता है, बल्कि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो दवा के रूप में काम करता है। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन इसका एक उदाहरण है- राजस्थान के टोंक गांव में रहने वाले हनुमान बलि। जिसने अपनी बीमारी में कई सालों दवा पर लांखों रुपए खर्च किए, लेकिन किसी दोस्त की सलाह पर उसने ऊंटनी का दूध पीना शुरू किया और उसकी बीमारी 1 महीने में ही आसानी से कटने लगी।

ऊंटनी के दूध में ऐसे शक्तिशाली गुण होते हैं, जो आपकी कई जटिल बीमारियों को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ऊंटनी के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, प्राकृतिक शुगर, फाइबर, लैक्टिक अम्ल, आयरन, मैग्निशियम, अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल और कई विटामिन्स पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ और सुंदर रखने में मदद करते हैं। आइए हम आपको यहां ऊंटनी का दूध पीने के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

### डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार

यदि आप कम से कम 1 या 2 महीने भी नियमित रूप से ऊंटनी का दूध पीते हैं, तो यह आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार है। ऊंटनी के दूध में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और आपको एर्नेजेटिक रखने में सहायक है। ऊंटनी के एक लीटर दूध में कम से कम 52 से 55 यूनिट इंसुलिन की मात्रा होती है, जो अन्य किसी पशु के दूध में नहीं पाई जाती। इसलिए कई वर्षों से इसका इस्तेमाल डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके बारे में कम ही लोग जानते हैं।

### एलर्जी में फायदेमंद

यदि आपको या आपके बच्चे को फूड एलर्जी या कोई अन्य तरह की एलर्जी है, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। ऊंटनी का दूध एंटी-बैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। इसमें एलर्जी के साथ विभिन्न रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन की उपस्थिति एलर्जी और उनके लक्षणों को कम करने में मददगार है।

### वजन घटाना है तो पीएं ऊंटनी का दूध

आजकल तमाम लोग वजन घटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। यह आपकी वेअ लॉस जर्नी का बेस्ट फ्रेंड बन सकता है, क्योंकि ऊंटनी का दूध प्रोटीन से भरपूर होने के साथ वसा में कम होता है, जिसका मतलब है कि यह आपको एक्सट्रा वेट को कम करने में और बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है।

### ऑटिज्म का रामबाण इलाज

ऊंटनी का दूध ऑटिज्म का रामबाण इलाज है। जी हां ऊंटनी का दूध पीने से ऑटिस्टिक लक्षणों पर रोक लगाने में मदद मिलती है। ऊंटनी के दूध में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुणों की वजह से ऑटिज्म को खत्म करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में भी इस बात का जिक्र है कि ऊंटनी का दूध मंद बुद्धि बच्चों के लिए अमृत के समान है और यह ऑटिज्म के लक्षणों में सुधार कर सकता है।

### मजबूत हड्डियों का सीक्रेट

ऊंटनी का दूध आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकता है और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को राहत दिला सकता है।

### त्वचा के लिए बेहतर

ऊंटनी का दूध आपके खून को साफ करने, लिवर को स्वस्थ रखने और पाचन को बढ़ावा देने के साथ आपकी त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। ऊंटनी के दूध में अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल होता है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाने के साथ त्वचा पर झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकता है।

# क्यों तेजी से लोग हो रहे कैंसर के शिकार? एक साल में तीन गुना बढ़े केस

दे शभर में सामान्य कैंसर समेत ओरल, सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल, 2019 द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एनसीडी क्लीनिक्स ने 2017 से लेकर 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। ये रिपोर्ट बताती है कि इस एक साल के अंतराल में कैंसर के मामले 324प्रतिशत यानी तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं।

रिपोर्ट की मानें तो पिछले साल एनसीडी क्लीनिक्स में 615 करोड़ लोगों ने कैंसर की जांच करवाई थी, जिसमें 116 लाख लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया था। यानी लोगों में सामान्य कैंसर के अलावा भी दूसरे प्रकार के कैंसर तेजी से फैल रहे हैं।

जबकि साल 2017 में कैंसर के कुल 39,635 मामले ही देखने को मिले थे। 2017 से लेकर 2018 के बीच एनसीडी क्लीनिक्स में आए कैंसर पीड़ितों की संख्या भी दोगुनी हुई है।

पहले वर्ष जहां कैंसर के कुल 315 करोड़ मामले देखने को मिले थे, वहीं अगले वर्ष वो बढ़कर 616 करोड़ हो चुके थे। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों के बदलती लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, खान-पान की आदतें, एल्कोहल और तंबाकू का सेवन इसकी बड़ी वजह रहा है।

कैंसर के सबसे ज्यादा मामले गुजरात से सामने आए हैं। साल 2017 में गुजरात में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी। वहीं, 2018 में ये संख्या बढ़कर 72,169 हो गई। यानी गुजरात में कॉमन कैंसर के नए मामले 68,230 बढ़े हैं। गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

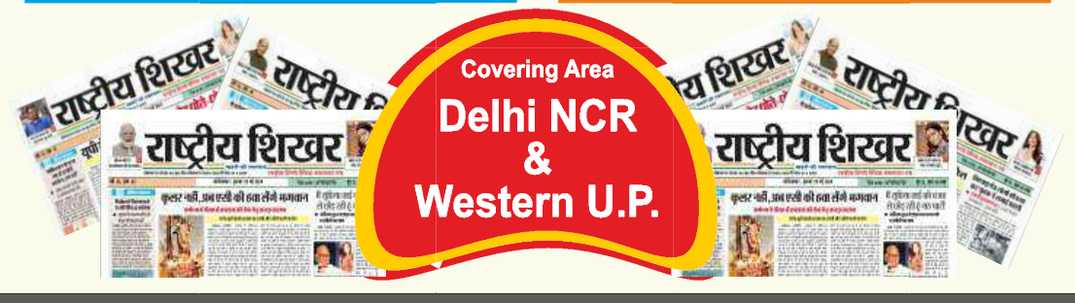


Special Page / Position Premium

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Front Page (Semi) | - | 50% | Island Position | - | 50% | Strip Advt. | - | 15% |
| Front Page (Solus) | - | 75% | Right Hand Page | - | 10% | Political Advt. | - | 50% |
| Back Page | - | 25% | Top of AD Column | - | 15% | Pull Outs | - | 50% |
| Page Three | - | 20% | Any Other Spl. Position | - | 10% | Discount as per deal | | |

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

# टाइपकास्टिंग से लगता है डर

एक्टर रणवीर शौरी अपनी वर्सटैलिटी के लिए जाने जाते हैं। वो अक्सर अपने किरदारों के साथ प्रयोग करते रहते हैं। एक्टर का मानना है कि उन्हें टाइपकास्ट होने से सबसे ज्यादा डर लगता है। इसीलिए वो अपने किरदारों के साथ अलग-अलग तरह का प्रयोग करते रहते हैं।

## मैंने एक जैसे रोल दोहराने की कोशिश नहीं की

पीटीआई के साथ हालिया बातचीत में रणवीर शौरी ने अपने किरदारों और टाइपकास्ट होने के डर को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि मैंने कभी भी एक जैसे रोल दोहराने की कोशिश नहीं की, क्योंकि मैं फिल्म इंडस्ट्री के बाहरी दायरे में पला-बढ़ा हूं। जब से मैं एक्टर बना हूं, टाइपकास्टिंग का डर मुझे परेशान करता रहा है और इसी बात ने मेरे कई फैसलों पर असर डाला है। इसलिए हर बार मैं कुछ नया और बिल्कुल अलग करने की कोशिश करता हूं। मेरी यही कोशिश रहती है।

## 'पिरामिड स्कीम' में नजर आए रणवीर

रणवीर शौरी हाल ही में प्राइम वीडियो की सीरीज 'पिरामिड स्कीम' में नजर आए हैं। सात एपिसोड की यह सीरीज भारत में 'मल्टी-लेवल मार्केटिंग' और पोंजी स्कीम के नाम पर होने वाले करोड़ों के घोटालों की कड़वी सच्चाई को उजागर करती है। सीरीज की कहानी सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हरिद्वार पर आधारित है। इसमें गोल्डी नाम के एक आकर्षक और मेहनती युवा की कहानी है जो बेहतर जिंदगी की तलाश में है, लेकिन किसी तरह पिरामिड मार्केटिंग की चकाचौंध भरी और अजीब तरह से भरोसेमंद लगने वाली दुनिया में फंस जाता है। इस सीरीज को श्रेयांश पांडे ने बनाया है और आशीष आर. शुक्ला और पांडे ने इसे डायरेक्ट किया है।

# वरुण धवन की मां का रोल ऑफर होने पर ऐसा था मौनी रॉय का रिएक्शन

डेविड धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में मौनी रॉय ने वरुण धवन की नकली मां का रोल किया है। इस रोल के चलते उन्हें काफी आलोचना और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। लेकिन इस सबके बावजूद मौनी रॉय इस विवाद से परेशान नहीं हैं। इन बातों को नजरअंदाज करते हुए उनका कहना है कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ डायरेक्टर की सोच के मुताबिक काम करने और उन्हें ठीक वैसा ही देने पर था, जैसा वे चाहते थे।

## मुझे परवाह नहीं लोग क्या कहते हैं

बातचीत के दौरान मौनी रॉय ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कहा कि मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि क्या शोर-शराबा हो रहा था। मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि लोग क्या कह रहे थे। यह बात बहुत बड़ी बन गई थी कि 'मेकर्स मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं!' लेकिन मुझे पता था कि मैंने फिल्म में क्या किया है। मुझे पता था कि मेरे डायरेक्टर बहुत खुश थे और फिल्म में जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, वे सभी भी खुश हैं।

## फिल्म का हिस्सा बनने पर जताई खुशी

फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए मौनी ने कहा कि शुरू में अपने रोल के बारे में सुनकर मुझे भी हैरानी हुई थी। सबसे पहले कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने मुझे फोन किया था। जब उन्होंने मुझे रोल के बारे में बताया, तो मेरा पहला रिएक्शन भी यही था। मैंने कहा, 'उनकी मां?' फिर मैंने जाकर डेविड सर और फरहाद सामजी (डायलॉग राइटर) से कहानी सुनी। मैं जोर-जोर से हंस पड़ी। जरा सोचिए वरुण मनीष को फोन करके कह रहे हैं, 'मां का फोन कॉल नहीं चाहिए, पूरी की पूरी मां चाहिए। निरूपा रॉय जैसी।' और फिर सीन कट होता है और मैं अंदर आती हूं, जहां कोई जिमी सर के किरदार से कह रहा है, 'क्या यह मां के रोल के लिए थोड़ी छोटी नहीं है?'

## मैं डेविड धवन की बड़ी फैन रही हूं

फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए मौनी ने डेविड धवन के लिए अपनी गहरी पसंद जाहिर की और बताया कि उन्होंने यह प्रोजेक्ट क्यों नहीं छोड़ा। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी फिल्में मेरी दोस्त जैसी हैं। उन्हें देखना मुझे सुकून देता है। उन्होंने कहा था कि यह उनकी आखिरी फिल्म होगी। साथ ही यह एक कॉमेडी फिल्म थी और मैं पहली बार कॉमेडी कर रही थी। इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही थी। उन्होंने मुझे सभी प्रमोशन से दूर रखा। यह एक अच्छा फैसला था क्योंकि इससे लोगों में उत्सुकता जगी कि फिल्म में यह क्या कर रही है।

# पर्सनल ट्रेनर 2 में नया अवतार दिखाएंगी टीना दत्ता

ओटीटी की दुनिया में नई वेब सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर 2' को लेकर खूब चर्चा हो रही है। इसमें टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री टीना दत्ता फिटनेस ट्रेनर नेहा मल्होत्रा नाम का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि वह भूमिका से तुरंत जुड़ गईं, क्योंकि असल जिंदगी में फिटनेस उनके जीवन का अहम हिस्सा है। वह योग, जिम और पिलेट्स रोजाना करती हैं, जिससे उन्हें इस किरदार को समझने में आसानी हुई। अभिनेत्री टीना दत्ता ने कहा, ''मेरा किरदार नेहा मल्होत्रा फिटनेस की शौकीन है। उसके कई शेड्स हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, इस किरदार की असली सच्चाई और उसके अलग-अलग पहलू धीरे-धीरे सामने आते जाएंगे। यही इस भूमिका को दिलचस्प बनाता है।'' टीना दत्ता ने कहा, ''इस सीरीज में दर्शक मुझे एक ऐसे अवतार में देखेंगे, जो पहले मैंने कभी नहीं निभाया था। जैसे ही मुझे इस शो के पहले सीजन की कहानी समझ आई थी, तभी मैंने दूसरे सीजन के लिए तुरंत हामी भर दी थी। यह प्रोजेक्ट मेरे करियर में एक नया और अलग अनुभव जोड़ने वाला है।''

इस सीरीज में टीना के साथ आकांक्षा पुरी, पूनम पांडे और राहुल सुधीर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीना दत्ता ने सीरी में काम करने के अनुभव को लेकर कहा, ''शूटिंग के दौरान मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा, खासकर आकांक्षा पुरी के साथ काम करना मेरे लिए बेहद सुखद रहा। हम दोनों ही फिटनेस को लेकर काफी गंभीर हैं, इसलिए सेट पर अक्सर हम एक-दूसरे से वर्कआउट और हेल्थ टिप्स शेयर करते रहते थे। इससे शूटिंग का माहौल और भी सकारात्मक और ऊर्जा से भरा रहता था।''बता दें कि 'पर्सनल ट्रेनर 2' मुंबई के हाई-प्रोफाइल जिम्स की दुनिया पर आधारित है, जहां फिटनेस के अलावा, पावर गेम्स और छुपी हुई राजनीति भी चलती है।

# 'द बैड्स ऑफ...2' पर काम शुरू, नई टोन में तैयार हो रही स्क्रिप्ट

आर्यन खान के निर्देशन और क्रिएटिव डेब्यू प्रोजेक्ट 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के दूसरे सीजन पर शुरुआती स्तर पर काम शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स फिलहाल स्क्रिप्ट और कहानी के डेवलपमेंट फेज पर फोकस कर रहे हैं। यदि प्री-प्रोडक्शन तय समय पर आगे बढ़ता है तो सीरीज की शूटिंग 2027 की पहली तिमाही में शुरू हो सकती है। आर्यन के लिए यह प्रोजेक्ट इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने अभिनय के बजाय निर्देशन और लेखन को अपने करियर का रास्ता चुना है। सूत्रों के अनुसार, टीम दूसरे सीजन को पहले पार्ट का विस्तार भर नहीं बनाना चाहती। स्टोरीलाइन, टोन और कहानी के अलग स्ट्रक्चर पर भी काम हो रहा है ताकि शो अपनी नई पहचान बना सके। पहले सीजन की क्रिएटिव टीम से जुड़े बिलाल सिद्दीकी भी राइटिंग प्रोसेस में शामिल हैं। सीरीज के प्रोडक्शन से जुड़े कुछ बड़े फैसले शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' के अगले शेड्यूल्स के बाद लिए जा सकते हैं। फिलहाल कहानी, कास्ट और रिलीज टाइमलाइन को लेकर मेकर्स ने गोपनीयता बनाए रखी है। आर्यन भी जल्दबाजी में नहीं हैं। वह मजबूत राइटिंग के साथ ही आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं।

# बचपन में जिन सितारों को देखती थी, आज उनके साथ काम कर रही हूं

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में अभिनेत्री मोना सिंह ने मेहनत और समर्पण के दम पर खास मुकाम बनाया है। इस कड़ी में मोना सिंह ने अपने सफल करियर का राज खोला है। उन्होंने बताया कि सफलता का सबसे बड़ा राज अपने काम से प्यार करना और कभी हार न मानना है। मोना सिंह ने अपने करियर के सफर को याद किया और बताया, ''मैंने हमेशा एक बात पर भरोसा किया है कि अगर इंसान की नीयत सही हो और वह अपने काम को पूरी ईमानदारी से करे, अपने हुनर को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश करे, तो उसे काम जरूर मिलता है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ प्रतिभा ही काफी नहीं होती, बल्कि अनुशासन और मेहनत भी उतना ही जरूरी होता है। यही बातें मुझे लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही हैं।''

मोना ने कहा, ''मैं बचपन में जिन कलाकारों और फिल्मों को बड़े ध्यान से देखा करती थी, आज उन्हीं लोगों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। यह मेरे लिए बेहद गर्व और खुशी की बात है। जब मैं उन कलाकारों से मिलती हूं, उनके साथ शूटिंग करती हूं और उनकी आवाज में अपना नाम सुनती हूं, तो ऐसा महसूस होता है कि जैसे मेरी मेहनत सफल हो गई है। मैंने अपने करियर में जो भी हासिल किया है, वह लगातार मेहनत और धैर्य का नतीजा है।'' इन दिनों मोना सिंह कई बड़े और चर्चित प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। हाल के समय में वह 'हैप्पी पटेल', 'बॉर्डर 2', 'कोहरा सीजन 2', 'सूबेदार' और 'मां का सम' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आई थीं। अब जल्द ही वह राजकुमार हिरानी की डेब्यू सीरीज 'प्रीतम एंड पेट्रो' में भी दिखेंगी। इस सीरीज का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है। वहीं, अरशद वारसी, वीर हिरानी, विक्रांत मैसी, बोमन ईरानी और मोना सिंह अहम भूमिकाओं में हैं। कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर सीरीज 3 जुलाई को रिलीज होगी।

# अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर इन एक्टर्स ने फिल्मी दुनिया में रखा कदम

बॉलीवुड के कई ऐसे सितारे हैं, जो फिल्मों से पहले अच्छी-खासी नौकरी करते थे, लेकिन उनका मुकाम वो नहीं था। इसीलिए उन्होंने नौकरी छोड़कर फिल्मों की ओर रुख किया। जानिए कुछ ऐसे ही सितारों के बारे में, जो पहले कुछ और थे, और अब जानी-मानी हस्ती। फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाना आसान नहीं होता। लेकिन कुछ ऐसे स्टार्स भी हैं, जिन्होंने अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर अपने सपनों के पीछे दौड़ लगाई और आखिरकार बड़ी सफलता हासिल की। जानिए कौन थे वो एक्टर्स, जिन्होंने नौकरी छोड़कर फिल्मी दुनिया में कदम रखा।

## आयुष्मान खुराना

फिल्मों में आने से पहले आयुष्मान खुराना रेडियो जॉकी और टीवी प्रेजेंटर थे। उन्होंने एक सुरक्षित मीडिया करियर छोड़कर बॉलीवुड में कदम रखा और सफल हुए।

## सोनू सूद

एक्टर बनने से पहले सोनू सूद ने इलेक्ट्रॉनिक्स में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और इंजीनियर के तौर पर काम भी किया। लेकिन उन्होंने यह सुरक्षित करियर छोड़कर मुंबई का रुख किया और एक्टिंग में अपना नाम बनाया।

## आर. माधवन

स्टार बनने से पहले आर. माधवन पब्लिक स्पीकिंग और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट ट्रेनर थे। बाद में उन्होंने अपना करियर बदला और टीवी व फिल्मों में एंट्री की।

## परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा का करियर कॉर्पोरेट दुनिया में था। वह यशराज फिल्म्स के मार्केटिंग डिपार्टमेंट में काम करती थीं, लेकिन बाद में उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया।

## विक्रांत मैसी

विक्रांत मैसी ने कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। उनके पास दूसरे प्रोफेशनल करियर के मौके भी थे, लेकिन उन्होंने पूरी तरह एक्टिंग पर फोकस किया और आज उन्हें काफी सराहना मिलती है।

## हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे ने 200 रुपये लेकर मुंबई आए थे। फिल्मों से पहले वो हॉटल में वेटर के तौर पर काम करते थे, जिसके बदले में उन्हें 10 रुपये मिलते थे। इसके अलावा उन्होंने एसटीडी बूथ पर भी काम किया है। काफी समय बाद उन्हें मौका मिला और फिर एक फिल्म आई - 'सनम तेरी कसम', जिसके बाद उनकी जिंदगी बदल गई।

## रणविजय सिंह

रणविजय सिंह पहले आर्मी में जाने की तैयारी कर रहे थे और उनके पास कई दूसरे करियर ऑप्शन भी थे। लेकिन MTV रोडीज ने उनकी जिंदगी बदल दी और वह टीवी पर्सनैलिटी बन गए।

## तापसी पन्नू

तापसी पन्नू ने कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की है और वह सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल के तौर पर काम कर चुकी हैं। बाद में उन्होंने मॉडलिंग और फिर फिल्मों की दुनिया में कदम रखा।

## संक्षिप्त समाचार

### तीन माह के बेटे संग वैश्विक मंच पर स्वीडन की मंत्री ने कहा- मां बनने से कॅरिअर नहीं रुकता

**लक्जमबर्ग, एजेंसी।** अपने तीन महीने के बेटे एडम को गोद में लेकर यूरोपीय संघ के जलवायु मंत्रियों की बैठक में पहुंचीं स्वीडन की मंत्री रोमिना पोरमोख्तारी की यह तस्वीर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो में रोमिना बेटे को लेकर बैठक में भाग लेती और अपनी बात रखते दिख रही हैं। यूरोपीय यूनियन की बैठक में पहली बार ऐसा देखने को मिला, जब इतना नन्हा मेहमान इसका हिस्सा बना। रोमिना पोरमोख्तारी ने कहा- मैंने जानबूझकर ऐसा किया, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि मां बनने का मतलब यह नहीं कि किसी महिला का कॅरिअर रुक जाए। महिलाओं को कॅरिअर और परिवार में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। 30 साल की पोरमोख्तारी वर्ष 2022 में पद संभालने के समय स्वीडन की सबसे कम उम्र की मंत्री थीं। वह मातृत्व अवकाश से लौटी हैं, जबकि उनके पति सितंबर में होने वाले चुनाव तक छुट्टी पर हैं। एडम की देखभाल के लिए वह उनके साथ लक्जमबर्ग गए थे। इस दौरान रोमिना पोरमोख्तारी ने कहा कि कई बार नेताओं और खासकर महिला नेताओं के सामने यह धारणा बना दी जाती है कि उन्हें अपने परिवार और काम में से किसी एक को चुनना होगा। वह इस सोच से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि यदि परिस्थितियां अनुकूल हों, तो दोनों जिम्मेदारियों को साथ लेकर चलना संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे का बैठक में मौजूद होना कोई असामान्य बात नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, कार्यस्थलों और सरकारी संस्थानों को इतना लचीला होना चाहिए कि माता-पिता अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ भी अपने सार्वजनिक दायित्व निभा सकें।

### जंग के बीच रूस-यूक्रेन ने की कैदियों की अदला-बदली, 76वीं बार युद्धबंदियों की रिहाई

**मॉस्को, एजेंसी।** रूस और यूक्रेन ने शुक्रवार को एक बार फिर युद्धबंदियों की अदला-बदली की। दोनों देशों के अधिकारियों के अनुसार, इस बार दोनों तरफ से 160-160 कैदियों को छोड़ा गया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के कब्जे वाले इलाके से 160 रूसी सैनिकों को वापस लाया गया, जबकि इसके बदले 160 यूक्रेनी युद्धबंदियों को छोड़ा गया। मंत्रालय के मुताबिक, वापस आए रूसी सैनिकों को पहले बेलारूस में चिकित्सा और मानसिक सहायता दी जा रही है। इसके बाद उन्हें आगे इलाज और देखभाल के लिए रूस भेजा जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इस अदला-बदली में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मानवीय मदद और मध्यस्थता की भूमिका निभाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रिहा किए गए यूक्रेनी सैनिक 2022 से कैद में थे। जेलेंस्की ने कहा कि इनमें यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जवान, स्टेट स्पेशल ट्रांसपोर्ट सर्विस, नेशनल गार्ड और स्टेट बॉर्डर गार्ड सर्विस के सदस्य शामिल हैं। शुक्रवार की यह अदला-बदली 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद रूस और यूक्रेन के बीच 76वीं कैदी अदला-बदली थी।

### जिनेवा में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन : पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप

**जिनेवा, एजेंसी।** पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने शुक्रवार को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर स्थित 'ब्रोकन चेयर' स्मारक पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 62वें सत्र के दौरान आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पीओजेके में लोगों पर दमन कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से 7 जून को रावलाकोट में हुई गोलीबारी का जिक्र किया, जिसमें कई लोगों की मौत और कई अन्य घायल हुए थे। यूकेपीएनपी के नेताओं जमील मकसूद और अमजद यूसुफ ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर दबाव बनाया जाए ताकि वह अपनी सुरक्षा बलों को क्षेत्र से हटाए और रावलाकोट में जारी घेराबंदी खत्म करे। प्रदर्शन के आयोजकों ने नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग और शांतिपूर्ण विरोध को दबाने के आरोपों की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग भी की। यूकेपीएनपी की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जमील मकसूद ने कहा कि पार्टी पीओजेके के लोगों पर कथित दमन और आतंक के खिलाफ आवाज उठा रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र को पाकिस्तान से सुरक्षा बल हटाने और रावलाकोट की घेराबंदी समाप्त करने के लिए कहना चाहिए। यूकेपीएनपी के सदस्य अमजद यूसुफ ने दावा किया कि रावलाकोट में करीब दो लाख लोग अपने बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं।

# अमेरिका ने ईरान पर हमले का वीडियो किया जारी इस्राइल-लेबनान ने शांति समझौते पर किए हस्ताक्षर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** कतर के रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र में हुए भीषण विस्फोट में जान गंवाने वाले आठ और भारतीय नागरिकों के शव भारत भेज दिए गए हैं। इसके साथ ही अब तक कुल 12 भारतीयों के पार्थिव शरीर स्वदेश लाए जा चुके हैं। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। रास लाफान स्थित बरजान गैस आपूर्ति केंद्र में हुए विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 12 भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक शामिल थे। हादसे में 66 लोग घायल हुए हैं। भारतीय दूतावास ने घायलों से मुलाकात की और कहा कि सभी को उचित चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। दूतावास ने शवों की स्वदेश वापसी में मदद के लिए कतर सरकार और अन्य एजेंसियों का आभार जताया।

**ईरान ने युद्धविराम तोड़ा तो नतीजे भुगतने होंगे- ट्रंप :** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की ओर से कथित तौर पर युद्धविराम उल्लंघन के सवाल पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि इसके क्या नतीजे होंगे, यह जल्द ही पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं आया कि ईरान ने एक दिन पहले गोलीबारी की। ट्रंप के मुताबिक, चार हमले किए गए थे, जिनमें से तीन को अमेरिकी बलों ने मार गिराया। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक महंगे वाणिज्यिक जहाज को नुकसान पहुंचा है। ट्रंप ने कहा कि ऐसी गतिविधियां नहीं होनी चाहिए। उनका यह बयान अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है।

**सुलेमानी की हत्या को लेकर क्या बोले ट्रंप :** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान के पूर्व सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि सुलेमानी की हत्या पिछले 100 वर्षों की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक थी। उन्होंने दावा किया कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई लोग भी सुलेमानी से डरते थे और उसकी मौत से खुश थे। ट्रंप ने कहा कि सुलेमानी का प्रभाव इतना बड़ा था कि उसकी मौत ने पूरे क्षेत्र की राजनीति को प्रभावित किया। हालांकि, ट्रंप के इस दावे पर ईरान की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

**ट्रंप बोले- ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा :** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि पिछले सप्ताह अमेरिका ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बना सकेगा। फेथ एंड फ्रीडम कोएलिशन की 2026 पॉलिसी कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अब तक कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति ऐसा नहीं कर पाया था। उन्होंने कहा, 'हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे।' ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अब कोई भी ईरान का नेतृत्व नहीं करना चाहता। ट्रंप के बयान को अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अहम माना जा रहा है।

**अमेरिका ने ईरान पर हमले का वीडियो किया जारी :** अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के ठिकानों पर किए गए सैन्य हमलों का वीडियो जारी किया है। अमेरिका ने दावा किया है कि यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले के जवाब में की गई। वीडियो में अमेरिकी लड़ाकू विमानों द्वारा ईरान के कथित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए दिखाया गया है। सेंटकॉम के अनुसार, सिंगापुर के झंडे वाले मालवाहक जहाज एम/वी एवर लवली पर ड्रोन से हमला किया गया था। अमेरिकी सेना का आरोप है कि यह हमला ईरान की ओर से किया गया। जहाज उस समय ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहा था।

**अमेरिकी सेना ने ईरान के मिसाइल ठिकानों पर किए हवाई हमले :** अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने कहा कि उसके ईरान के मिसाइल और ड्रोन भंडारण ठिकानों व तटीय रडार साइट्स पर हमले किए हैं। यह कार्रवाई तब की गई, जब ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया।

**समझौते से देश की संप्रभुता बहाल होगी: लेबनानी प्रधानमंत्री :** लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने कहा कि इस ढांचा समझौते का उद्देश्य इस्राइल की सभी लेबनानी क्षेत्रों से वापसी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इससे देश की संप्रभुता बहाल होगी और लोग अपने घरों में सुरक्षित लौट सकेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि इस समझौते के दौरान लेबनान से यह अपेक्षा है कि वह अपने सभी क्षेत्रों पर राज्य की सेना के जरिये पूरा नियंत्रण स्थापित करे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के मंत्रिमंडल के बयान और संसद का विश्वास इस बात की पुष्टि करता है कि देश में युद्ध और शांति का निर्णय केवल सरकार के पास होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका, अरब देशों और अन्य मित्र देशों के प्रयासों से यह समझौता संभव हुआ है।

# त्रासदी के बीच गूंजी किलकारी, मलबे में बच्चे का जन्म; अब तक 920 की मौत, 3000 घायल, 50+ हजार लापता

**कारकस, एजेंसी।** दो शक्तिशाली भूकंपों से इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी का सामना कर रहे वेनेजुएला में मृतकों की संख्या बढ़कर 920 हो चुकी है। करीब 3,360 लोग घायल हैं, जबकि 50 हजार से अधिक लोग लापता हैं। मलबे में अभी भी सैकड़ों लोगों के दबे होने की आशंका है। हर तरफ मौत व तबाही के मंजर के बीच कारकस में मलबे में दबी गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। राहत व बचाव कार्य में जुटे कर्मी जब उसके पास पहुंचे तो पता चला कि वह बच्चे को जन्म देने वाली है। तब मेडिकल टीम की मदद से महिला की मलबे के नीचे ही डिलीवरी कराई गई। उसने एक बच्चे को जन्म दिया। हर तरफ कंक्रीट और खौफनाक मंजर के बावजूद मां और बच्चा दोनों सुरक्षित बच गए। अभी दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना के वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। लोग मां की हिम्मत और बचाव दल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। भारत ने छह टन राहत सामग्री व मेडिकल टीम भेजी वेनेजुएला में तबाही के बीच भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया है। ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत शुक्रवार को वायुसेना के दो विमानों से सेना ने 41 सदस्यीय मेडिकल दल को घायलों के इलाज के लिए वेनेजुएला रवाना किया गया। विदेश मंत्रालय ने इस टीम के साथ लगभग छह टन चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत से जुड़ी सामग्री इस दल के साथ भेजी है। इसके अलावा भारत की आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत एक विमान में अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी भेजा गया है।

यह टीम गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से भेजी गई। भीष्म क्यूब की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह कम समय में स्थापित होकर लगभग 200 मरीजों तक को उपचार और जीवनरक्षक सुविधाएं प्रदान कर सकता है। इस प्रणाली ने भारत की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता को नई मजबूती दी है। इसे दुनिया के विभिन्न संकटग्रस्त क्षेत्रों में त्वरित सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

# अमेरिका ने भारतीय कंपनी और सीईओ समेत आठ पर लगाया बैन

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अफ्रीकी देश सूडान में जारी गृहयुद्ध के बीच एक भारतीय कंपनी और उसके का नाम सामने आया है। अमेरिका ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक और उसकी कंपनी समेत आठ व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिका का आरोप है कि इन लोगों और कंपनियों ने सूडान में चल रहे संघर्ष के दौरान ऐसे नेटवर्क का हिस्सा बनकर काम किया, जिसने युद्ध को लंबा खींचने में मदद की।

अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय के अनुसार, रायपुर के आलोक चौधरी और उनकी कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि कंपनी ने सूडान की एक फर्म को विस्फोटक और उससे जुड़ी सामग्री की आपूर्ति की थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि इस सामग्री का इस्तेमाल बाद में सूडानी सेना के सैन्य ढांचे से जुड़ी गतिविधियों में हुआ। अमेरिकी वित्त विभाग के मुताबिक, एसबीएल एनर्जी लिमिटेड, जिसे एमिन एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड के नाम से भी जाना जाता है, ने सूडान की टारगेट मल्टीएक्टिविटीज कंपनी को 200 से अधिक खेपों में विस्फोटक और संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई। अमेरिका का कहना है कि यह कंपनी सूडानी सेना के हथियार भंडार को बनाए रखने से जुड़ी थी। इसी मामले में टीएमएसी और उसके महाप्रबंधक तारिक हुसैन मोहम्मद मदानी को भी प्रतिबंधित किया गया है। सूडान में अप्रैल 2023 से सूडानी सशस्त्र बल और रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच संघर्ष जारी है। इस लड़ाई ने देश में गंभीर मानवीय संकट पैदा कर दिया है। अमेरिका का कहना है कि कुछ कंपनियां और नेटवर्क दोनों पक्षों को हथियार, विस्फोटक और अन्य सहायता उपलब्ध करा रहे थे, जिससे संघर्ष और लंबा खिंचा। अमेरिका ने सूडान और मिस्र की कुछ अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें पोर्ट्स इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड भी शामिल है।

# ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कबूला जुर्म, गोपनीय दस्तावेज मामले में दोषी करार

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रह चुके जॉन बोल्टन ने गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने के मामले में अदालत में दोष स्वीकार कर लिया है। बोल्टन ने शुक्रवार को अमेरिकी अदालत में अपना जुर्म कबूल किया। इस मामले में उनके और अमेरिकी न्याय विभाग के बीच समझौता भी हुआ है, जिससे उन्हें जेल की सजा से राहत मिल सकती है। हालांकि अंतिम फैसला अदालत ही सुनाएगी। 77 वर्षीय जॉन किरियाको नहीं, मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट स्थित अमेरिकी जिला अदालत में राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी को अवैध रूप से अपने पास रखने के एक मामले में दोषी होने की बात स्वीकार की। इस अपराध के लिए अधिकतम 10 साल जेल की सजा का प्रावधान है। बोल्टन को 28 अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी। इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए बोल्टन को भयानक व्यक्ति बताया और कहा कि उनके साथ सख्ती से पेश आना चाहिए।

**जॉन बोल्टन पर क्या आरोप लगे थे :** अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, बोल्टन पर पिछले साल अक्टूबर में कुल 18 आरोप लगाए गए थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान तैयार की गई डायरी जैसी निजी नोट्स और अन्य गोपनीय जानकारियां अपने पास रखीं और उनमें से कुछ को अपने परिवार के सदस्यों के साथ साझा भी किया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, बोल्टन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में अपने दैनिक कार्यों से जुड़ी 1,000 से अधिक पन्नों की जानकारी अपने परिवार को भेजी थी।

**क्या समझौते से जेल की सजा टल सकती है :** न्याय विभाग के साथ हुए समझौते के तहत बोल्टन ने 22.5 लाख अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमति जताई है। उन्हें अपनी संघीय सेवा से मिलने वाली सेवानिवृत्ति राशि भी छोड़नी होगी। इसके अलावा उन्हें खुफिया अधिकारियों के साथ पूछताछ सत्र में शामिल होना होगा और 100 घंटे तक सामुदायिक सेवा भी करनी होगी। समझौते में जेल की सजा को अधिकतम पांच साल तक सीमित रखने की सिफारिश की गई है, लेकिन अदालत इस सिफारिश को मानने के लिए बाध्य नहीं है। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, बोल्टन ने कुछ दस्तावेज अपनी पत्नी और बेटी के साथ साझा किए थे। एक दस्तावेज भेजने के बाद उन्होंने संदेश में लिखा था, इस बारे में हम बात नहीं करेंगे। अभियोजकों का कहना है कि हालांकि इस बात के कोई सबूत नहीं मिले कि उनके परिवार ने यह जानकारी किसी और को दी। लेकिन सरकारी सेवा छोड़ने के बाद बोल्टन के निजी ईमेल खाते को ईरान से जुड़े एक हैकर ने निशाना बनाया था, जिससे गोपनीय जानकारी तक पहुंच बनने की आशंका जताई गई। जॉन बोल्टन ने ट्रंप के पहले कार्यकाल में एक साल से अधिक समय तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में काम किया था। वर्ष 2019 में उन्हें पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद उन्होंने द रूम व्हेयर इट हैपन्ड नामक पुस्तक लिखी, जिसमें ट्रंप के नेतृत्व की आलोचना की गई थी। ट्रंप प्रशासन ने इस पुस्तक के प्रकाशन को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।

# वेनेजुएला में तबाही के बीच अब पाकिस्तान में भूकंप, डेरा गाजी खान के पास कांपी धरती

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के डेरा गाजी खान क्षेत्र के पास शनिवार सुबह 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 75 किलोमीटर की गहराई में था। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। यह झटका ऐसे समय आया है, जब वेनेजुएला हाल ही में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी भूकंपों से जूझ रहा है, जहां राहत और बचाव कार्य अब भी जारी हैं। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंपों से दुनिया अभी उबर भी नहीं पाई है कि अब पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। शनिवार सुबह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के डेरा गाजी खान इलाके के पास 5.4 तीव्रता का

भूकंप आया। हालांकि, राहत की बात यह है कि अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। जानकारी के अनुसार, भूकंप शनिवार सुबह पाकिस्तान समयानुसार 8:53 बजे आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र डेरा गाजी खान के पास जमीन से करीब 75 किलोमीटर नीचे स्थित था। झटके महसूस होते ही लोग घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन प्रशासन सतर्क है। पाकिस्तान में हाल के दिनों में कितनी बार महसूस किए गए भूकंप के झटके? यह पहला मौका नहीं है जब हाल के दिनों में पाकिस्तान में धरती कांपी हो। इससे पहले शुक्रवार को बलूचिस्तान के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पाकिस्तान भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है, जिसके कारण यहां समय-समय पर भूकंप आते रहते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे क्षेत्रों में लोगों को हमेशा सतर्क रहने की जरूरत होती है। वेनेजुएला में भूकंप ने कितनी तबाही मचाई है? पाकिस्तान में आए भूकंप की खबर ऐसे समय आई है, जब वेनेजुएला अभी भी हाल के विनाशकारी भूकंपों से जूझ रहा है। बुधवार को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आए थे, जिनसे बड़े पैमाने पर तबाही हुई। कई इमारतें ढह गईं और हजारों लोग प्रभावित हुए। बचाव और राहत अभियान अब भी जारी है। वेनेजुएला के कई शहरों में मलबे में दबे लोगों की तलाश जारी है। अस्पतालों और राहत शिविरों में बड़ी संख्या में घायलों का इलाज किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियां भी राहत कार्य में जुटी हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रभावित इलाकों का पूरा आकलन करने में अभी समय लगेगा, क्योंकि कई क्षेत्रों तक पहुंचना मुश्किल बना हुआ है।

# एफसीआरए संशोधन किसी समुदाय के खिलाफ नहीं', केरल भाजपा अध्यक्ष बोले- कांग्रेस ने इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** केरल में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में किए गए संशोधनों को लेकर जारी बहस के बीच प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए में किए गए बदलाव किसी भी समुदाय को निशाना बनाने के लिए नहीं हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि इन संशोधनों का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी फंड का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों के लिए न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया, जिससे भाजपा को ईसाई समुदाय का समर्थन प्रभावित हुआ।

तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान एफसीआरए संशोधनों को बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा कि इस वजह से भाजपा को ईसाई समुदाय के बीच नुकसान उठाना पड़ा। चंद्रशेखर ने यह भी स्पष्ट किया कि एफसीआरए के तहत सिर्फ ईसाई संस्थाएं ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों से जुड़ी संस्थाएं विदेशी फंड प्राप्त करती हैं और कानून में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसका इस्तेमाल किसी विशेष समूह को निशाना बनाने के लिए किया जा सके। एफसीआरए संशोधनों को लेकर भाजपा का क्या कहना है? राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि संशोधनों का मकसद विदेशी चंदे के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग को रोकना है। उन्होंने कहा कि यदि किसी संगठन को कानून को लेकर वास्तविक चिंता है, तो उसे सरकार से चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार इस मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह स्वयं भी संबंधित संगठनों और गृह मंत्रालय के बीच बातचीत कराने में मदद करेंगे। ईसाई संगठनों ने किस बात पर चिंता जताई है? केरल के कई ईसाई संगठनों ने एफसीआरए संशोधनों को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि नए प्रावधानों से चर्च और उससे जुड़े संस्थानों के कामकाज पर असर पड़ सकता है। हालांकि, भाजपा का कहना है कि संशोधन का उद्देश्य किसी धार्मिक संस्था को प्रभावित करना नहीं है, बल्कि विदेशी फंड के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर बोलते हुए राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि आपातकाल को सिर्फ इतिहास के एक अध्याय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की याद दिलाता है। चंद्रशेखर ने कहा कि भारत जब विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

# भारत आएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की पुष्टि

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द भारत का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी पुष्टि की है। रुबियो ने एक इंटरव्यू में बताया कि वे खुद ट्रंप के भारत के ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं और इसके लिए वे जल्द भारत आएंगे। रुबियो ने बताया कि ट्रंप प्रशासन अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे की तैयारियां कर रहा है। यह भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। रुबियो ने कहा- इस साल के अंत में वे भी भारत का दौरा करेंगे व्हाइट हाउस में न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा, मैं साल के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे की तैयारियों के सिलसिले में भारत की यात्रा करूंगा। भारत-अमेरिका के संबंधों को लेकर रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत स्थिति में हैं और जी7 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच हुई हालिया मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में बेहतरी हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि क्वाड बैठक पर भी जल्द बातचीत हो सकती है। रुबियो ने भारत को अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने कहा, 'भारत, अमेरिका का करीबी सहयोगी है और प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के रिश्ते भी बहुत अच्छे हैं, जो मुझे लगता है कि कूटनीति में बेहद महत्वपूर्ण होते हैं।'

फरवरी 2020 में ट्रंप ने किया था भारत दौरा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरी बार फरवरी 2020 में भारत का दौरा किया था। उस समय उन्होंने नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता से पहले अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप रैली को भी संबोधित किया था। साल 2024 में अमेरिकी सत्ता में दोबारा लौटने के बाद भी ट्रंप ने भारत के साथ बेहतर संबंधों को बढ़ावा दिया है और दोनों देश व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी में कई समानताएं भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारत और अमेरिका को असीमित संभावनाओं वाले स्वाभाविक साझेदार बताते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश और उभरते क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग को राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी व्यक्तिगत संबंधों से भी मजबूती मिल रही है।

व्हाइट हाउस में आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में गोर ने भारत में अपने पहले छह महीनों के अनुभव साझा करते हुए कहा कि देश की विविधता, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और अमेरिका के साथ मजबूत होती साझेदारी ने द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य को लेकर उनके विश्वास को और मजबूत किया है। अमेरिकी राजदूत ने राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच करीबी कार्य संबंधों की भी तारीफ करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत नींव बताया। प्रधानमंत्री मोदी के बारे में गोर ने कहा, 'वे बेहद ऊर्जावान हैं, हर काम में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हैं और परिणाम देने पर जोर देते हैं। मुझे उनमें और राष्ट्रपति ट्रंप में कई समानताएं दिखाई देती हैं, क्योंकि दोनों ही खुद नेतृत्व करते हुए काम पूरा कराने में विश्वास रखते हैं।' उन्होंने कहा, 'दोनों की सोच काफी हद तक एक जैसी है और दोनों परिणाम देना चाहते हैं।

भविष्य की प्राथमिकताओं पर गोर ने कहा कि उनका ध्यान भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने, रक्षा सहयोग का विस्तार करने और पैक्स सिलिका जैसी पहलों को आगे बढ़ाने पर रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )